अषाढ़ मास, शुक्ल पक्ष 20 वर्ष, अंक 228 पृष्ठ 8 मूल्य 1.00

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज से प्रकाशित

www.akhandbharatsandesh.net

नगर संस्करण प्रयागराज | गुरूवार 12 अगस्त 2021 | विश्व निर्माण एवं मानव विकास को दुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

क्रियायोग संदेश

स्थायी सुख, शान्ति व निर्भय वातावरण के लिए "क्रियायोग अभ्यास करें" सत्य की अनुभूति में सभी प्रकार के क्लेश हमेशा के लिए दूर हो जाते हैं। अध्यात्मिक वैज्ञानिकों ने सिद्ध कर दिया है कि क्रियायोग के द्वारा हम सत्य से जुड़ जाते हैं। ज्ञान, शक्ति, शान्ति, आनन्द, नाम-यश, धन आदि के लिए मनुष्य को दर-दर भटकना पड़ता है, और प्राप्त न होने पर मनुष्य में हिंसक प्रवृत्ति प्रकट होती है। क्रियायोग में भक्ति दृढ़ होने पर ज्ञान, शक्ति, शान्ति,आनन्द, धन आदि सब कुछ स्वयं मनुष्य के पास आ जाते हैं।

क्रियायोग प्राचीनतम् एवं नित्य नवीन पूर्ण विज्ञान है। ईश्वरीय नियमों के अनुसार कलिकाल में क्रियायोग का ज्ञान विलुप्त हो गया। आरोही द्वापर युग के आते ही मृत्युंजय अमर गुरु श्री महावतार बाबा जी द्वारा क्रियायोग को पुनर्जीवित कर पुन: परिष्कृत किया गया। उन्नीसवीं शताब्दी में महावतार बाबाजी ने क्रियायोग को लाहिड़ी महाशय जी के माध्यम से मानवजाति को दिया। क्रियायोग ही सनातन धर्म में वर्णित यज्ञ है। क्रियायोग ही वेदपाठ है। क्रियायोग अभ्यास से मनुष्य को अपने वास्तविक स्वरूप "अहंब्रह्मास्मि" की अनुभूति एक ही जन्म में सम्भव है।

स्वामी श्री योगी सत्यम्

क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान

प्रयागराज

10 मिनट का अभ्यास 20 वर्ष का विकास

आर्टिकल 370 हटने के बाद से कितने कश्मीरी पंडितों को वापस मिल सकी उनकी प्रॉपर्टी? सरकार ने बताया

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार की तरफ से जानकारी दी गई है कि अब तक कुल 9 कश्मीरी पंडितों को कश्मीर में उनकी प्रॉप्रटी वापस दिलाई गई है। यह कश्मीरी पंडित उस प्रॉपर्टी के असली मालिक हैं जो कभी हिंसा के बाद वहां से पलायन कर गये थे। राज्यसभा में केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने इस बात की जानकारी देते हुए कहा कि सरकार उन सभी कश्मीरी हिंदू को वापस कश्मीर में बसाने के प्रयास में है जो वहां आतंकी हिंसा के बाद कश्मीर छोड़ कर पलायन कर गये थे। सरकार इन प्रवासी कश्मीरी हिंदुओं को उनकी प्रॉपर्टी भी वापस करवा रही है। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री ने बताया कि 1997 के तहत सभी जिलों के प्रवासी कश्मीरियों की प्रॉपर्टी के कानूनी कस्टोडियन संबंधित जिलों के जिला मजिस्ट्रेट हैं। सरकार ने बताया है कि अगर इस प्रॉपर्टी पर कोई गैर कानूनी तरीके से अतिक्रमण करता है तो डीएम इसपर कानूनी कार्रवाई करते हैं। अब अपनी जमीन वापस पाने के लिए कश्मीरी पंडित डीएम से भी संपर्क कर सकते हैं।

ओबीसी समुदाय को बड़ा तोहफा

राज्यसभा से भी पारित हुआ आरक्षण बिल

लोकसभा से पहले ही मिल चुकी है मंजूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। राज्यों को ओबीसी आरक्षण सूची तैयार करने का अधिकार देने वाले 127वें संविधान संशोधन विधेयक को राज्यसभा की मंजूरी मिल गई है। संसद के उच्च सदन में मौजूद सभी 186 सांसदों ने इस बिल का समर्थन किया। इससे पहले मंगलवार को लोकसभा ने भी इस बिल को मंजूरी दी थी। अब इस बिल को राष्ट्रपति के समक्ष पेश किया जाएगा और उनके हस्ताक्षर के साथ ही यह कानून के तौर पर लागू हो जाएगा। इसके तहत देश के सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को अपने स्तर पर ओबीसी आरक्षण के लिए जातियों की सूची तय करने और उन्हें कोटा देने का अधिकार होगा। हाल ही में महाराष्ट्र सरकार की ओर से दिए गए मराठा कोटे को सुप्रीम कोर्ट से खारिज किए जाने के बाद केंद्र सरकार यह विधेयक लाई थी। मराठा आरक्षण पर रोक लगाते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि राज्य सरकार की ओर से इस तरह किसी भी समुदाय को ओबीसी सूची में शामिल नहीं किया जा सकता। अदालत के इस फैसले से महाराष्ट्र में मिला मराठा आरक्षण खारिज हो गया था और राज्य में आंदोलन शुरू हो गए थे। इसके बाद सरकार यह बिल लाई है। इससे महाराष्ट्र में मराठा आरक्षण की राह आसान होगी। इसके अलावा अन्य राज्यों में भी प्रदेश सरकारों को अपने मुताबिक सूची तैयार करने का अधिकार मिलेगा। राज्यसभा में इस विधेयक पर बहस के दौरान कांग्रेस समेत कई विपक्षी दलों ने केंद्र सरकार से आरक्षण की 50 फीसदी सीमा को भी खत्म करने की मांग की।

इससे पहले लोकसभा में भी विपक्षी दलों ने जातिवार जनगणना कराने और आरक्षण की सीमा को समाप्त करने की मांग की थी। मंगलवार को लोकसभा में यह विधेयक पारित हुआ था और उसके बाद उसे अनिश्चितकाल यानी अगले सत्र तक के लिए स्थगित कर दिया है। सदन में लगातार जारी हंगामे के बीच ओबीसी बिल पर ऐसा पहली बार देखने को मिला, जब संसद के दोनों सदनों में चर्चा हुई और बिना किसी बाधा के कामकाज हुआ। दोनों ही सदनों से ओबीसी विधेयक को ध्वनिमत से पारित किया गया है। दोनों सदनों के किसी भी सदस्य ने इस बिल का विरोध नहीं किया।

मोदी सरकार के 39 नए मंत्री 20 हजार किलोमीटर की यात्रा के जरिए मांगेंगे 'आशीर्वाद'

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र की मोदी सरकार में शामिल किए गए 39 नए मंत्री 16 अगस्त से 20,000 किलोमीटर की यात्रा पर निकलेंगे। इस यात्रा के जरिए मोदी के मंत्री जनता से आशीर्वाद मांगेंगे। इन मंत्रियों ने 3 से 7 दिनों तककी अपनी यात्रा का कार्यक्रम बनाया है। इस यात्रा के तहत सांसद अपने लोकसभा क्षेत्र के अलावा तीन और संसदीय सीटों का दौरा करेंगे। इसके अलावा 4 जिलों में जाएंगे। बीजेपी के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुग ने यह जानकारी दी है। इस यात्रा का प्लान भी मंत्रियों ने नहीं बल्कि खुद पीएम नरेंद्र मोदी ने ही तैयार किया है।

यूपी में दो दिन की साप्ताहिक बंदी खत्म

शनिवार को खुलेंगी दुकानें रविवार को बंद रहेगा बाजार

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी में अब दो दिन की साप्ताहिक बंदी को हटा दिया गया है। शनिवार को भी दुकानें खुलेंगी सिर्फ रविवार को ही बाजार बंद रहेगा। शासन ने मास्क की अनिवार्यता, दो गज की दूरी और सेनिटाइजर के प्रयोग की शर्त के साथ सप्ताह में छह दिनों तक सुबह छह बजे से रात्रि 10 बजे तक गतिविधियों की अनुमति दी है। रविवार को साप्ताहिक बंदी पहले की तरह जारी रहेगी। योगी सरकार ने इस संबंध में दिशा-निर्देश जारी कर दिया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को सुबह टीम-9 की बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिए थे कि स्थिति का आकलन कर साप्ताहिक बंदी में आंशिक छूट देने पर विचार किया जाए। इस पर अपर मुख्य सचिव गृह अवनीश कुमार अवस्थी ने विचार के बाद बुधवार की शाम को इस संबंध में शासनादेश जारी कर दिया। इसके अनुसार आने वाले शनिवार (14 अगस्त) को साप्ताहिक बंदी नहीं रहेगी। इससे पहले 11 जुलाई को जारी शासनादेश में सरकार ने केवल सोमवार से शुक्रवार तक ही

गतिविधियों की छूट दी थी। शनिवार व रविवार को कोरोना कर्फ्यू लागू रखा गया था। मुख्यमंत्री ने गृह विभाग को विस्तृत गाइड लाइन प्रस्तुत करने का निर्देश भी दिया था। मुख्यमंत्री ने यह निर्देश भी दिया कि प्रत्येक स्थान पर और प्रत्येक दशा में कोविड प्रोटोकॉल का पालन कराया जाए। कहीं भी अनावश्यक भीड़भाड़ न हो और पुलिस लगातार पेट्रोलिंग करे।

दरअसल, प्रदेश के सभी जिलों से व्यापार मंडलों के माध्यम से यह मांग की जा रही थी कि जब सप्ताह में पांच दिनों में सभी प्रकार की गतिविधियां हो रही हैं तो सिर्फ दो दिनों के लिए प्रतिबंध क्यों रखे जाएं ? वे व्यापार में घाटा होने का हवाला भी दे रहे थे। कुछ संगठनों ने शनिवार को साप्ताहिक बंदी खत्म करने का सुझाव भी शासन को दिया था। इस पर मुख्यमंत्री ने सहानुभूति पूर्वक विचार कर फैसला ले लिया। सीएम योगी ने आज सुबह अधिकारियों को बेसिक शिक्षा परिषद के विद्यालयों में कक्षा छह से आठवीं वीं तक की कक्षाओं में नए एडमिशन की प्रक्रिया शुरू करने को कहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्थिति का आंकलन करते हुए इन स्कूलों में एक सितंबर से पढ़ाई शुरू किया जा सकता है। उन्?होंने कहा कि हर स्?थान पर हर हाल में कोविड प्रोटोकॉल का अनुपालन कराया जाना।

हाईवे निर्माण में वर्ल्ड रिकॉर्ड से नहीं भरा मन, गडकरी ने बताया क्या है उनका टारगेट

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने बुधवार को कहा कि इन्फ्रास्ट्रक्चर का विकास देश के लिए बहुत अहम है और उनका टारगेट हाईवे निर्माण में 100 किलोमीटर प्रतिदिन की गति पाना है। इंडस्ट्री बॉडी ण्घ्घ् की ओर से आयोजित एक वर्चुअल इवेंट में सड़क, परिवहन और हाईवे मंत्री ने कहा की लेटलतीफी और फैसले लेने में देरी, देश की बड़ी समस्या है। गडकरी ने कहा, ''इन्फ्रास्ट्रक्चर (विकास) देश के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। कोरोना महामारी में भी हमने एक दिन में 38 किलोमीटर सड़क बनाकर वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया। 2020-21 में हाईवे निर्माण की गति बढ़कर रिकॉर्ड 37 किलोमीटर प्रतिदिन हो गई है। मंत्री ने आगे कहा, ''...(लेकिन) मैं मौजूदा प्रदर्शन से संतुष्ट नहीं हूं।

प्रयागराज में बाढ़ः गंगा ने तोड़ा 2019 का रिकॉर्ड, यमुना भी मचा रही तबाही

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। तीर्थराज प्रयाग में गंगा और यमुना के उफान से मची तबाही ने वर्ष 2019 का रिकार्ड 85.79 मीटर को तोड़ दिया। गंगा और यमुना पिछले तीन दिनों से खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं और कछार में बाढ़ से तबाही मची है। गंगा तीन साल पुराने जलस्तर 85.79 मीटर के रिकार्ड को तोड़कर 86.03 मीटर पर बह रही हैं। इसी के साथ यमुना का जलस्तर भी खतरे के निशान से एक मीटर ऊपर है। दोनों नदियों के उफान से जहां पीड़ितों की जिंदगी बेहाल है वहीं दूसरी तरफ तमाम युवक शास्त्री पुल से छलांग लगाकर अपनी कला का कौशल दिखाने से बाज नहीं आ रहे हैं। सोशल मीडिया पर कुछ युवको के शास्त्री

पुल की रेलिंग से गंगा में छलांग लगाने का वीडियो वायरल कर दिया। पुलिस अधिकारियों ने उसे संज्ञान में लिया।दारागंज थाना प्रभारी जे पी शाही ने बताया कि झूंसी की तरफ कुछ युवाओं के यमुना में कूदने की खबर थी। सुरक्षा के मद्देनजर दो शिफ्टों में सिपाहियों की 12 घंटे की ड्यूटी लगाई गई है। उन्होने बताया कि पूरे संगम क्षेत्र में नागवासुकी, बक्शीबांध समेत सभी प्वांइट पर करीब 50 पुलिसकमिर्यों की ड्यूटी लगायी गयी है। प्रयागराज में दारागंज- नागवासुकि मार्ग के अलावा कछार की जिन सड़कों पर एक सप्ताह पहले वाहन दौड़ रहे थे, वहां अब दो नादियों के जलप्लुवन के रौद्र रूप से लोगों को केवल नाव का सहारा है। एनडीआरएफ के जवान मोटरवोट से बाढ़ पीड़ति लोगों को शिविरों में पहुंचा रहे हैं। गंगा और यमुना के तटवर्ती क्षेत्रों में बाढ़ से लोगों की जिंदगी हलाकान हो गयी है। नगर में बनाए गये शिविरों में तीन हजार से अधिक पीड़ितों को पहुंचाया गया है। दंडी सन्यासी आरम जलमग्न हो गया है।मौसम विभाग ने बताया कि शहर में मंगलवार को 25.08 मीलीमीटर बारिश हुई थी। उन्होंने कहा कि पूरे सप्ताह बारिश का क्रम जारी रहने का अनुमान है। बीच बीच में हल्की धूप भी निकल सकती है। आज सुबह से यहां हल्की बारिश हो रही है। बाढ़ नियंत्रण कक्ष के अनुसार सुबह आठ बजे तक फाफामऊ में गंगा का जलस्तर लगातार बढ़ रहा था। इस समय गंगा 86.05 मीटर था उसें बाद 12 बजे एक सेंटीमीटर घट कर 86.04 मीटर दर्ज किया गया था।

कल्याणपुर और कपारी में रास्ता जलमग्न, बकुलिहा नदी उफनाई

रातभर हुई मूसलाधार बरसात में जर्जर मकान ढहे, लोगों ने जागकर बिताई रात

आवासीय योजना से वंचित परिवारों ने जिला प्रशासन से मांगा योजना का लाभ

अखंड भारत संदेश

शंकरगढ़,प्रयागराज। बाढ़ के साथ बीते 24 घंटे के दौरान हुई मूसलाधार बरसात ने कई परिवारों को पूरी तरह से बेघर कर दिया तो कइयों को घर छोड? के लिए मजबूर बना दिया। बीती रात हुई जोरदार बरसात की वजह से कई लोगों के मकान गिर गए। इसके साथ ही कई जर्जर मकानों में पानी भरा हुआ है, जिसकी वजह से लोगों ने आसपास के लोगों के यहां या फिर रिश्तेदारियों में पनाह ली है।

बाढ़ और बरसात के पानी की वजह से शंकरगढ़-नारीबारी के बीच कल्याणपुर मार्ग (पुलिया) पर पानी भर गया है। इसी तरह की स्थिति शंकरगढ़-कपारी-प्रयागराज मार्ग पर कपारी की है। यहां पर नाले की पुलिया डूब चुकी है और दोनों रास्तों पर आवागमन ठप है। इसके अलावा बकुलिहा नदी के ओवरफ्लो करने से बकुलिहा गांव टापू बन गया है। गांव के लोगों को मुख्य मार्ग से संपर्क कट गया है। बरसात की वजह से शंकरगढ़ कस्बा व क्षेत्रवासियों को दिनभर बिजली नहीं मिली। उपकेंद्र में पानी भर जाने से यहां दिनभर पानी निकलाने और मशीनों की मरम्मत का कार्य चला।अवर अभियंता सुनील कुमार सिंह अपने कर्मचारियों के साथ दिन भर पॉवर हाउस में पानी निकलवाने और मरम्मत के कार्य मे डटे रहे।बीडीओ अमित मिश्र ने बताया कि कई जगहों पर रास्ता बंद होने शिकायत मिली है। इसमें लखनपुर, शिवराजपुर आदि गांवों में सफाई कमिन्यों को अविलंब पानी निकलवाने का आदेश दिया गया है। शिवराजपुर में जलनिगम की टंकी के परिसर मे पानी भरा है। यहां लेखपाल गंगाप्रसाद ने पानी निकलवाने की कोशिश की, पर पूरी तरह से सफलता नहीं मिल पाई।

विकास खंड शंकरगढ़ के मौहारिया कला की हरिजन कालोनी में बीती रात बारिश के चलते लोगों के घरों में पानी भर गया। इस दौरान बहुत से लोगों के जर्जर मकान ढह भी गए। लोग अपने अपने घरों से पलायन कर रहे हैं। मकानों में पानी भर जाने की वजह से लोगों को भारी नुकसान हुआ है। घर में रखा अनाज व गृहस्थी का सारा सामान भीगकर नष्ट हो गया है। बरसात की वजह से बिगड़े हालात की जानकारी तहसील प्रशासन के साथ ही ब्लाक मुख्यालय पर दी गई, पर प्रभावित परिवारों तक कोई मदद नहीं पहुंचाई गई।

स्थानीय लोगों का कहना है कि गांव में सरकारी आवास नहीं मिलने से बहुत से परिवार जर्जर आवास में रह रहे हैं। आवास योजना से वंचित लोगों में कमलेश, बहादुर, अनूप, रामजी, कुइशा, सियाराम, दुखनी, संजू कोल, धर्मराज, बडकू, शोभा लाल उर्फ लोकपाल, देवेंद्र, रामजी, राजकरण, बासुदेव, राजेश, रामबाबू, धीरज, राजकुमार, लवकुश, कामता, रामायण प्रसाद इत्यादि लोगों शासन-प्रशासन का ध्यान इस ओर आकृष्ट कराते हुए आवास की सुविधा दिए जाने की मांग की है।

पुल टूटने से बढ़ गई मुसीबत

प्रयागराज। बाढ़ और बारिश की विभीषिका झेल रहे जनपद वासियों की समस्याएं बढ़ती जा रही हैं। बीती रात यमुनापार के लालापुर से बाघला, शिवराजपुर, शंकरगढ़ तक जाने वाली सड़क पर बना पुल बरसात की वजह से टूट गया। बताया जाता है कि यह पुल तरैया रोड पर बना है। इस पुल के टूटने से दर्जनों गांव के लोगों को आवागमन बाधित हो गया है। लालापुर से बाघला, शिवराजपुर और शंकरगढ़ जाने के एकमात्र इस रास्ते पर बने पुल के टूटने से लोगों को खासी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है।

बारिश से गिरे मकानों से बेघर हुए पीड़ितो को प्रधानो ने की मदद्

अखंड भारत संदेश

करछना। तहसील क्षेत्र के गांवो में बारिश और बाढ के कहर से गरीबों के बडी संख्या में आशियाना जमीदोह हो गयें हैं, कच्चे मकानों पर बारिश का पानी मुशिबत बन गया है, लगातार तीन दिनों से हो रही बारिश के चलते दर्जन भर से अधिक गरीबों के कच्चे मकान गिर कर जमीदोह हो गयें हैं, जिनको आश्रय देने में गांव के प्रधानो ने अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए सहायता करने में हाथ आगे बढाए है । चनैनी गांव की अनूपा देवी, सेमरहा उपरहार प्रेम चंद निषाद, मछहर का पुरवा में मानिक चंद्र का मकान बारिश के चलते जमीदोह होने के कारण बेघर हो गए थे, जिनको गांव के प्रधान धीतेश तिवारी, श्री शंकर निषाद, व राज कुमारी, महेन्द्र कुमार सरोज ने गरीबों को रहने खाने का आश्रय देकर मदद् पहुँचाई है ।इसी क्रम में बसही गांव के प्रधान हिमान्शु सिंह ने , देहली भगेशर के प्रधान शिव कुमार यादव ने बाढ प्रभावित लोगों को नाँव के सहारे फसे लोगों को बाहर निकाला और उन्हे मदद् में आगे हाथ बढाया ।

बाढ़ की चपेट में आकर धंसी जगदीशपुर की पुलिया, यातायात बाधित

अखंड भारत संदेश

लालापुर। मूसलाधार बारिश व बाढ़ के तेज बहाव से घूरपुर लालापुर मार्ग स्थित जगदीशपुर गांव की पुलिया बुरी तरह से धंस गई । जिससे आवागमन बाधित हो गया । जहां एक ओर तरहार क्षेत्र पूरी तरह से जलमग्न हो चुका है ।वहीं इस पुलिया के टूटने से तरहार गांव के दर्जन भर से ज्यादा गांवो के आने जाने वाले लोगों को भारी मुसीबत से जूझना पड़ना शुरू हो गया ।

घूरपुर से लालापुर अमिलिया की ओर जाने वाले मार्ग पर जगदीशपुर गांव में सड़क निर्माण के दौरान करीब दो वर्ष पूर्व नदी के ऊपर पुलिया का निर्माण कराया था ।जो मंगलवार की रात बुरी तरह से धंस गया।जिससे लोगो को आने जाने के लिए रास्ता अवरुद्ध हो गया ।प्रधान जगदीशपुर विराट तिवारी ने उक्त पुलिया की मरम्मत कराए जाने की मांग की है ।

प्रधान ने बाढ़ पीड़ित परिवारों के बीच किया प्लास्टिक का वितरण

अखंड भारत संदेश

सिरसा/मेजा। प्रयागराज मेजा क्षेत्र में पिछले 10 दिनों से लगातार हो रही बारिश और बाढ़ से मेजा तहसील के नदी के किनारे बसे लोगों के घरों में पानी घुस जाने के कारण उन्हें घरों से बाहर निकलना पड़ रहा है।एक ओर जहां उन्हें रहने के ठिकाने के लिए खेतों में शरण लेना पड़ रहा है।वही घरों में रखा गृहस्थी सामान सब डूब गए। शासन-प्रशासन से लेकर स्वयंसेवी संगठनों एवं जनप्रतिनिधियों ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर यथासंभव सहयोग देने का आश्वासन कर रहे हैं।इसी कड़ी में तहसील प्रशासन ने बाढ़ प्रभावित लोगों को आशियाना बनाने के लिए प्लास्टिक की पननी मुहैया कराई है जिसमें कोना गांव के निषाद परिवारों को घर में घुसे पानी के कारण उन्हें प्लास्टिक मुहैया कराई गई है। कोना ग्राम पंचायत के प्रधान शशिकांत पांडे ने बताया कि शासन द्वारा उन्हें 12 प्लास्टिक की पननी जरूरतमंदों को वितरण करने के लिए दिया गया है लेकिन 3 दर्जन से अधिक लोगों के घरों में पानी घुस जाने के कारण दिक्कतें हो रही हैं। उन्होंने स्वयं अपने पास से मिला करके जरूरतमंदों को प्लास्टिक वितरण किया।उन्होंने बताया कि इसके अलावा भी बहुत सारे पीडि़त परिवार वंचित हो रहे हैं।उन्होंने शासन से मांग की है कि शेष और पीडि़तों के परिवारों को प्लास्टिक मुहैया कराई जाए। प्रधान ने बताया कि गांव के पीडि़त परिवारों में शिवलाल, माला, राधे, अयोध्या, लल्ले, मिश्रीलाल, अगम लाल, फूल कुमारी, भलाई, मुखिया आदिवासी, रंजीत आदिवासी, सियाराम, कमलेश, ननकू, गोरन, लालजी, कमला और शिवलाल को मदद की गई है। सभी पीडि़त परिवार घरों से निकलकर खेतों में शरण ली है। उन्होंने कहा कि शासन द्वारा पीडि़त परिवारों को जो भी सुविधाएं दी जायेंगी उसे निष्पक्षता से पीडि़त परिवारों को वितरित किया जाएगा। प्रधान के इस कार्य की पीडि़त परिवारो और ग्रामीणों ने सराहनीय कदम बताया है। इस सहयोग को पाकर जरूरत मन्द लोगो मे खुसी की मुस्कान देखा गया।

संस्कृत के विद्वान पंडित राम शिरोमणि मिश्रा के निधन पर शोक

सहसों। क्षेत्र के माने जाने संस्कृत विद्वान एवं शिक्षा से लेकर लंबे समय तक राजनीतिक सफर तय करने वाले पंडित राम शिरोमणि मिश्र 90 वर्षीय का हृदय गति रुक जाने की वजह से निधन हो जाने पर बुधवार को सहसों में एक शोक सभा आयोजित कर शोक प्रकट करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। तथा 2 मिनट का मौन रखकर लोगों ने मृतक आत्मा की शांति प्रदान करने हेतु ईश्वर से प्रार्थना की। देवराज उपाध्याय ने कहा पंडित राम शिरोमणि मिश्र जी ने क्षेत्र में शिक्षा की जो अलग जगाई वह अत्यंत प्रशंसनीय कार्य रहा। वह संस्कृत के विद्वान के साथ-साथ हिंदी भूगोल और अर्थशास्त्र में भी महारत हासिल किए थे तथा मोतीलाल नेहरू इंटर कॉलेज में 35 वर्षों तक बखूबी प्रधानाचार्य के पद पर सुशोभित रहें। यही नहीं पंडित जी 1916 से जमुनीपुर गांव की ऐतिहासिक रामलीला समिति के आजीवन अध्यक्ष पद पर रहकर सब को एक साथ लेकर बहुत ही सुंदर रामलीला का मंचन भी उनके नेतृत्व में होता रहा। इस अवसर पर श्रद्धांजलि देने वालों में विनय कुमार द्विवेदी, राम सजीवन शुक्ला, वीरू पांडे, अखंड प्रताप सिंह, राजकुमार सिंह, लालजी द्विवेदी, चिंतामणि शुक्ला, राजू तिवारी, रवि द्विवेदी, राजन केसरवानी, राजेंद्र केसरवानी, फूलचंद साहू आदि उपस्थित रहे।

ब्लांक प्रमुख प्रतिनिधि करछना बाढ़ प्रभावित पीड़ितों के बीच बांटी राहत सामग्री

सरकार की तरफ से अब तक नहीं की जा सकी है मदद्

अखंड भारत संदेश

करछना। बाढ़ से प्रभावित लोगों के बीच ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि करछना कमलेश कुमार द्विवेदी ने बुधवार को राहत सामग्री लेकर पहुंचें और पीडि़तों को राहत सामग्री बाटी। साथ ही बाढ़ पीडि़तों को हर संभव मदद करने का आश्वासन दिया। बता दें कि पिछले 1 सप्ताह से गंगा व टोंस नदी के जलस्तर में लगातार बेतहाशा बढ़ोतरी हो रही है। जिससे हर तरफ जल का सैलाब दिख रहा है। लगातार बढ़ते पानी को देख निचले इलाके में रहने वाले लोगों में हाहाकार मची है। वही निचले कछारी इलाके में रहने वाले ज्यादातर ग्रामीणों का घर पानी की चपेट में आ गए हैं। लोग अपनी अपने घरों से पलायन कर ऊंचे सुरक्षित स्थान पर रहने को मजबूर है। बाढ़ का पानी घरों में भर जाने से गृहस्ती का सारा सामान डूब कर नष्ट हो गया है। ऐसी दशा में परिवार की जीविका चलाने के लिए पीडि़तों के लिए काफी दिक्कत हो रही है। ग्रामीणों के मुताबिक अभी तक शासन प्रशासन की तरफ से किसी भी प्रकार का मदद नहीं किया जा रहा है। करछना क्षेत्र के मेडरा,डेरा, कटका,ताला,हथसरा, बसही,डीहा,महेवा, भगनपुर, देहली, आदि गांव में 5 दर्जन से अधिक ग्रामीणो का घर बाढ़ के पानी से प्रभावित खोकर एक सप्ताह से डूबा है। लेकिन एक सप्ताह बीत जाने के बाद भी अभी तक शासन प्रशासन की ओर से सुरक्षित स्थान पर रहने के लिए समुचित व्यवस्था नहीं की गई है। जिसको देखते हुए ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि करछना कमलेश कुमार द्विवेदी लगातार बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर लोगों से मिलकर मदद कर रहे हैं। बुधवार को प्रमुख प्रतिनिधि ने क्षेत्र के मेडरा, कटका, महेवा ,हथसरा, ताला गांव में बाढ़ पीडि़तों के बीच पहुंचकर खाद्यानन्न, तिरपाल व अन्य राहत सामग्री बाटी। साथ ही बाढ़ पीडि़तों को हर संभव मदद करने का आश्वासन दिया। इस मौके पर राजेश्वर पांडे, मिथिलेश कुमार द्विवेदी, ओपी पटेल, जयशंकर द्विवेदी ,प्रदीप मिश्रा, दिलीप मिश्रा, विजय शंकर गुप्ता, अरविंद गुप्ता ,संतोष पांडे ,आदि लोग रहे।

मेजा उपजिलाधिकारी ने बाढ़ क्षेत्र का लिया जायजा

उपजिलाधिकारी ने कहा कि बाढ़ पीड़ित लोगों के प्रति शासन और प्रशासन पूरे सहयोग के साथ हैं

अखंड भारत संदेश

सिरसा/मेजा। प्रयागराज मेजा क्षेत्र नदियों में आई बाढ़ को लेकर निचले इलाके के कई गांव बाढ़ की चपेट में आ गए हैं जिसको लेकर शासन प्रशासन पूरी तरह से सजग है। इसी क्रम मे टोंस नदी मे आई बाढ़ की चपेट मे आए हुए मेजा तहसील क्षेत्र के समहन गांव का उपजिलाधिकारी ने जायजा लिया। बता दें कि तहसील क्षेत्र के समहन गांव मे बुधवार को उपजिलाधिकारी मेजा रेनू सिंह ने समहन गांव मे नाव पर बैठकर बाढ़ की स्थिति का जायजा लिया, और क्षेत्र के बगहा गांव का भी निरीक्षण किया। बाढ़ से प्रभावित लोगों की मदद के लिए संबंधित अधिकारियों को आदेशित करते हुए उपजिलाधिकारी मेजा ने नाविकों को भी हिदायत दिया। बाढ़ से पीडि़त लोगों को हरसंभव प्रशासनिक मदद का भरोसा दिलाया। उपजिलाधिकारी के इस कार्य से बाढ़ पीड़ितों में संतोष जनक देखने को मिला है।

श्रीकृष्ण और सुदामा की मित्रता से हमें सीख लेना चाहिए : आचार्य श्री शुक्ला

अखंड भारत संदेश

जसरा।प्रयागराज। श्रीमद् भागवत महापुराण कथा के अंतिम दिन बुधवार को यजमान अरुण प्रताप सिंह की माता जी को कथा वाचक आचार्य पंडित राम अचल शुक्ल ने सुदामा चरित्र व सुखदेव विदाई का वर्णन सुनाया। आचार्य श्री शुक्ल जी ने कहा कि मित्रता में गरीबी और अमीरी नहीं देखनी चाहिए। मित्र एक दूसरे का पूरक होता है। भगवान कृष्ण ने अपने बचपन के मित्र सुदामा की गरीबी को देखकर रोते हुए अपने राज सिंहासन पर बैठाया और उन्हें उलाहना दिया कि जब गरीबी में रह रहे थे तो अपने मित्र के पास तो आ सकते थे। लेकिन सुदामा ने मित्रता को सर्वोपरि मानते हुए श्रीकृष्ण से कुछ नहीं मांगा। उन्होंने बताया कि सुदामा चरित्र हमें जीवन में आई कठिनाइयों का सामना करने की सीख देता है। अर्थात निस्वार्थ समर्पण ही असली मित्रता है। कथा के दौरान परीक्षित मोक्ष व भगवान सुखदेव की विदाई का वर्णन किया गया। कथा के बीच-बीच में भजनों पर श्रद्धालुओं ने नृत्य भी किया। इस दौरान रविन्द्र सिंह, पंडित लोकेश तिवारी, मनीष तिवारी, कृपा शंकर पांडेय, अंजनी शरण श्रावणी,शिव शंकर तिवारी,कीर्ती सिंह, प्रीती सिंह, संतोष सिंह, दीपक यादव सहित बड़ी संख्या में पुरुष व महिलाएं कथा में मौजूद रहीं।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता, पूर्व प्रधान व्यापार मंडल के पूर्व अध्यक्ष नंदलाल जायसवाल को श्रद्धांजलि दिया

जंघई। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पूर्व प्रधान, व्यापार मंडल के पूर्व अध्यक्ष स्वर्गीय नंदलाल जायसवाल को कांग्रेसियों ने दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दिया।उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव संजय तिवारी ने कहा कि नंदलाल जायसवाल के निधन के बाद क्षेत्र का एक समाजसेवी हम लोगों ने खो दिया है। श्रद्धांजलि देने वालों में गंगा पार कांग्रेस के जिलाध्यक्ष सुरेश चंद यादव, मधुसूदन पांडेय, गुड्डू नकवी, संतोष सिंह, एहतेशाम अहमद, ब्लॉक अध्यक्ष कमलेश पांडेय, बाबा दुबे, आदर्श प्रजापति, आकाश तिवारी, अरविंद दुबे प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

बरसात के मौसम में भी लोगों ने उत्साह के साथ कराया वैक्सीनेशन

अखंड भारत संदेश

सहसों। कोरोना संक्रमण के चलते दूसरी लहर बीत जाने के बाद तीसरी लहर आने से पहले लोग बड़े उत्साह के साथ मौसम को दरकिनार करते हुए बरसात के मौसम में भी सीएचसी बनी एट कोटवा स्वास्थ्य केंद्र पर जाकर क्षेत्र के युवक- युवतियां, वृद्ध महिला एवं पुरुष ने बड़े ही उत्साह के साथ अपनी बारी आने पर लोगों ने वैक्सीनेशन करवाया। सीएचसी बनी स्वास्थ्य केंद्र प्रभारी डॉ अमृत लाल यादव ने बताया कि बुधवार को 320 लोगों ने अपने अपने रजिस्ट्रेशन पर वैक्सीन लगवाया। इस मौके पर डॉ अमृत लाल यादव ने लोगों को जागरूक किया और सबको मास्क लगाने के लिए एवं 2 गज दूरी बनाकर रहने की भी सलाह दी।

बैंक से घर लौट रही महिला से 15 हजार छीना

अखंड भारत संदेश

शंकरगढ़,प्रयागराज। बैंक से पैसा निकालकर घर लौट रही महिला से दिनदहाड़े 15 हजार रुपये उचक्कों ने पार कर दिया। मामले की शिकायत शंकरगढ़ पुलिस से की गई है। यह घटना निरालानगर और नहर कालोनी के पास की है। जानकारी के मुताबिक शंकरगढ़ के डेरवाबारी रमना की रहने वाली नीता देवी पतनी राजकुमार बुधवार को अपने बचत खाता से पैसा निकालने के लिए बैंक आफ बड़ौदा की शाखा शंकरगढ़ आई थी। नीता देवी के मुताबिक उसने बैंक से 15 हजार रुपये निकाला और पैसा बैग में रखकर पैदल ही शिवराजपुर की तरफ बढ? लगी।पुलिस से की गई शिकायत के मुताबिक जैसे ही नीता देवी निरालानगर और नहर कालोनी के बीच में पहुंची, उसी दौरान बाइक सवार एक युवक उसके पास पहुंचा और उसने कुछ बात की। नीता देवी कुछ समझ पाती, इससे पहले ही बाइक सवार उचक्के ने 15 हजार रुपये से भरा बैग छीना और भाग निकला। पीछे से नीता शोर मचाती रह गई।

नेहरू युवा केंद्र प्रयागराज की कार्य योजना हेतु जिला सलाहकार समिति की बैठक संपन्न

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। नेहरू युवा केंद्र प्रयागराज , युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय ,भारत सरकार की जिला युवा कार्यक्रम सलाहकार समिति बैठक, विकास भवन सभागार मे मुख्य विकास अधिकारी शिपू गिरि की अध्यक्षता में संपनन्‍ हुई त् कार्यक्रम में नेहरू युवा केंद्र की जिला युवा अधिकारी जागृति पांडेय , लेखा एवं कार्यक्रम सहायक अदनान उल्ला खान, जिला परियोजना अधिकारी (नमामि गंगे) एषा सिंह तथा समिति के सदस्य मौजूद रहे त् जिला युवा अधिकारी जागृति पांडेय द्वारा वर्ष 2021-22 में आयोजित किये जाने वाले कार्यक्रम तथा उनके आयोजन के ब्लॉक, संबंधित बजट तथा उनके आयोजन में अन्य विभागों से सहयोग एवं समन्वय पर चर्चा की। कार्यक्रम में मुख्य विकास अधिकारी ने पौधारोपण अभियान पर जोर देने को कहा । भारत स्काउट गाइड से कमलेश द्विवेदी तथा सिविल डिफेंस से अनिल कुमार , कौशल विकास से निधि सिंह ने नेहरू युवा केंद्र के कार्यक्रमों को और बेहतर बनाने हेतु महत्वपूर्ण सुझाव दिए।निधि सिंह ने कौशल विकास हेतु आकांक्षी विकासखंड कोराओं, मांडा तथा बहरिया में खास तौर से प्रशिक्षण केंद्रों को चलाए जाने का सुझाव दिया। समिति में युवा मंडल अध्यक्ष निर्मल कांत, सुरेश पटेल एवं स्वयं सेवक शिखा शामिल रहे।

इंस्पेक्टर कीडगंज, चौकी इंचार्ज बैहरना पर मुकदमा दर्ज करने का आदेश

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। आरोपियों के साथ मिलकर सबूत मिटाने के मामले में तत्कालीन इंस्पेक्टर कीडगंज अनुपम शर्मा व चौकी इंचार्ज बैरहना दिलीप कुमार सिंह पर प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज करने का आदेश कोर्ट ने दिया है। यह आदेश मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट हरेंद्र नाथ ने दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 156 (3) के तहत न्यायालय में प्रस्तुत प्रार्थना पत्र को सुन कर दिया है। आवेदक राजाराम ने न्यायालय में प्रार्थना पत्र दिया है कि उसका लड़का तीन सितंबर 2020 को सुबह दस बजे बीस हजार रुपये लेकर दुकान का सामान लेने के लिए मोटरसाइकिल से चौक गया था। शाम को फोन पर पता चला कि वह कीडगंज में रहने वाले मोतीलाल के घर पर ही रुक गया है। अगले दिन घर वालों को फोन पर सूचना मिली कि उसके लड़के ने मोतीलाल के घर में ऊपर के कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है।

जबकि आवेदक का कहना है कि उसके बेटे की हत्या पुलिस वालों से मिलकर मोतीलाल के लड़के मोहित, राहुल और बच्चा ने की है। हत्या करने के बाद उसको लटकाया गया। पुलिस पर आरोप है कि बिना पंचनामा के पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया ।आवेदक के बार बार कहने पर पुलिस ने मृतक का चेहरा नहीं दिखाया। कोर्ट ने कहा पुलिस द्वारा प्राप्त आख्या से स्पष्ट नहीं होता कि आत्महत्या करने की वजह क्या थी।

बाढ प्रभावित लोगों का प्रशासन तत्काल मदद् करें, अथवा तहसील का करेंगे घेराव- विजय राज

करछना। तहसील क्षेत्र के गंगा टोंस नदी के बाढ प्रभावित गांवों में बडी संख्या में लोग गांवों में पानी प्रवेश कर जाने से लोगों की मुश्किलें बढ गयी है, लोगोंका आवागमन से लेकर बिजली पानी के लिए भटक रहे हैं, वहीं दूसरी ओर सरकार की मशीनरी सिर्फ कागजों पर दिखा कर खाना पूर्ति करने में सरकारीपैसे की लूट पाट करने में लगे हैं, बाढ प्रभावित लोगों तक अभी तक प्रशासन की ओर से कोई खाने पीने की ब्यवस्था नहीं पहुंचाई जा रही हैं ।जिसको लेकर सपा ब्लाक पूर्व प्रमुख विजय राज सिंह उर्फ राजू सिंह, प्रधान बसही हिमान्शु सिंह ने क्षेत्र से घिर गए है कई घरों के रास्ते बंद हो गए है।

प्रकृति, पर्यावरण, जीव, जल जब तक है, तब तक हम सुरक्षित हैंः सरोज सिंह

अखंड भारत संदेश

नैनी। ठअवध जन कल्याण समितिठ के मुख्यालय 108/बी गंगोत्री नगर, डांडी, नैनी में बुधवार को प्रबन्धकारिणी समिति की बैठक आयोजन किया गया जिसमें मुख्य रुप से एजेन्डा संस्था का विस्तार एवं संस्था की चौथी वर्षगाठं पर वृहद वृक्षारोपण आयोजन का कार्यक्रम बल दिया गया। बनाया गया। मुख्य अतिथि शहीद चन्द्रशेखर ठआजादठ स्मारक समिति के पदाधिकारी मुनन पाण्डेय की उपस्थिति महत्वपूर्ण रही। बैठक की अध्यक्षता संस्था की अध्यक्ष सरोज सिंह व संचालन संस्था के सचिव मनोज कुमार गुप्ता ने किया। बैठक के दौरान वक्ताओं ने कहा कि संस्था शुरूआत से ही पर्यावरण को खास महत्व देती है। वहीं संस्था की अध्यक्ष सरोज सिंह ने बताया की संस्था ठअवध जनकल्याण समितिठअभी तक 400 बड़े पौधे लगा चुकी है। प्रकृति, पर्यावरण, जीव,जल जब तक है तो हम सभी सुरक्षित है।सभी सदस्यों ने पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। सैयद अरशद अली ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस दौरान रेखा श्रीवास्तव,आरती प्रकाश, सरोज सिंह, ज्योति, पुष्पेन्द, अजय प्रकाश, अन्जना आदि उपस्थित रहे।

तड़के सुबह पड़ा बिजली विभाग का छापा, 40 घरों से पकड़ी गई कटियामारी, रिपोर्ट दर्ज

अखंड भारत संदेश

नैनी। उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन निगम लिमिटेड की ओर से बीते कई महीनों से जारी बिजली चोरों व बकायेदारों के खिलाफ अभियान के तहत बुधवार को हाईलॉस फीडर के अंतर्गत कई मोहल्लों में तड़के सुबह प्रवर्तन दल व स्थानीय विद्युत विभाग की टीम के द्वारा ताबड़तोड़ कार्रवाई की गई। इस दौरान मनमोहन नगर, बहादुरगंज, बकरामंडी व हटिया में लगभग सौ परिसरों में लगे बिजली चेकिंग किया गया। गठित टीम के द्वारा जारी कार्रवाई के दौरान बहादुरगंज व बकरा मंडी में बिजली चोरों में भारी हड़कंप मचा रहा। टीम ने कार्रवाई करते हुए मौके पर लगभग 40 घरों से कटियामारी को रंगे हाथ पकड़ा, सभी के खिलाफ संबंधित गठित थाने पर बिजली अधिनियम धारा 135 के तहत रिपोर्ट दर्ज कराया गया है। जाँच के दौरान बकाए पर स्मार्ट मीटर की कटी लाइन पर मीटर से पहले बाइपास बनाकर विद्युत चोरी करते लोगों पर भी एफ़?आई?आर? दर्ज किया गया है। वहीं मौक पर कुछ लोग ए?सी? लगाकर मीटर केबल के अलावा अतिरिक्त कटिया केबल लगा कर विद्युत चोरी करते पाए गए। इतना ही नहीं कई लोगों ने तो गठित टीम के कर्मचारियों व अधिकारियों को देखकर पहले से लगाए गए कटिया को भी चोरी छुपे उतारने लगे, लेकिन मौके पर टीम द्वारा वीडीओ रिकॉर्डिंग कर सभी लोगों के खिलाफ एफ़?आई?आर? दर्ज करवाया गया।

टीम का नेतृत्व उपखंड अधिकारी नितिन बरनवाल और प्रवर्तन दल निरीक्षक जनार्दन यादव की देखरेख में आनंद पांडेय, अवर अभियंता राजकुमार सिंह, वेद तिवारी आदि अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

फोन पर रंगदारी मांग रहे युवक पर दर्ज हुआ मुकदमा

प्रयागराज। करेली के रहने वाले मो. शरीफ से रंगदारी मांगने वाले अतीक के गुर्गे कौसर के खिलाफ सिविल लाइंस थाने में रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। शरीफ का आरोप था कि कौसर ने कार से उसका पीछा भी किया था। पुलिस का कहना है कि रिपोर्ट दर्ज कर कॉल रिकार्डिंग की जांच की जा रही है। करेली के रहने वाले मो. शरीफ का आरोप है कि आठ अगस्त को अतीक के गुर्गे कौसर ने उसे फोन कर रंगदारी मांगी। जब उसने फोन काट दिया तो सिविल लाइंस में कौसर ने पांच लोगों के साथ कार से उसका पीछा किया। उसने किसी तरह सिविल लाइंस बस अड्डे में घुसकर अपनी जान बचाई। शरीफ का आरोप है कि कौसर, अशरफ का पार्टनर रह चुका है। वह न सिर्फ उससे रंगदारी मांगता है बल्कि कई रिश्तेदारों से भी फोन कर पैसे मांगता है। उसके पास पूरी कॉल रिकार्डिंग है।

प्रोफेसर खान राजीव गांधी राष्ट्रीय उत्कृष्टता पुरस्कार के लिए चयनित

विश्व में वर्ष 2021के लिए मुख्तार अहमद खान ग्लोबल इंडियन एसोसियेशन द्वारा कोरोना योद्धा का पाएंगें सम्मान,

शहजादे

कोरांव।प्रयागराज। जनपद इलाहाबाद के ग्राम छड़ गड़ा मूल निवासी हाजी प्रोफेसर मुख्तार अहमद खान जो सऊदी अरब में सोशल एक्टिविस्ट और शिक्षाविद है,उन्हे ग्लोबल इंडि यन एसोसियेशन द्वारा कोरोना योद्धा को वर्ष 2021 राजीव गांधी उत्कृष्टता पुरूस्कार सम्मान से नेवाजेगी। बता दें कि उक्त एन जी ओ पूरे विश्व में तकरीबन एक लाख को रोना योद्धाओं को सम्मानित करने जा रहा है।

उल्लेखनीय है कि पुरूस्कार पाने वालों में शीर्ष संगठन भारत में 253163 पंचायतों के 30 लाख निर्वाचित प्रतिनिधियों में से चयनित सदस्य,और भारत के ही 30 लाख नर्सों और डाक्टरों में से चुने गए स्वास्थ्य कार्यकर्ता,मीडिया कर्मी,दुनिया भर के व्यक्तिगत परोपकारी,सोशल वर्कर,वगैरह शामिल हैं।दरअसल कोरीना महामारी के मौजूदा प्रकोप के कारण पीडि़तों की मदद के लिए धर्मार्थ गतिविधियां और आधिकारिक कर्तव्य के दृष्टिगत उक्त पुरूस्कार व सम्मान समारोह का आयोजन दुनिया भर में हर देश में आयोजित किए जाएंगे।पुरूस्कार समारोह का पहला और दूसरा सत्र राजीव भवन दिल्ली,प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मुख्यालय पर 20 अगस्त ,2021 को भारत के पूर्व प्रधान मंत्री स्व0 राजीव गांधी जी की 77 वीं जयंती से 21तारीख तक आयोजित किया जाएगा। जो माई 2022 तक चलेगा पूरे विश्व भर में। इस बाबत स्मारक सूत्र 9072795547 राजीव जोसेफ अंतर राष्ट्रीय राष्ट्रपति ग्लोबल इंडियन एसोसियेशन ,जी आई ए, नई दिल्ली । श्री खान सऊदी अरब में जजान यूनिवर्सिटी में बतोर प्रोफेसर कार्य रत है। और उनकी बेटी भी प्रोफेसर है। ये सदैव भारतीयों को सऊदी अरब में परेशान हाल व मुसीबत जदा लोगों की मदद कर भारत वतन पहुंचवाने व सरकार से तथा भारतीय दूतावास से सम्पर्क कर मदद करते आ रहे हैं। कोरोना महामारी में भी ज्यादातर लोगों को सहायता कर भारत लोगों को पहुंचवाने में अहम रोल अदा की। दिनी दुनियावी दोनों तालिमों के प्रति समर्पित खान ने प्रयागराज में मदरसे खोल्वा कर गरीब मजलूमों अनाथों के बच्चों को तालीम दिलवाने का कार्य कर रहे हैं।

टापू में तब्दील हुआ मझियारी तरहार,नाव से आवागमन शुरू

अखंड भारत संदेश

लालापुर। क्षेत्र में आयी बाढ़ ने यमुना किनारे बसे लोगों का जनजीवन अस्त व्यस्त कर दिया है।प्रतापपुर गांव से मऊ चित्रकूट जाने वाले रास्ते में बुंदेला नाला के पास पानी भर जाने से आवागमन नाव द्वारा शुरू हो गया है।उधर प्रतापपुर व सेमरी तरहार गांव में यमुना किनारे बसे ग्रामीणों के घरों तक पानी पहुंच गया है।नौढि़या तरहार,अमिलिया तरहार, महेरा, नागनपुर, गोझवार, पचवर, भभौर, पूरे किनन्र, चिल्ला के गौहानी गांव के खेतों में पानी पहुंच गया है।बाढ़ को देखते हुए तहसील प्रशासन पूरी तरह से चौकनन है।बाढ़ राहत चौकी पंडुवा,महेरा (मझियारी) में तहसील प्रशासन के साथ पुलिसकर्मी तैनात हो गये हैं।प्रतापपुर गांव से कौशाम्बी जाने वाली यात्री नाव को एहतियातन बंद करा दिया गया है।सबसे ज़्यादा ख़तरा टापू बने मझियारी तरहार गांव पर मंडरा रहा है।अगर पानी इसी तरह बढ़ता रहा तो पानी गांव तक पहुंच सकता है।तहसीलदार बारा ओम प्रकाश शुक्ल ने बताया की तहसील प्रशासन पूरी तरह से मुस्तैद है।गांव वालों को सतर्क रहने की हिदायत दी जा चुकी है।अगर किसी तरह की दिक्कत आती है तो ग्रामीण सीधे उपजिलाधिकारी बारा व मुझसे सम्पर्क कर सकते हैं समस्या का तत्काल निदान कराया जाएगा।उधर ग्रामीणों का कहना है की बाढ़ में सुध लेने कोई नहीं पहुँच रहा है हम लोग गांव छोड़ कर कहां चले जायें।सेमरी तरहार के ग्रामीणों ने नाव पर ही अपना असियाना बना लिया है।

जवाहर नवोदय विद्यालय के आधे अधिक बच्चे नें छोड़ी प्रवेश परीक्षा

608 बच्चे पंजीकृत हुए थे जिसमें से बारिश के कारण से 340 बच्चे ने परीक्षा छोड़ी

अखंड भारत संदेश

सिरसा/मेजा। प्रयागरज मेजा क्षेत्र जवाहर नवोदय विद्यालय मेजा खास की प्रवेश परीक्षा शांतिपूर्ण ढंग से संपनन्न हो गई। बारिश के कारण लक्ष्मी नारायण इंटर कॉलेज मेजा में आयोजित प्रवेश परीक्षा में आधे से अधिक बच्चों ने परीक्षा छोड़ दी है बीआरसी मेजा से संबंधित है नवोदय की प्रवेश परीक्षा के लिए कुल 608 बच्चे पंजीकृत हुए थे जिसमें 340 बच्चों ने परीक्षा छोड़ दी है। 268 छात्र -छात्राओं ने नवोदय की कक्षा 6 में प्रवेश के लिए परीक्षा दी है। बुधवार को आयोजित प्रवेश परीक्षा सुबह 11 बजकर 30 मिनट पर शुरू हुई और 1 बजकर 30 मिनट पर खत्म हुई। लक्ष्मी नारायण इंटर कॉलेज के प्राचार्य विमल कुमार श्रीवास्तव,केंद्र स्तरीय पर्यवेक्षक नवोदय की हिंदी शिक्षिका सीमा ने बताया कि इस केंद्र के लिए कुल 608 बच्चे पंजीकृत हुए थे जिसमें 340 बच्चों ने परीक्षा छोड़ दी है।प्रवेश परीक्षा कुल 10 कक्षों में आयोजित हुई,जिसके लिए कुल 46 कक्ष निरीक्षक रहे। प्रवेश परीक्षा के परीक्षा प्रभारी एच एस पांडेय, जिला स्तरीय पर्यविक्षक नवोदय विद्यालय के प्राचार्य आरके राय व उप प्राचार्य आर के पांडेय ने विभिनन्न केंद्रों का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए।इस दौरान खंड शिक्षा अधिकारी संजय कुमार सिंह ब्लॉक समन्वयक हसन जी सुबह से ही परीक्षा केंद्र पर मौजूद रहे।

जसरा में दो दिन की बारिश से गांव बन गए टापू

अखंड भारत संदेश

जसरा।प्रयागराज। जसरा क्षेत्र में लगातार दो दिन से हो रही भारी बारिश से एक ओर जहां क्षेत्र के खेतों में लबालब पानी भरा हुआ है। वहीं दूसरी ओर गांव के रास्तों में पानी भर जाने से रास्ते बंद हो चुके हैं तथा दूर-दूर तक सड़क नजर नहीं आ रही है। मंगलवार रात से जब बारिश शुरू हुई तो पूरी रात तेज बारिश होती रही। बुधवार को सुबह जब लोग सो कर उठे तो बाहर का नजारा देखकर दंग रह गये। गांव के बाहर चारों ओर बारिश का पानी भरा हुआ था। चिल्ला गौहानी-तातारगंज मार्ग पर नाले से पानी सड़क पर भर जाने के कारण चार पहिया, दो पहिया वाहन सहित साइकिल सवार लोगों के लिए भारी मुसीबत बन गई है। लोगों ने बताया कि ऐसा लग रहा था जैसे गांव के बाहर कोई नदी बह रही है। खेतों में इतना अधिक पानी भर गया की खेत और उसमें धान के पौधे दिखाई नहीं पड़ रहे हैं। वहीं गांव को जाने वाले सभी रास्तों पर डेढ़ से दो फीट पानी भर गया । बारा से चितौरी जाने वाला मार्ग पर बारिश का पानी भर गया। इस मार्ग पर पड़ने वाले गांव के लोग घरों में कैद हो गए। संपर्क मार्ग पर चारों तरफ पानी ही पानी दिखाई पड़ रहा है। बारा से जाने वाले मार्ग पर स्थित सरसेड़ी तातारगंज,मरुआ, चितौरी आदि गांवों के रास्ते में पानी भर जाने के कारण आवागमन बंद हो गया।

खदान में डूबकर किशोरी की मौत

शंकरगढ़,प्रयागराज। खदान में बोरी साफ करने के लिए गई एक किशोरी की खदान में डूबकर मौत हो गई। यह हादसा शंकरगढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम खान सेमरा में हुआ। जैसे ही घटना की जानकारी परिजनों को हुई, कोहराम मच गया। रोते-बिलखते परिजन मौके पर पहुंचे और किशोरी का शव खदान से निकाला। जानकारी के मुताबिक पीपीजीसीएल के द्वारा भारी मात्रा में पानी छोड़े जाने से आसपास के क्षेत्रों में पानी भरा हुआ है। इसी पानी से खान सेमरा की एक खदान भी जलमगन्न हो गई। बताया जाता हैकि आज खानसेमरा निवासी सुंदर आदिवासी की बेटी प्रीती (13) बोरी साफ करने के लिए खदान पर गई थी। इसी दौरान प्रीती का पैर फिसल गया और जब तक वह अपना बचाव कर पाती, खदान के गहरेपानी में चली गई।

एसडीएम को बैंक आफ बड़ौदा जंघई प्रबंधक के खिलाफ भारतीय किसान यूनियन ने ज्ञापन सौंपा

अखंड भारत संदेश

जंघई। भारतीय किसान यूनियन के मंडल अध्यक्ष प्रयागराज हरीशचंद्र मिश्रा ने बैंक ऑफ बड़ौदा शाखा जंघई प्रयागराज के मैनेजर के खिलाफ नौ सूत्रीय मांग पत्र उप जिला अधिकारी हंडिया को सौंपा।हरीशचंद्र मिश्रा ने कहा कि जो भी किसान क्रेडिट कार्ड बनवाने जाता है मैनेजर उसे 1 माह से 2 माह तक दौड़ाते हैं गरीब मजदूर और किसान छोटे जानवर पालने के लिए ब्लॉक के तरफ से उनको सहयोग मिलता है ऋण का आवेदन करते हैं जिसमें सरकार के तहत 10000 तक का अनुदान भी है।कोई भी गरीब मजदूर किसान ब्लॉक या जिला से फाइल सेंक्सन करा कर ले आता है तो उसका अनुदान भी बैंक में आ जाता है। इसके बावजूद अनुदान फाइल वापस कर देते हैं और गरीब किसान की बेइज्जती करते हैं वर्तमान बैंक मैनेजर जिला अथवा ब्लॉक की एक भी अनुदानित फाइल नहीं किए हैं सरकार व बैंक की तरफ से गरीब किसानों को राहत देते हुए आदेश हुआ है कि एक मुफ्त समझौता के तहत ऋण जमा करा लिया जाए लोगों ने समझौता किया व ऋण जमा किया जिसका नोड्यूज देने के लिए आज लगभग 2 साल से अनभिज्ञ किसानों और मजदूरों को दौड़ा रहे हैं। आज तक नहीं दिए और परेशान कर के रख दिया पैसा जमा करने के बावजूद भी आज तक वसूली का नोटिस भेज रहे हैं दयाशंकर पुत्र कौशल किशोर मिश्रा निवासी ग्राम चौका जंघई प्रयागराज के है इनको पीएम सम्मान निधि मिलती है इनका भुगतान नहीं करते उनके खाते में लगभग 10000 इकट्ठा हो गया है 3 महीने से दौड़ा रहे हैं पैसा नहीं दे रहे हैं। आज तक इनके कार्यकाल में एक भी होम लोन नहीं किया गया लोग बैंक का चक्कर काटते काटते परेशान हैं अपना पैसा निकालने जाने वाले व्यक्ति 10 बार दौड़ता है पैसा निकल पाता है व अपमानित किया जाता है जनता पब्लिक को जानकारी नहीं है जमा पैसा खाते में है या नहीं है।कोई जानकारी नहीं मिलती कहते हैं मशीन खराब है मैनेजर के रवैए से जनता परेशान है जो भी सरकार की नई योजना बैंक में आती है ना तो ग्राम प्रधानों को ना ही क्षेत्र के गरीब मजदूर किसानों को जानकारी नहीं देते हैं। जिससे लोग वंचित रह जाते हैं इन सब समस्याओं से परेशान लोग किसान नेता से पूर्व व वर्तमान में शिकायत कर रहे हैं इन विषयों में समस्या समाधान के लिए लगभग साल भर पूर्व ही भारतीय किसान यूनियन के मंडल अध्यक्ष प्रयागराज ने नियमानुसार बैंक संबंधित अधिकारियों को नोटिस देकर धरना किए थे लेकिन आज तक समस्या ज्यों की त्यों बनी हुई है और मैनेजर का अहंकार बना हुआ है। मौके शिव देवी सरोज, सुनील पांडेय, पंकज दुबे, विमला यादव, अमरनाथ पांडेय आदि लोग उपस्थित रहे।

ऑनलाइन शिक्षक संकुलो की अगस्त माह की बैठक सम्पन्न

अखंड भारत संदेश

सिरसा/मेजा। प्रयागराज मेजा विकास खण्ड उरूवा में राज्य परियोजना के निर्देशानुक्रम में विकास खण्ड उरुवा,प्रयागराज के समस्त शिक्षक संकुलों की एक ऑनलाइन बैठक 10 अगस्त को खण्ड शिक्षा अधिकारी,उरुवा एवं सभी ए.आर.पी.के साथ की गई। बैठक में सभी 40 शिक्षक संकुल और चारों एआरपी उपस्थित रहे। उक्त के अतिरिक्त बैठक में जनपद से एस.आर.जी.डॉ.प्रशांत ओझा, वंदना श्रीवास्तव तथा जिला समन्वयक(प्रशिक्षण) विनोद मिश्र भी जुड़े। बैठक की अध्यक्षता खण्ड शिक्षा अधिकारी,उरुवा राजेश यादव जी ने किया जबकि उसका संचालन एआरपी(विज्ञान) सुनील कुमार शुक्ल ने किया। जनपद से जुड़े जिला समन्वयक ने जहाँ शिक्षक संकुलों को विभिनन्न विभागीय योजनाओं एवं मिशन प्रेरणा की सम्यक जानकारी देते हुए उसे समुदाय के प्रत्येक सदस्यों तक पहुंचाने की शिक्षक संकुलों से अपेक्षा की। वहीं एसआरजी डॉ.प्रशांत ओझा ने शिक्षक संकुलों को उनके कार्य एवं दायित्वों के संदर्भ में सम्यक जानकारी दी और सभी से इस माह डी.सी.एफ.भरने की अपेक्षा की। एआरपी सुनील शुक्ल ने सभी शिक्षक संकुलों को प्रेरणा लक्ष्य एप्प, दीक्षा एप्प एवं रीड अलांग एप्प को ठीक तरह से डाउनलोड करने का तरीका,उनकी उपयोगिता और उनके उपयोग करने का तरीका बताया। उन्होंने उक्त एप्प पर चर्चा करते हुए शिक्षक संकुलों से कहा कि इस कोविड के दौर में ये एप्प हमें वरदान के रूप में प्राप्त हैं। जिनका सम्यक उपयोग कर हम इस समय जबकि विद्यालय बच्चों के लिए बन्द हैं,उन्हें शिक्षण की मुख्यधारा से जोड़कर उन्हें ग्रेड कॉम्पिटैन्ट बना सकते हैं।उन्होंने सभी शिक्षकों के मोबाइल में इन एप्प्स के अनिवार्य रूप से होने और उनका उपयोग करना सुनिश्चित करने हेतु शिक्षक संकुलों से अपेक्षा की। उन्होंने प्रत्येक शनिवार को मिशन प्रेरणा के तहत आने वाली क्विज कांटेस्ट की लिंक से छात्रों को अधिकाधिक प्रतिभाग कराने पर बल दिया तथा इसका तरीका भी बताया। एआरपी राजेश मिश्र ने मुहल्ला पाठशाला के संचालन के तरीके और उसकी अनिवार्यता पर बल दिया तथा कहा कि प्रत्येक विद्यालय के सभी छात्र किसी न किसी माध्यम से शिक्षण की मुख्यधारा से जुड़ें,यह सुनिश्चित किया जाय। इसी प्रकार एआरपी प्रीतम दास ने ई-पाठशाला के कंटेंट की अधिकाधिक पहुँच छात्रों तक सुनिश्चित करने एवं एआरपी विमलेश यादव ने छात्रों को डीडीयूपी टीवी चैनल पर प्रसारित होने वाले शैक्षणिक कार्यक्रमों को देखने के लिए प्रेरित करने हेतु जन जागरूकता लाने के लिए कहा। अपने अध्यक्षीय सम्बोधन में खण्ड शिक्षा अधिकारी,उरुवा राजेश यादव ने सभी शिक्षक संकुलों से मिशन प्रेरणा की प्रत्येक अपेक्षाओं को पहले स्वयं के स्कूल में सम्यक तरीके से पूरा करने हेतु कहा फिर उसे दूसरे से अपेक्षा करने की बात की। उन्होंने कहा कि सभी 40 शिक्षक संकुल सर्वप्रथम अपने-अपने विद्यालयों को एक आदर्श और मॉडल विद्यालय के रूप में विकसित करना सुनिश्चित करें तभी वे अन्य को प्रेरित कर पाएंगे।उन्होंने सभी को लगन और मेहनत के साथ एक-एक छात्र पर कार्य करने और उसे प्रेरक बनाने हेतु व्यवस्थित कायन्योजना के साथ कार्य करने की हिदायत दी और कहा कि जब सभी शिक्षक एक मुहिम की तरह ऐसा करना सुनिश्चित करेंगे तभी हमारा विकास खण्ड प्रेरक विकास खण्ड बन पाएगा।

बैठक में जिले से एसआरजी डॉ.प्रशांत ओझा,वंदना श्रीवास्तव व विनोद मिश्र ने किया प्रतिभाग

अंखड भारत संदेश के लिए स्वामी श्री योगी सत्यम क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान झूंसी, प्रयागराज 211019 से प्रकाशित एवं रामा प्रिंटिग प्रेस 53/25/1ए बेली रोड नया कटरा प्रयागराज से मुद्रित।

मुद्रक/प्रकाशक

स्वामी श्री योगी सत्यम पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत समाचारों के चयन के लिए उत्तरदायी। इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों से संबंधित विवादों का न्याय क्षेत्र प्रयागराज होगा। आरएनआई नं.

UPHIN 2001/9025

मूसलाधार बारिश से राजकीय मेडिकल कालेज के वार्डों में घुसा पानी

कई मोहल्लों में हुआ जलभराव, राजापाल टंकी पर जेसीबी लगातार खुलवाया गया पानी

प्रतापगढ़। लगातार शहर से लेकर गांव तक हुई मूसलाधार वर्षा से हर जगह पानी ही पानी देखने को मिला है। शहर में पानी बरसने से कुछ जगह तो जलभराव हुआ लेकिन कुछ घंटों में नगर पालिका कर्मियों की दौड़-भाग से पानी बह गया। सबसे ज्यादा दिक्कत राजकीय मेडिकल कालेज के जिला अस्पताल में मरीजों व स्वास्थ्य कर्मियों को उस समय उठानी पड़ी जब वर्षा का पानी ओपीडी और सर्जिकल वार्ड सहित अन्य वार्डों में भर गया। बुधवार को न्यूनतम तापमान 24.8 और अधिकतम तापमान 26.6 डिग्री रहा।

बता दें कि विगत 24 घंटे में 115 मिली मीटर वर्षा हुई है जिससे जिला अस्पताल में नालियों के चोक होने से वर्षा का पानी बाहर नहीं निकल पा रहा है और इसी के कारण वार्डों में मरीजों को दिक्कत हो रही है। बता दें कि इस समय जिला अस्पताल को राजकीय मेडिकल कालेज का दर्जा मिलने पर 500 बेड का अस्पताल निर्माणाधीन है। इसका मलबा भी नालियों में भरा हुआ है और निर्माण सामग्री फैली होने के कारण मेडिकल कालेज में कीचड़ से होकर जाना पड़ रहा है। इस बारे में मेडिकल कालेज के प्राचार्य डा0 आर्य देश दीपक ने बताया कि जिला अस्पताल में नालियां पहले से चोक हैं और कुछ निर्माण से भी बाधा पहुंची है। इस समस्या को हल करने के लिये आज ही एक प्रस्ताव तैयार करने को कहा गया है जिसमें जिला अस्पताल व महिला अस्पताल के बीच जर्जर भवनों को ध्वस्त कर बीच में एक बड़ा नाला का निर्माण करने का है। यह नाला मुख्य सड़क के नाले में मिलेगा। प्रस्ताव तैयार कर शासन से स्वीकृति लेकर इस जलजमाव का स्थायी हल निकालने की योजना बनाई जा रही है।

निर्माणाधीन पुलिया से बलीपुर व कचहरी में हुआ जलभराव

प्रतापगढ़। नगर में राजापाल टंकी के पास निर्माणाधीन पुलिया के दोनों तरफ पानी बंद करने से बलीपुर व कचहरी में आज वर्षा के पानी से जलभराव हो गया। यह खबर मिलने पर अधिशाषी अधिकारी मुदित सिंह, सफाई निरीक्षक संतोष कुमार सिंह व इंजीनियर के साथ जेसीबी और नाला क्लीनिंग मशीन राजापाल टंकी पहुंची तो अपरान्ह में पुलिया के दोनों तरफ जाम पुलिया को खुलवाया गया जब बलीपुर व कचहरी की स्थिति सामान्य हुई। वैसे दिन भर नगर पालिका के कर्मचारियों नालियों की पालीथिन निकालते रहे जिससे पानी का बहाव न रुके।

पानी में डूबा ट्रैक, सिग्नल फेल

जीएम के आने से पहले ही खुली जल निकासी की कलई

प्रतापगढ़। बुधवार को 6 घंटे की तेज बारिश में स्थानीय रेलवे स्टेशन का यार्ड जलमग्न हो गया।रेल लाइन पानी से लबालब हो गई। मोटर,उपकरण पानी में डूबने से इतनी देर के लिये सिगन्ल व्यवस्था ध्वस्त हो गई। इसका असर ट्रेनों के संचालन पर पड़ा। उन्हें कागजी कोरम पूरा करने के बाद ही चलाया गया। पानी कालोनी के आवासों, और आरपीएफ की बैरिक में घुस गया। लोग गंदा पानी उलचते रहे। दफ्तरों में छत से पानी चला आया।

रेलवे की जलनिकासी की पोल बारिश ने खोल कर रख दी है। यह तब हुआ जब जीएम को आने में एक दिन का वक.त रह गया है। अगर जीएम आज होते तो न जाने क्या होता। खैर, बारिश का पानी रेलवे लाइन में जाकर भर गया। 1 से लेकर 5 लाइन तक जलमग्न रही। निकासी की व्यवस्था न होने से ट्रैक में लगी सिगन्ल की मोटरें भी डूब गई। जिससे यार्ड के सिगन्ल ने काम करना बंद कर दिया था। सभी को मैनुअली मैनेज करना पड़ा। सूत्रों के अनुसार स्टेशन पर मरम्मत का काम चल रहा है। मलबा नालियों में झोंक दिया जा रहा है। जिससे जल निकासी का रास्ता चोक हो गया है। समय रहते इसको साफ कराने की जरूरत नहीं समझी गई। बुधवार को ट्रैक पानी में डूबा नजर आया। खास बात यह है कि 12 अगस्त को जीएम का आगमन प्रस्तावित है। उसको लेकर तैयारियां जोरों पर हैं। लेकिन बारिश ने सब धो डाला। सिगन्ल एसएसई एसपी पांडेय के अनुसार जलभराव के चलते सुबह करीब नौ बजे से ही सिगन्ल का संचालन फेल हो गया। जो दोपहर तक ठीक नहीं हो पाया था। एसएम ने बताया कि ट्रेनों को कागज पर लिया गया।

दुर्घटना में अधेड़ की मौत, कोहराम

लालगंज, प्रतापगढ़। रोडवेज यात्री सेवा की टक्कर से बाइक सवार अधेड की दुर्घटना मे मौत हो गयी। मौत की जानकारी होते ही परिजनों मे हडकंप मच गया। जेठवारा थाना के सराय इंद्रावत डेरवा निवासी जयराम सरोज ने दी गई तहरीर मे कहा है कि बीती मंगलवार को उसका रिश्तेदार कुशहा भदौसी अंतू प्रतापगढ़ का सियाराम सरोज 51 पुत्र मातादीन सरोज अपनी बुआ को लेकर बाइक से घर आ रहा था। इस बीच लीलापुर पेट्रोल पम्प से उसने बाइक मे पेट्रोल डलवाया। हाइवे पार करते समय अचानक सामने से आ रही एक रोडवेज यात्री सेवा ने बाइक को टक्कर मार दी। दुर्घटना मे सियाराम गंभीर रूप से घायल हो गया। आननफानन मे उसे इलाज के लिए जिला अस्पताल ले जाया गया। यहां गंभीर स्थिति देख चिकित्सको ने घायल को प्रयागराज रेफर कर दिया। अस्पताल पहुंचने के पूर्व ही रास्ते मे सियाराम ने दम तोड दिया। सियाराम की मौत पर परिजन शव को घर लेकर चले आये। बुधवार को पुलिस ने मृतक के शव का पंचनामा कर पीएम के लिए जिला अस्पताल भेजवाया। इधर जयराम की तहरीर पर पुलिस ने रोडवेज चालक के खिलाफ गैरइरादतन हत्या का केस दर्ज किया है।

स्व0 मनोज वैश्य की पुण्यतिथि पर हुआ रक्तदान शिविर

भाजयुमो व रामलीला समिति के तत्वावधान में चिलबिला में हुआ आयोजन

प्रतापगढ़। भारतीय जनता युवा मोर्चा और श्रीराम लीला सेवा समिति के संयुक्त तत्वावधान में चिलबिला नगर के श्रीराम वाटिका समारोह स्थल पर युवा समाजसेवी स्व. मनोज वैश्य की प्रथम पुण्यतिथि पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। भाजयुमो जिलाध्यक्ष रवि गुप्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि स्व. मनोज वैश्य एक ऊर्जावान समाजसेवी थे। अपने 32 वर्ष की अल्पायु में उन्होंने 26 यूनिट रक्तदान कर जीवनरक्षा में योगदान किया। उन्होंने कहा कि उनकी प्रथम पुण्यतिथि पर आयोजित रक्तदान में कुल 21 यूनिट रक्त संकलित हुआ। समिति के संस्थापक घनश्याम वैश्य ने रक्तदाताओं के प्रति आभार व्यक्त किया और नम आंखों से उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। आयोजित शिविर में सिद्धार्थ सिंह रघुवर, घनश्याम वैश्य, भाजयुमो जिलाध्यक्ष रवि गुप्ता, हर्षवर्धन उमरवैश्य, राकेश सादवानी, अभिषेक, उज्ज्वल कुमार, आशुतोष उमरवैश्य, मुनन पाल धनगर, अवनीश कुमार उमरवैश्य, बृजेश प्रजापति, अजय गुप्ता, मोहित सिंह, संदीप मिश्रा, अश्वनी जायसवाल, स्वपिन्ल कुमार, अनुराग सोनी, संतोष कुमार, देवेंद्र कुमार, प्रदुमन्वैश्य, पवन गुप्ता ने रक्तदान कर स्व0 मनोज वैश्य को श्रधांजलि अर्पित की।

गंगा में स्टीमर से शिवेन्द्र की तलाश कर रहे जवान

परियावां, प्रतापगढ़। नवाबगंज थाना क्षेत्र के परियावां निवासी शिवेन्द्र प्रताप सिंह पुत्र कौशलेश पाल सिंह (21) वर्षीय अपने घर से सोमवार की रात लगभग 9 बजे बिना बताए स्कूटी लेकर निकला जो देर रात तक वापस घर नही लौटा, जिसकी परिजनों ने खोजबीन शुरू किया तो मंगलवार की सुबह लेहदरी कौशाम्बी गंगापुल के पास उसकी स्कूटी खड़ी मिली जिसके हैंडिल के ऊपर शिवेन्द्र की टीशर्ट रखी हुई थी। किसी अनहोनी की आशंका से परिजन लोग भयभीत होने लगे। लावारिस स्कूटी मिलने पर परिजनो में हड़कम्प गया। घटना की तहरीर नवाबगज पुलिस को दी थी। बुधवार को थाना प्रभारी रुकुमपाल सिंह ने जिला मुख्यालय से स्टीमर व गोताखोर जवानों को बुलाकर गंगा में खोजबीन शुरू कराई। समाचार भेजे जाने तक शिवेन्द्र का पता नही चल सका।

15 केन्द्रों पर सम्पन्न हुई जवाहर नवोदय विद्यालय की प्रवेश परीक्षा

3919 परीक्षाथिर्यों में 1556 परीक्षार्थी रहे अनुपस्थित

प्रतापगढ़। जवाहर नवोदय विद्यालय की प्रवेश परीक्षा आज 15 केन्द्रों पर हुई। इस परीक्षा में 3919 परीक्षार्थी पंजीकृत थे जिसमें 1556 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। केवल 2363 परीक्षाथिर्यों ने 15 परीक्षा केन्द्रों पर परीक्षा दी है।

शहर में राजकीय इंटर कालेज में परीक्षा आयोजित की गई। यह जानकारी देते हुए नवोदय की प्रधानाचार्या डा0 आभा शुक्ला ने बताया कि परीक्षा शांतिपूर्ण माहौल में सम्पनन् हुई है। राजकीय इंटर कालेज प्रतापगढ़ में पर्यवेक्षक ए0पी सिंह, स्वामी करपात्री इंटर कालेज रानीगंज गौरा में पर्यवेक्षक आर0पी मिश्रा, स्वामी करपात्री इंटर कालेज रानीगंज शिवगढ में पर्यवेक्षक शशिकला, रामराज इंटर कालेज पट्टी में पर्यवेक्षक आर0के0 गुप्ता, रामराज इंटर कालेज आसपुर देवसरा में पर्यवेक्षक नेहा रस्तोगी, मुनीश्वरदत्त इंटर कालेज मानधाता में पर्यवेक्षक महेन्द्र प्रसाद, राम स्वरुप भारती इंटर कालेज सुंदरगंज बिहारगंज में पर्यवेक्षक शिखा श्रीवास्तव, गांधी इंटर कालेज सांगीपुर में पर्यवेक्षक मनीष कुमार, कौशलेन्द्र इंटर कालेज मनगढ़, कुण्डा में पर्यवेक्षक आर0पी0 मौर्या, बृजेन्द्रमणि इंटर कालेज कोहंडौर में पर्यवेक्षक अभिषेक सिंह, अष्टभुजा विद्या निकेतन जेठवारा में पर्यवेक्षक लाली, जीआईसी पूरबगांव सण्डवा चण्डिका में पर्यवेक्षक विष्णु उपाध्याय, इंटर कालेज संग्रामगढ़ में पर्यवेक्षक कुलवीर सिंह, टीपी इंटर कालेज कुण्डा में पर्यवेक्षक ए0के0 शर्मा, अवधेश विद्या निकेतन इंटर कालेज शीतलमऊ में पर्यवेक्षक ए0के0 मिश्रा, कृपालु बालिका इंटर कालेज कुण्डा में पर्यवेक्षक एस0के0 उपाध्याय व पी0के0 सिंह व कालूराम इंटर कालेज शीतलागंज बाबा बेलखरनाथ धाम में पर्यवेक्षक यू0के0 उपाध्याय की देखरेख में परीक्षा सम्पनन् हुई।

अनुपम श्याम ओझा के निधन पर जताया गया शोक

प्रतापगढ़। जनपद हिंदी साहित्य सम्मेलन के तत्वाधान में एक शोक सभा का आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्षता सम्मेलन के अध्यक्ष वरिष्ठ अधिवक्ता पंडित कृपाशंकर ओझा ने किया। शोक सभा में फिल्म अभिनेता अनुपम श्याम ओझा उर्फ ठाकुर सज्जन सिंह के निधन पर उपस्थित लोगों ने दो मिनट मौन रह कर के भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस मौके पर जनपद हिंदी साहित्य सम्मेलन के महामंत्री कई विद्यालयों के प्रबंधक अधिवक्ता समाज सेवी अनिल प्रताप त्रिपाठी ने कहा कि अनुपम श्याम ओझा जनपद के गौरव थे यही कि मिट्टी से जुड़े हुए थे और यहीं से निकल कर के मुंबई में अपने अभिनय का जो परचम लहराया आज उसी की देन है कि प्रतापगढ़ जनपद अनुपम श्याम ओझा के निधन से अत्यंत ही दुखी है। शोक सभा की अध्यक्षता वरिष्ठ अधिवक्ता पंडित कृपा शंकर ओझा ने किया। शोक सभा के दौरान वरिष्ठ अधिवक्ता पूर्व अध्यक्ष वकील परिषद पंडित राधे कृष्ण त्रिपाठी ने भी स्वर्गीय अनुपम श्याम ओझा को अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। शोक सभा के दौरान अरुण प्रताप त्रिपाठी विजय प्रताप त्रिपाठी विश्वनाथ त्रिपाठी शशिभाल त्रिपाठी डॉ अमित पांडे जय प्रकाश उपाध्याय शिव प्रताप सिंह प्रमोद तिवारी अशोक कुमार पांडे गजेंद्र सिंह विकेट, इंजीनियर चंद्रकांत त्रिपाठी विनय शुक्ला रविंद्र अजनबी सचिन मिश्रा आदि लोग उपस्थित रहे।

आशनाई के चक्कर में हुई थी दोनो युवकों की हत्या

पुलिस ने दो आरोपियों को किया गिरफ्तार

पट्टी, प्रतापगढ़। दो दिन पहले कोतवाली क्षेत्र के सपहा छात गांव में दो जिगरी दोस्तों की हत्या के मामले में पुलिस ने अभियुक्तों को गिरफ्तार कर मामले का खुलासा कर दिया है। दोनों गिरफ्तार अभियुक्तों ने अपना जुर्म इकबाल कर लिया। अवैध संबंध के कारण चार लोगों ने मिलकर दोनों की हत्या कर दी थी। पट्टी कोतवाली क्षेत्र के सपहा छात्र गांव का रविंद्र और उसका दोस्त शिव भोले का शव दो दिन पहले घर से सौ मीटर दूर धान के खेत में मिला था। जिसके बाद हत्या की आशंका पर क्षेत्र में सनसनी फैल गई। मौके पर पहुंच प्रतापगढ़ पुलिस अधीक्षक तथा आसपुर देवसरा पुलिस तथा पट्टी पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की सभी एंगल से जांच किया तो पता चला कि सुल्तानपुर की रहने वाली एक लड़की जिसका ननिहाल सपहा छात गांव में था, उसी से रविंद्र की मोबाइल से बातचीत होती थी। पुलिस इस मामले में शक के आधार पर जब सुल्तानपुर के कोथरा गांव पहुंची तो आरोपी भाग चुके थे। पुलिस को आरोपियों की तलाश थी। बुधवार को प्रभारी निरीक्षक गणेश प्रसाद सिंह कांस्टेबल अभिषेक सिंह कांस्टेबल अमित सिंह कांस्टेबल विकास सिंह पुलिस ने मुजाही बाजार से सुभाष पुत्र रामयश निवासी सपहा छात थाना पट्टी तथा योगेंद्र पुत्र मोतीलाल निवासी कोथरा थाना चांदा को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार करने के बाद दोनों से जब कड़ाई से पूछताछ की गई तो दोनों ने बताया कि योगेंद्र की पुत्री से रविंद्र की बातचीत होती थी। परिजनों के मना करने पर मोबाइल से बात होने लगी जिसे खुनन्स खाकर योगेंद्र सुभाष जितेंद्र व गूंगे ने सपहा छात नहर पर रविंद्र को बुलाया तो उसका दोस्त शिवभोले भी साथ में आ गया। चारों ने बैठकर नहर पर चिलम पिया और नशे में मारपीट किया। चार लोगों ने मिलकर रविंद्र व शिव भोले की गला दबाकर हत्या कर दिया और शव को धान के खेत में ही छोड़ दिया। पुलिस ने मौके पर साइकिल तथा चार बोतल शराब भी बरामद किया। पुलिस ने गिरफ्तार किए गए दोनों आरोपियों को जेल भेज दिया।

विधान सभा पट्टी के 28 ट्रांसफार्मर की होगी विद्युत क्षमता वृद्धि

पट्टी, प्रतापगढ़। ग्रामीण अभियंत्रण एवं समग्र ग्रामीण विकास मंत्री कैबिनेट मंत्री राजेंद्र प्रताप सिंह उर्फ मोती सिंह के विधानसभा क्षेत्र पट्टी के 28 विद्युत ट्रांसफार्मरो की क्षमता वृद्धि के लिए अधिशाषी अभियंता प्रतापगढ़ को पत्र जारी करके क्षमता वृद्धि के लिए कहा गया है, जिसमें मुख्य रुप से मंगरौरा बाजार बाहुपुर कंजासराय गुलामी दरछूट , भदौना कुकूआर आशापुर सरसीखाम विनायका ढाढर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अमरगढ़ परसंडा सहित कुल 28 ट्रांसफार्मरों की वर्तमान में क्षमता वृद्धि करने के लिए अधिशासी अभियंता प्रतापगढ़ को आदेशित किया गया है पत्र जारी होने के बाद सभी क्षमता वृद्धि वाले क्षेत्रों में लोगों में हर्ष है लोगों को इस बात की शिकायत रहती थी कि आए दिन ट्रांसफार्मर पर ओवरलोड होने के कारण ट्रांसफार्मर फुक जाता था जिससे गांव में तथा क्षेत्र में अंधेरा हो जाता था कैबिनेट मंत्री मोती सिंह के इस कार्य से लोग प्रसनन् दिखाई दे रहे हैं।

रास्ते के विवाद में गाली-गलौज, दी तहरीर

लालगंज, प्रतापगढ़। कोतवाली के रैठ हुलासगढ़ निवासी महेश प्रसाद ने दी गई तहरीर मे कहा है कि रास्ते के विवाद को लेकर गांव के विपक्षियो ने उसके साथ गालीगलौज करते हुए जानलेवा धमकी दी। पीडित ने पुलिस को दी गई तहरीर मे कहा है कि आरोपियो ने रास्ते मे झांखर लगाकर अवरोध खड़ा कर रखा है। क्षेत्रीय लेखपाल द्वारा बीती चार अगस्त को रास्ता भी खुलवाया गया था। इसके बावजूद दस अगस्त को आरोपियो ने पुनः रास्ता बंद कर दिया। पुलिस का कहना है कि तहरीर मिली है जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

सर्पदंश से महिला की मौत

परियावां, प्रतापगढ़। नवाबगंज थाना क्षेत्र के ककरिहा गाव में किरण देबी पतनी राजनारायण (55) वर्षीय घर के आंगन में झाड़ू लगा रही थी कि अचानक विषैले सर्प ने डस लिया जिससे किरन अचेत हो गई जिसे परिजन लोग उपचार के लिए स्वरूपरानी प्रयागराज ले गए जहां उपचार के दौरान मौत हो गयी मौत की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया।

बस एवं ट्रक की भिडन्त मे आठ हुए घायल, रेफर

नेशनल हाइवे पर हुई दुर्घटना, अफरातफरी

लालगंज, प्रतापगढ़। कोतवाली के नेशनल हाइवे लखनऊ-वाराणसी पर बुधवार को ट्रक एवं लग्जरी बस की टक्कर मे आठ लोग घायल हो गये। घायलो को इलाज के लिए जिला अस्पताल ले जाया गया है। नेशनल हाइवे पर बुधवार को घुइसरनाथ टेड्रबेल्स की वोल्वो बस सुखपाल नगर से नई दिल्ली जा रही थी। इस बीच ढकवा मोड पर बस अनियंत्रित हो गयी और सामने से आ रही ट्रक को टक्कर मारते एक पेड़ से जा टकराई। इधर ट्रक भी असंतुलित होकर पेड से टकरा गई।

दुर्घटना में निजी यात्री सेवा का चालक मोहनगंज कोतवाली नगर निवासी रामप्रति का पुत्र विष्णु 35 तथा मोहनगंज कोतवाली नगर के परिचालक श्यामबिहारी के पुत्र अशोक सिंह 38 यात्री सेवा मे सवार सुजानगंज जौनपुर के प्यारेलाल के पुत्र हरिप्रसाद 45, प्रतापगढ़ के रामकुमार के पुत्र रामसिंह 35, हथिगंवा प्रतापगढ़ के कृष्णकुमार सिंह के पुत्र वीरू सिंह 25 को गंभीर चोटें आ गई। वहीं ट्रक चालक व खलासी को भी गंभीर चोटें आयी है। गनीमत यह थी कि यात्री सेवा मे मात्र बारह सवारियां ही मौजूद थी। दुर्घटना होते ही इलाके मे हडकंप मच गया। आस पास के लोगों ने चुटहिल लोगों को यात्री सेवा से बाहर निकाला और इलाज के लिए जिला अस्पताल भेजवाया। सूचना मिलने पर कोतवाल रणजीत सिंह भदौरिया लीलापुर चौकी इंचार्ज के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर दोषी के खिलाफ कार्रवाई की बात कही है। इस बीच नेशनल हाइवे पर हुई दुर्घटना को लेकर घंटो यातायात भी प्रभावित दिखा।

सकुशल सम्पन्न हुई नवोदय प्रवेश परीक्षा

लालगंज, प्रतापगढ़। बुधवार को नगर स्थित अवधेश विद्या निकेतन इण्टर कालेज तथा सांगीपुर के गांधी इण्टर कालेज मे नवोदय प्रवेश परीक्षा शांतिपूर्ण सम्पनन् हुई। केन्द्रीय नवोदय विद्यालय मे प्रवेश के लिए हुई परीक्षा मे सांगीपुर के गांधी इण्टर कालेज मे एक सौ छियासी परीक्षार्थी शामिल हुये। यहां पैतालिस परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। जबकि स्थानीय अवधेश विद्या निकेतन इण्टर कालेज मे एक सौ चौतीस परीक्षार्थी शामिल हुये जबकि अठावन प्रवेशार्थी अनुपस्थित पाये गये। अवधेश विद्या निकेतन मे प्रधानाचार्य सुरेश सिंह तथा सांगीपुर मे प्रधानाचार्य सुधाकर पाण्डेय की देखरेख मे प्रवेश परीक्षा कडे माहौल मे सम्पनन् हुई दिखी।

जिला समन्वयक ने मोहल्ला पाठशाला का किया अवलोकन

आनलाइन कार्यशाला में ली जानकारी

कटरा गुलाब सिंह, प्रतापगढ़। उप शिक्षा निदेशक मो इब्राहिम के मार्गदर्शन में तथा बेसिक शिक्षा अधिकारी अमित सिंह के आदेशानुसार एआरपी राजेश प्रताप सिंह द्वारा आनलाइन उच्च प्राथमिक विद्यालय मल्हूपुर मानधाता के शिक्षकों, प्रेरणा साथी व अभिभावकों का सहयोगात्मक अनुश्रवण किया गया, जिसका संचालन स्वयं राजेश प्रताप सिंह द्वारा किया गया।

इस मौके पर सहयोगी शिक्षकों को सम्बोधित करते हुए उन्होंने कहा कि जिस तरह उच्च प्राथमिक विद्यालय मल्हूपुर के शिक्षक और बाल प्रेरणा साथी दृढ़संकल्प के साथ मोहल्ला पाठशाला का संचालन कर रहे हैं और छात्र उसका अनुसरण कर कक्षा के अनुरूप दक्षताए प्राप्त कर रहे है। कोविड की विषम परिस्थिति में भी शिक्षा का जो विकल्प प्रस्तुत किया है, वह क्षेत्र मे शैक्षिक क्रांति का द्योतक है। जिला समन्वयक श्रीकृष्ण ने कहा कि जिस तरह मल्हूपुर के शिक्षक और प्रेरणा साथी संकल्प के साथ परिश्रम कर रहे है जल्दी ही पूरे प्रदेश के लिए प्रेरणा श्रोत होंगे। राज्य सन्दर्भदाता सदस्य डा स्वेता सिंह ने कहा कि मल्हूपुर के शिक्षकों व प्रेरणा साथियों के क्रियाकलापों तथा नवाचारो को राज्य के अन्य जनपदों के विद्यालयों मे भी साझा करुंगी। ऑनलाइन संवाद के माध्यम से मोहल्ला क्लास में उपस्थित बच्चों द्वारा ऑउटकम प्राप्त किया गया, जिसमें बच्चों ने अँग्रेजी में पूरी आवर्त सारणी, पाचन, मस्तिष्क आदि के बारे में बताया। ऑनलाइन कार्यशाला में ए आर पी राजेश प्रताप सिंह, एस आर जी चंद्रजीत व डॉ स्वेता सिंह, जिला समन्वयक कृष्ण कुमार, इं0 प्र0अ0 रमाशंकर, गायत्री यादव,श्याम प्रकाश मौर्य, अजय के साथ साथ प्रेरणा साथी शालिनी, शिवानी, सुमन, श्रुति,मंजरी, दीपांशु के अतिरिक्त हिमांशी, श्रेया, शगुन, आयुष, सौरभ आदि बच्चों ने अपनी प्रस्तुति देते हुए प्रतिभाग किया।

भदोही में बाढ़ की चपेट में कई गांव, गंगा किनारे के लोग परेशान

अखंड भारत संदेश

भदोही। जिले में लगातार गंगा के जलस्तर में वृद्धि से गंगा के किनारे के लोग परेशान है और बाढ़ को लेकर काफी आशंकित है। कही कही पर लेखपाल जाकर जायजा लिये है कही पर समय ही नही मिला। हालांकि लोगो को इस समय काफी समस्या हो रही है। कई लोगो की फसले जलमग्न है, कई के झोपडी और शौचालय में गंगा का पानी घुस गया है। जिसके वजह से सांप, बिच्छू समेत कई तरह के जन्तु घरों में पहुंच रहे है।डीघ ब्लाक के बेरासपुर, केदारपुर और बदरी गांव में कुछ लोगों के झोपडी और घरों में पानी पहुंच गया है। बदरी गांव में राजकमल हरिजन, सोहित राम समेत कई लोगो के घर में पानी घुस गया जिससे उन्हे अपने परिवार सहित अन्यत्र रहना पड रहा है। और उनके घर में रखा सारा सामान पानी से भीगकर खराब हो गया। बदरी में स्थित विद्यालय और सार्वजनिक शौचालय भी गंगा के पानी से डूब गया है। इसी तरह केदारपुर निवासी झल्लुर हरिजन के घर में में भी गंगा का पानी एक फीट से अधिक तक चला गया है। जिससे वे भी अपना घर छोडकर परिवार सहित आंगनवाड़ी में रहने पर विवश है। पानी की अधिकता से झल्लुर का घर गिर सकता है क्योकि पानी के बहाव से दीवार कट रही है। बेरासपुर में निषाद बस्ती और धइकार बस्ती के घरों के पास गंगा का पानी पहुंच गया है। जिससे पशुओं को बांधने और रहने में लोगों को काफी मुश्किल हो रही है। बारिश से पुरवां निवासी चिंतामणि गौड़ का घर भी बारिश की वजह से गिर गया जिससे उनके परिवार समेत राधेश्याम, शेषमणि गौड, इन्द्रभणि और गोपाल गौड़ के परिवार को भी रहने में दिक्कत हो रही है। इसी तरह क्षेत्र के विभिनन्‍ गांवों में बारिश और बाढ़ से जन जीवन अस्त व्यस्त हो गया है। प्रशासन के लोग केवल खानापूर्ति में जुटे है जिससे गंगा के किनारे रहने वाले लोग परेशान है। कही कही तो ऐसे भी मामले देखने को मिल रहे है कि खुद गांव के ग्राम प्रधान भी अपने गांव के लोगो का हाल लेने नही पहुचें।

स्वरोजगार हेतु सामूहिक प्रशिक्षण आज

भदोही। अनुसूचित जाति/जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के व्यक्तियों को स्वरोजगार हेतु सामुहिक प्रशिक्षण हेतु अभ्यथियों को चयन गठित कमेटी द्वारा साक्षात्कार के माध्यम से आज दोपहर 12ः30बजें से कार्यालय उपायुक्त उद्योग जिला उद्योग एवं प्रोत्साहन तथा उद्यमिता विकास केन्द्र ज्ञानपुर भदोही में किया गया हैं उक्त कमेटी में सम्मानित सदस्य परियोजना अधिकारी, डीआरडीए, अध्यक्ष मानद सचिव एकमा भदोही, प्रधानाचार्य भदोही/ज्ञानपुर, जिला अग्रणी बैंक प्रबन्धक यू0बी0आई0 ज्ञानपुर, मिलिन्द गुप्ता स्थानीय उद्यमी ज्ञानपुर, श्रीमती राजकुमारी दक्षता पुरस्कार प्राप्त सुरियावॉ भदोही, अतः आपसे अनुरोध है कि कृपया उक्त तिथि निर्धारित समय पर उपस्थित होकर चयन की कार्यवाही सम्पनन्‍कराने का कष्ट करे।

आपूर्ति विभाग ने गंगा चट्टी कटेदारों को दिए निर्देश

अखंड भारत संदेश

भदोही । जिले के सीतामढ़ी में आपूर्ति विभाग ने गंगा तटीय कोटेदारों को निर्देश दिए हैं कि बाढ़ प्रभावित लोगों को प्राथमिकता से राशन उपलब्ध कराये बुधवार को पूर्ति निरीक्षक डीघ दिनेश कुमार यादव ने डीघ ब्लाक के बाढ़ प्रभावित गांवों का निरिक्षण किया तथा सम्बंधित कोटेदारों को निर्देश दिए कि बाढ़ प्रभावित परिवारों को प्राथमिकता से राशन उपलब्ध कराये बिमल सिंह महाविद्यालय में बाढ़ से विस्थापित परिवारों को नाश्ता बाटे तथा उन्हें खाद्यानन्‍ उपलब्ध कराया निरिक्षण के दौरान ग्रामीणों ने मांग किया की उन्हें मिट्टी का तेल वितरण कराया जाय क्योंकि बिजली के खंभे गिरने से बिजली नहीं आ रहीं हैं घरों में अंधेरा छा गया है।

सैनिक बंधु की बैठक जिलाधिकारी कार्यालय के सभागार में 13 को

अखंड भारत संदेश

भदोही। जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी सुधीर कुमार चौधरी (अ0प्रा0) ने बताया कि भूतपूर्व सैनिक अपने हक एवं सरकारी लाभों के प्रति जागरूक करने के लिए जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास कार्यालय के तत्वाधान में जिलाधिकारी कार्यालय के सभागार में जिला सैनिक बन्धु की बैठक दिनांक 13 अगस्त 2021 को पूर्वान्हन 12 बजें सम्पनन्‍ होना सुनिश्चित हुआ है। बैठक जिलाधिकारी महोदया की अध्यक्षता में जिला सैनिक कल्याण एवं पूनर्वास अधिकारी ले0 कर्नल सुधीर कुमार चौधरी (अ0प्रा0) द्वारा आयोजित होगी।

पुलिस ने खोली सपा नेता विजय यादव की हिस्ट्री शीट

अखंड भारत संदेश

भदोही। जनपद के चौरी के सपा नेता विजय यादव की हिस्ट्री सीट पुलिस ने खोल दिया है। अब सपा नेता पुलिस की निगरानी में रहेंगे। यह जानकारी देते हुवे प्रभारी थानाध्यक्ष दयाशंकर ओझा ने बताया कि जगरनाथपुर निवासी विजय यादव पुत्र यदुनन्दन यादव की हिस्ट्री सीट खोल दी गई है और अब विजय यादव पुलिस की निगरानी में रहेंगे। उन्होंने बताया कि विजय यादव पर मारपीट , बल्वा , दलित उत्पीड़न सहित एक दर्जन से अधिक मुकदमे दर्ज है । इसलिए हिस्ट्री सीट खोल दी गई है।

कोषाधिकारी ने फर्जी कॉल न उठाने को पेंशनरों से की अपील

अखंड भारत संदेश

भदोही। कोषाधिकारी धमेन्द्र पति त्रिपाठी ने बताया कि जनपद भदोही में कोषागार से पेंशन प्राप्त करने वाले समस्त पेंशनरों/पारिवारिक पेंशनरों से अपील की जाती है कि फर्जी काल मेसेज के माध्यम से बैंक खाता एवं अन्य विवरण सत्यापन हेतु मांगा जा रहा है, जो पूर्णतया फर्जी है। फर्जी काल मेसेज से सचेत रहें। उत्तर प्रदेश कोषागार निदेशालय अथवा कोषागार कार्यालय भदोही से इस प्रकार की कोई सूचना नही मांगी जाती है। कृपया मोबाइल नंबर पर बैंक खाता संख्या अथवा अन्य कोई सूचना न दें।

जंघई में विद्युत चोरी में पकड़े गए 16 के खिलाफ मुकदमा दर्ज

अखंड भारत संदेश

जंघई। क्षेत्र के विद्युत उपकेंद्र जंघई अंतर्गत विभिनन्‍ गांवों में विद्युत उपखण्ड अधिकारी की टीम के आकस्मिक निरीक्षण के दौरान विद्युत चोरी करते हुए पकड़े गए 16 लोगों के खिलाफ विद्युत चोरी अधिनियम के तहत मुकदमा पंजीकृत करा दिया गया है। जिससे अबैध कटियामार लोगों में हड़कंप मच गया है।विद्युत उपखंड अधिकारी अमर सिंह पटेल व अवर अभियंता आशीष कुमार पटेल के नेतृत्व में जंघई विद्युत उपकेंद्र के अंतर्गत , बभनियांव, मोलनापुर, उमरी एवं गोधना गांवो में आकस्मिक चेकिंग अभियान चलाया गया। जिसमे अवैध रूप से कटिया लगाकर बिजली का उपभोग कर रहे 16 लोगो को पकड़ा गया। जिन्हें विद्युत चोरी के आरोप में मुकदमा दर्ज करा दिया गया है।इस टीम में दीपक तिवारी, जनमेजय त्रिपाठी, अवधेश कुमार, अभिनव पाल, अतुल कुमार श्रीवास्तव आदि सम्मिलित रहे।

इस वर्ष भी नहीं निकलेगी ताजिया

अखंड भारत संदेश

भदोही। जनपद के सुरियावां थाना परिसर में पीस कमेटी की बैठक थाना अध्यक्ष जयप्रकाश यादव के अध्यक्षता में संपनन्‍ हुई।थाना परिसर में बुधवार को पीस कमेटी की एक बैठक ताजिया दारों की हुई। जिसमें कुल 32 ताजिया दारों को कोविड-19 का पालन करने के लिए हिदायत दी गई। शासन का आदेश अक्षरसह पालन करने के लिए कहा गया। ताजिया दार अपने घर में ही रह कर मनाएं। अगर कोई शासन का निर्देश का उल्लंघन करते हुए पाया जाएगा उसके विरूद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान चेयरमैन गोरेलाल कननेजिया, पूर्व चेयरमैन नंदलाल गुप्ता, नगर पंचायत के कर्मी प्रेम बाबू, नगर पंचायतसलीम, गुलाम रसूल, नौशाद अली, मोहम्मद निजाम, अमरूद्दीन,, आदि सहित काफी संख्या में ताजिया दार पर स्थित रहे।

भदोही त् बुधवार को कलेकटेट सभागार में राज्य मंत्री, पशुधन, मत्स्य एवं दुग्ध विकास विभाग उ0प्र0 शासन जय प्रकाश निषाद ने जिला योजना वर्ष-2021-22 की प्रगति, सांसद निधि, त्रिस्तरीय पंचायत की निधियॉ अधूँरें एवं अपूर्ण निर्माण कार्यो की समीक्षा की गयी। प्रभारी मंत्री ने कहा कि समस्याओ का समाधान होना चाहिए, शासन प्रशासन जनप्रतिनिधि सब मिल कर पारदर्शी ढ़ग से निष्ठा/ईमानदारी पूर्वक विकास कार्यो में अपनी-अपनी भागीदारी निभाकर कार्यो को सम्पादित करायेगे तभी सर्वागीण विकास होगा। अधिकारीगण केन्द्र/प्रदेश सरकार के मंशा के अनुरूप जनता के लिए लागू किये गये योजनाओं को क्रियान्वयन कराये जाने में अहम भूमिका निभाये, प्रधानमंत्री ग्रामीण/नगरीय आवास योजना अन्तर्गत पात्र लाभाथियों को ही आवास बनाकर समय सीमा के भीतर लाभान्वित कराये जाय, लाभार्थीपरक योजनाओं/निर्माण कार्यो से सम्बन्धित विभागो के अधिकारीगण अपने-अपने विभागों के निर्माण/विकास कार्यो को दिसम्बर तक पूर्ण कराया जाय। इस कार्य में शिथिलता किसी भी कीमत पर क्षम्य नही होगी। प्रभारी मंत्री ने बाढ़ के सम्बन्ध में अधिकारियों को निर्देश दिये कि बाढ़ वाले क्षेत्रों में लगातार भ्रमण करते रहे, और उन्हे हर सम्भव मद्द कराये।उक्त निर्देश राज्य मंत्री, पशुधन, मत्स्य एवं दुग्ध विकास विभाग उ0प्र0 शासन जय प्रकाश निषाद जी ने कहा कि ऐसे विभागों के अधिकारीगण अपने-अपने विभागों के कार्यप्रणाली/प्रगति से जनप्रनिधियों के पूर्ण सहयोग लेते हुए उन्हे अब-तक हुए अपने विभागों के कार्यप्रगति रिपोर्ट सूची सहित उपलब्ध कराये। यह भी कहे कि भविष्य में अधिकारीगण अपने-अपने विभागो के जो भी निर्माण/विकास कार्य कराये जाय, उनके प्रगति से भी जनपद के प्रतिनिधियो को अवगत कराये।राज्यमंत्री पशुधन मत्स्य एवं दुग्ध विकास विभाग उ0प्र0शासन श्री जयप्रकाश निषाद प्रभारी मंत्री ने विकास कार्यो/निर्माण कार्यो की समीक्षा बैठक के दौरान सम्बन्धित विभागों के अधिकारी को निर्देश दिया है। किसी भी दशा में प्रधानमंत्री शहरी आवास के अन्तर्गत अपात्रों का चयन किसी भी दशा न हो, ये विशेष ध्यान में रखते हुए मानक के अनुरूप पात्रों का चयन करे। उन्होने प्रधानमंत्री ग्रामीण/नगरीय आवास की समीक्षा के दौरान मुख्य विकास अधिकारी/परियोजना निदेशक को निर्देश दिया कि इस योजना अन्तर्गत पात्र लाभाथियों को आवास बनाकर समय सीमा के भीतर पूर्ण कराकर लाभान्वित कराया जाय।

राज्यमंत्री पशुधन मत्स्य एवं दुग्ध विकास विभाग उ0प्र0शासन श्री जयप्रकाश निषाद प्रभारी मंत्री ने इसके आलावा जिन प्रमुख विषयों पर समीक्षा किये उनमें, मनरेगा, जल संरक्षण के कार्य, विभिनन्‍ पेंशन सम्बन्धी प्रधानमंत्री आवास योजना नगरीय/ग्रामीण, स्वच्छ भारत मिशन योजना, विद्युत विभाग, फसल बीमा योजना, जननी सुरक्षा योजना, नई सड़को का निमार्ण/चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, निराश्रित गोवंश को सुरक्षित करना, पशुओं का टीकाकरण, बाल विकास परियोजना आदि विभागों के अगल-अगल विभागवार समीक्षा करते हुए सम्बन्धित विभागो के अधिकारियो के कमियो के प्रति आगाह किया गया, कि भविष्य में सुधार लाये।

इसके पूर्व पश्चात् राज्यमंत्री पशुधन मत्स्य एवं दुग्ध विकास विभाग उ0प्र0शासन श्री जयप्रकाश निषाद प्रभारी मंत्री ने विभूति नारायण राजकीय इण्टर कालेज शहीद स्मारक स्थल पर माल्यापर्ण किया। एवं महाराजा चेतसिंह जिला चिकित्सालय का निरीक्षण किया। कोविड-19 की तीसरी लहर के तहत जिले के सभी अस्पातालों में डॉक्टरों की तैनाती के सम्बन्ध में चर्चा किये। उन्होने मुख्य चिकित्साधिकारी से कहा कि कोरोना की तीसरी लहर को देखते हुए कोई भी लापरवाही नही होनी चाहिए, तीसरी लहर के आने से पहले सारी तैयारियॉ पूर्ण कर ली जाय, इन सभी मुद्दो पर विस्तृत चर्चा की गयी। और टीकाकरण का समीक्षा किये। उन्होने आक्सीजन प्लान्ट के बारे में जानकारी ली। जनपद में सभी अस्पतालों में साफ-सफाई का विशेष रूप से ध्यान देकर क्रियान्वयन कराये।तत्पश्चात् राज्यमंत्री पशुधन मत्स्य एवं दुग्ध विकास विभाग उ0प्र0शासन श्री जयप्रकाश निषाद प्रभारी मंत्री ने पिपरीस गौवंश आश्रय स्थल का निरीक्षण कर साफ-सफाई पशुओं की दवा की उपलब्धता एवं चारा की उपलब्धता के सम्बन्ध में पशु चिकित्सा अधिकारी को निर्देश दिये कि सभी व्यवस्थायें सभी गौवंश आश्रय स्थलों पर उपलब्ध करा दे। उन्होने गौवंशो को गुण खिलाकर सन्हे प्यार किये। राज्यमंत्री पशुधन मत्स्य एवं दुग्ध विकास विभाग उ0प्र0शासन श्री जयप्रकाश निषाद प्रभारी मंत्री ने उ0प्र0 खादी एवं ग्रामोद्योग विभाग के द्वारा 07 लाभाथियों को माटी टूल्सकीट वितरण किया। इस अवसर पर विधायक भदोही रवीन्द्र नाथ त्रिपाठी, जिला पंचायत अध्यक्ष अनिरूद्ध त्रिपाठी, जिलाधिकारी महोदया आर्यका अखौरी, पुलिस अधिक्षक रामबदन सिंह, मुख्य विकास अधिकारी भानू प्रताप सिंह, मुख्य चिकित्साधिकारी, मुख्य पशुचिकित्साधिकारी, भाजपा जिलाध्यक्ष विनय श्रीवास्तव, पूर्व जिलाध्यक्ष हौसिला प्रसाद पाठक के आलावा अन्य विभागों के अधिकारीगण/प्रतिनिधिगण उपस्थित रहें।

भाजपा गद्दी छोडो अभियान में कांग्रेस कार्यकर्ताओ ने निकाली पद यात्रा, की सभाएं

अखंड भारत संदेश

करछना। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आवाहन पर आज जिला कॉंग्रेस कमेटी यमुनापार प्रयागराज के जिलाध्यक्ष अरुण तिवारी व प्रदेश कॉंग्रेस के प्रदेश सचिव व प्रभारी यमुनापार वसीम अंसारी के नेतृत्व में पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत भा ज पा गद्दी छोड़ो अभियान व नारे के अनुरूप में विधानसभा करछना में कॉंग्रेस जनो की पदयात्रा व सभाएँ सम्पनन्‍हुई।पदयात्रा सभा में परिवर्तित होकर जिला कांग्रेस के जिलाध्यक्ष अरुण तिवारी ने अपने वक्तव्य में कहा कि आज की यह सरकार पूरी निरंकुश हो गयी है और जनता को मिलने वाले मौलिक अधिकारों का हनन करने में लगी हुई है निस्के चलते आज लोग अपनी आवाज व जरूरत के मुद्दों को भी नही कह पा रहे हैं।आज समूचे देश मे बढ़ती हुई महंगाई से लोग बहुत ही प्रभावित है।डीजल,पेट्रोल, गैस के दाम आसमान छू रहे हैं और सरकार जनता के अधिकारों का हनन करने में मसगुल है,नौजवानों का रोजगार छीन लिया गया है।आज इस सरकार के दौर में शिक्षित युवा लोग शिक्षा लेकर के रोजगार से वंचित हो रहे हैं कल कारखाने में काम करने वाले लोगों का रोजगार चला गया है।

पदयात्र कार्यक्रम में कॉंग्रेस के जिला उपाध्यक्ष मो इस्लाम उर्फ बबलू खान, जिला उपाध्यक्ष राम अनुग्रह मिश्रा, जिला उपाध्यक्ष राम छबीले मिश्रा,रंगराज सिंह, जिला उपाध्यक्ष विवेक कुमार पाण्डेय, इंटक कॉंग्रेस के राष्ट्रीय सचिव अतुल तिवारी,जिला महासचिव चन्द्र भूषण तिवारी, दिनेश सोनी,प्रणय रंजन भट्टाचार्य,पूर्व जिला पंचायत सदस्य व जिला सचिव सुनील पटेल, ब्लॉक अध्यक्ष प्रकाश चन्द पाण्डेय, विनोद पटेल नागेश पांडे नारायण दुबे सहित आदि लोंगो का समावेश रहा है

ओवरलोड ट्रकों की वजह से लुतर-तेंदुवा माइनर की पुलिया क्षतिग्रस्त

पुलिया टूटने के बावजूद ओवरलोड ट्रकें सड़क पर डेरा समाये हुए है

अखंड भारत संदेश

सिरसा/मेजा। प्रयागराज मेजा में लूतर भईयां मार्ग पर सप्ताह भर से चल रही ओवरलोड ट्रकों की वजह से माईनर की पुलिया क्षतिग्रस्त हो गई, जिससे आवागमन मे दिक्कतें आ रही है। बता दें कि सप्ताह भर से मेजारोड कोहड़ार मार्ग बरसैता गांव के सामने टोंस नदी की बाढ़ से डूब गया है। जिससे भटौती प्लांट से निकलने वाली हजारों ओवरलोड ट्रकें हनुमान चौराहे से होकर तिगजा, खौर, तेन्दुआ व लूतर होते हुए मेजारोड जा रही हैं। वहीं उक्त मार्ग पर लूतर तेन्दुआ के समीप माईनर की पुलिया ओवरलोड ट्रकों की भेंट चढ़ गई। जिससे आवागमन करने वाले लोगों मे काफी फजीहतें झेलनी पड़ रही है। पुलिया टूटने के बावजूद ओवरलोड ट्रकें उक्त सड़क पर डेरा जमाए हुए हैं जिससे जाम लगने की स्थिति बनी हुई है। और राहगीरो को चलने में खतरा बना है।

यमुना बाढ़ के आगोश में हजारों बीघे फसल, किसान खून के आंसू रोने को विवश

अखंड भारत संदेश

घूरपुर। घूरपुर के तराई इलाके में यमुना के रौद्र रुप से जहां कई गांवो के घरों में घुसे बाढ़ के पानी से त्राहिमाम त्राहिमाम मचा हुआ है वहीं किसानों का हज़ारों बीघे फसलों को बाढ़ ने अपने आगोश में ले फसलों को क्षतिग्रस्त कर किसानों को खून के आंसू रोने को विवश कर दिया है।वर्ष 2013 के बाढ़ के तबाही को भूल चुके तराई इलाकों के लोगों को आठ वर्ष बाद यमुना की बाढ़ ने फिर उसी तरह का जख्म दे रही है। जहां बाढ़ से इलाके के सबसे अधिक भयावह स्थित कंजासा की बनती जा रही है वहीं तराई के अन्य इलाकों में भी कंजासा जैसी हालत के आने के मुहाने पर आ खड़े हुए है। इस बाढ़ मे यदि नुकसान की बात की जाय तो सबसे अधिक नुकसान तराई के किसानो की हुई है। तराई इलाके के बसवार, अमिलिया, पालपुर, मोहद्दीन पुर, बादलगंज, इरादतगंज, सारीपुर, देवरिया, भीटा, बीकर, मोहनी का पूरा, कंजासा, कैनुआ, विरवल आदि गांवो के हज़ारों बीघे फसल यमुना बाढ़ की भेंट चढ़ चुकी है। जिसकी वास्तविक भरपाई किसानो को सरकार द्वारा मिलने वाला मुआवजा की धनराशि भी नहीं कर सकती है। किसान दिनेश मिश्र, रामचंद्र यादव, सतीश निषाद, राजन निषाद, काशी राम बताते हैं कि यमुना की बाढ़ में समाई फ़सल से किसानो की रीढ़ की हड्डी ही तोड़ दी है। इन फसलों पर सजाए गए अरमान अब पूरे नहीं होने वाले। किसानो की बाढ़ की हुई तबाही से निकल रहे खून के आंसू किसी को नहीं दिखने वाला है।

बाढ प्रभावित गांवो में घूसे जंगली जानवरों से भयभीत हो रहे हैं ग्रामीण
फारेस्ट टीम को गांवो लगाने की मांग

करछना। तहसील क्षेत्र के दर्जनो गांवो में गंगा एवं टोंस नदियों का बाढ का पानी भर जाने से जहां एक ओर लोग बारिश और बाढ की त्रासदी को झेल रहे हैं, वही दूसरी ओर तराई क्षेत्र में रहने वाले जंगली जानवरों का झुंड गांव और घरों को ठिकाना बना रहे हैं । सबसे ज्यादा लोग जंगली वनसुअरा के आतंक से ज्यादा भयभीत हो रहे हैं, वही बाढ के पानी में बह कर अन्य जीवों में घड़ियाल, सांप जैसे जानवर घरों को ठिकाना बना रहे हैं, तराई वाले गाँव के बसही प्रधान हिमान्शु सिंह, बबुरा प्रधान निर्मल कुमार सिंह, खजुरौल प्रधान संदीप कुमार, भगेशर देहली प्रधान शिव बहादुर यादव, राम पुर उपरहार प्रधानो ने एसडीएम करछना से मांग की है कि ग्रामीणो को जंगली जानवरो को धर पकड के लिए गांवो में फारेस्ट बन विभाग की टीम लगा कर जंगली जानवरों पर अंकुश लगाने की मांग की है।

आदिवासी वर्ग जल, जंगल, जमीन का असली रक्षक : राघवेन्द्र ठकुरिया

अखंड भारत संदेश

घूरपुर। भारत देश विभिनन्‍ धर्मी,जातियों मे बटा हुआ किन्तु अपने सामाजिक सदभाव एवम एकता के कारण ही सम्पूर्ण विश्व के लिए आदर्श हैं इसलिए अनेकों रंग रूपों मे विभाजित होनें के बाद भी भारत की एकता एवम अखण्डता की मिशाल सम्पूर्ण विश्व मे दी जाती हैं इतना ही नहीं हमारे देश की जलवायु एवम प्रकृति भी अपने आपमे अद्वितीय हैं। देश के वन, जंगल, वनस्पतियों की रक्षा का श्रेय सिर्फ और सिर्फ आदिवासी वर्ग को ही जाता हैं आज भी विभिनन्‍ संसाधनों के अभाव के पश्चात कोल समुदाय जल, जंगल एवम जमीन को बचाने के लिए अपने प्राण को न्योछावर करने मे तनिक भी देर नहीं करते किन्तु दुर्भाग्य हैं आज की तिथि मे आदिवासी वर्ग को वह सम्मान एवम भागीदारी नहीं मिली जिसका वह असली हकदार हैं उक्त बातें युवा समाजसेवीं एवम शिक्षक राघवेन्द्र ठकुरिया जसरा क्षेत्र के सुजौना गाँव मे विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि बोल रहें थे आगे उन्होंने आदिवासी युवाओ मे जोश भरते हुए यह भी बोले कि देश एवम समाज का समुचित विकास के लिए व्यक्ति का शिक्षित होना अति आवश्यक हैं। शिक्षा ही एकमात्र ऐसा हथियार हैं जिसके बल पर व्यक्ति चहुमुखी विकास कर सकता हैं इसलिए उपस्थित सभी युवा साथियों से अधिक से अधिक मात्रा मे शिक्षा ग्रहण करने एवम अपने अधिकारों को जानने की जरूरत हैं तभी समाज का विकास सम्भव हैं। आगे श्री ठकुरिया नें बेटी बचाओ -बेटी पढ़ाओं, जल संरक्षण, महिला सशक्तिकरण इत्यादि विषयों पर भी उपस्थित ग्रामीणों को जागरूक किये।इस अवसर पर युवा समाजसेवीं श्री ठकुरिया नें आदिवासी वर्ग के उत्थान से सम्बंधित एवम आदिवासी व्यंजनो, संस्कृतियों पर भी विस्तृत जानकारियाँ साझा किये।

कंजासा मे बाढ़ पीड़ितों को थानाध्यक्ष ने बांटी खाद्य सामग्री व वस्त्र

अखंड भारत संदेश

घूरपुर। इलाक़े के कंजासा में बाढ़ प्रभावित पीडि़तो को बुधवार के दिन घूरपुर एसओ राजेश उपाध्याय ने खाद्य सामग्री के साथ ही बच्चों को वस्त्र वितरित किए। इलाक़े मे सबसे अधिक कंजासा गांव में यमुना बाढ़ ने तबाही मचा दी है। घरों में बाढ़ का पानी भर जाने से उसके बचाव में लगे परिजनो का काम धाम बंद हो गया है। जिससे आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। थाना अध्यक्ष राजेश उपाध्याय ने बुधवार के दिन कंजासा गांव पहुंच तो सैकड़ो बाढ़ प्रभावित पीडि़तो की भीड़ जुट गई। एस ओ ने सभी को खाद्य सामग्री बांट राहत पहुंचाने की कोशिश की साथ ही बच्चों को वस्त्र भी दिए। इस बीच सभी को सुरक्षा हेतु निर्देश देते हुए पूर्णतया सहयोग देने का आश्वसत किए।

सम्पादकीय

अब जागना ही होगा

इस रिपोर्ट की खास बात यह भी है कि यह पर्यावरण विशेषज्ञों की तैयार की हुई कोई सामान्य रिपोर्ट नहीं बल्कि संयुक्त राष्ट्र के जरिए दुनिया के 195 देशों के प्रतिनिधियों द्वारा समर्थित दस्तावेज है। संयुक्त राष्ट्र के इंटर गवर्नमेंटल पैनल ऑन क्लाइमेट चेंज (आईपीसीसी) की ताजा रिपोर्ट ने एक बार फिर यह अहसास कराया है कि दुनिया विनाश की ओर तेजी से बढ़ती जा रही है। दो सौ से अधिक वैज्ञानिकों द्वारा संयुक्त रूप से तैयार की गई इस रिपोर्ट में साफ तौर पर कहा गया है कि बात सुदूर अतीत की या सदी के आखिर की नहीं है कि मौजूदा पीढ़ी यह सोचकर निश्चिंत रहे कि जो भी होगा, हमारी आंखों के सामने तो नहीं होगा। रिपोर्ट के मुताबिक, मौजूदा हालात बने रहे तो दो दशक के अंदर यानी 2040 तक ही पृथ्वी का तापमान 1.5 डिग्री सेल्सियस बढ़ चुका होगा। उसके नतीजों के रूप में हमें जो कुछ भुगतना पड़ेगा, उसका अंदाजा लगाने के लिए रिपोर्ट के विस्तार में जाने या ऐसे ही अन्य अध्ययनों को खंगालने की जरूरत नहीं है। प्रकृति अभी से अलग-अलग घटनाओं-आपदाओं के रूप में हमें प्रत्यक्ष रूप से इसका संकेत देने लगी है। अपने देश में पहाड़ों के टूटने, ग्लेशियर खिसकने और एक ही समय में कहीं सूखा तो कहीं बाढ़ की स्थितियां बनने की खबरें अब पहले की तरह नहीं चौंकातीं। अन्य देशों में भी मौसम की ऐसी विचित्रताएं सामान्य लगने लगी हैं। अमेरिका और कनाडा के जंगलों की आग दुनिया भर में खबर बनी। दुनिया के सबसे ठंडे इलाकों में गिने जाने वाले साइबेरिया में अत्यधिक गर्मी (सीवियर हीट) पड़ी है और जंगल में आग लगने की घटनाएं भी हुई हैं।

आईपीसीसी की रिपोर्ट यह बात भी साफ कर देती है कि इन सबके लिए कुदरत नहीं बल्कि इंसानी गतिविधियां ही मुख्य रूप से जिम्मेदार हैं। रिपोर्ट में पाया गया है कि ग्लोबल वॉर्मिंग में ज्वालामुखी विस्फोट या सूरज की गर्मी जैसे प्राकृतिक कारकों की भूमिका लगभग शून्य रही है। बहरहाल, इस रिपोर्ट की खास बात यह भी है कि यह पर्यावरण विशेषज्ञों की तैयार की हुई कोई सामान्य रिपोर्ट नहीं बल्कि संयुक्त राष्ट्र के जरिए दुनिया के 195 देशों के प्रतिनिधियों द्वारा समर्थित दस्तावेज है। यानी इसके पीछे एक तरह की वैश्विक सहमति है। और यह ऐसे समय सामने आई है जब ग्लासगो में होने वाले यूएन क्लाइमेट चेंज कॉन्फ्रेंस (कॉप 26) को तीन महीने से भी कम समय रह गया है। वह मौका होगा इस वैश्विक सहमति को ठोस निष्कर्षों तक ले जाकर नीतियों और फैसलों का रूप देने का। यह पिछली सहमतियों पर अमल का लेखा-जोखा लेने का भी मौका होगा। यह देखना होगा कि इस दिशा में ठोस कदम उठाए जाने में कौन सी बाधाएं हैं और उन्हें दूर करना होगा। हमें हर हाल में धरती को बचाना होगा। इसके साथ, जलवायु परिवर्तन के बारे में सबसे बड़ा सच यह भी है कि ग्रीन हाउस गैसों के इमिशन में चीन और अमेरिका का आधा योगदान है। इसलिए उन्हें खासतौर पर इसमें कमी लाने की पहल करनी होगी। इसके साथ पूरे वैश्विक समुदाय को इस अभियान में शामिल होना होगा क्योंकि जलवायु परिवर्तन का असर पूरी धरती पर पड़ रहा है।

आक्रामक विपक्ष और बौखलाती सरकार

जयशंकर गुप्त

विपक्ष को एकजुट करने की इस मुहिम के कुछ गलत अर्थ नहीं निकलें, इसके लिए शरद पवार से लेकर ममता बनर्जी ने भी यह साफ करने की कोशिश की है कि कांग्रेस को परे रखकर विपक्ष की एकजुटता कारगर नहीं होगी। लोकसभा की तकरीबन आधी सीटें ऐसी हैं जिन पर भाजपा का सीधा मुकाबला कांग्रेस से ही है।

पेगासस जासूसी प्रकरण को लेकर मोदी सरकार की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रहीं। विपक्ष के हंगामे के कारण संसद के मानसून सत्र का तीसरा सप्ताह भी बाधित हो रहा। दूसरी तरफ, संसद से लेकर सड़क तक पेगासस जासूसी प्रकरण के साथ ही किसान आंदोलन, महंगाई और बेरोजगारी के सवाल पर विपक्ष की एकजुटता के प्रयास तेज हो रहे हैं। विपक्ष की कवायद को देखते हुए प्रधानमंत्री मोदी, उनकी सरकार के मंत्री और पार्टी के प्रवक्ता इन मुद्दों पर संसद में चर्चा कराने के बजाय संसद नहीं चलने देने के लिए विपक्ष को जिम्मेदार ठहराते हुए उसे कोस रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने विपक्ष पर संसदीय गतिरोध के जरिए देश हितविरोधी राजनीति करने तथा संसद का अपमान करने का आरोप भी लगाया है। ओलंपिक खेलों का संदर्भ लेकर उन्होंने कहा है कि एक तरफ देश जीत के गोल पर गोल कर रहा है, वहीं कुछ लोग 'सेल्फ गोलकरने में लगे हैं। जब देश के प्रधानमंत्री विपक्ष के बारे में इस तरह की भाषा बोल रहे हों तो भला उनके मंत्री और पार्टी के प्रवक्ता पीछे कैसे रह सकते हैं। कल तक केंद्र सरकार में वरिष्ठ मंत्री रहे भाजपा के प्रवक्ता रविशंकर प्रसाद ने कहा है कि कांग्रेस के डीएनए में संसद के सम्मान के संस्कार ही नहीं हैं। ऐसा कहते हुए वे और उनके नेता आसानी से भूल जा रहे हैं कि उनकी पार्टी ने संप्रग सरकार के जमाने में किस तरह से संसद के सत्र दर सत्र बाधित किए थे। तब उन्हें संसद में हल्ला-हंगामा विपक्ष का संसदीय दायित्व और लोकतांत्रिक अधिकार लगता था लेकिन अब विपक्ष की वही भूमिका उन्हें देशहित के विरुद्ध और संसद का अपमान नजर आ रही है।

लेकिन इस सबका विपक्ष की आक्रामकता पर खास असर नहीं पड़ रहा है। तकरीबन एकजुट विपक्ष पेगासस जासूसी प्रकरण पर चर्चा होने तक संसद के दोनों सदनों को बाधित करने पर अड़िग है। और अब तो विपक्ष महंगाई और बेरोजगारी के सवाल को भी इसके साथ जोड़ते हुए सड़क पर भी उतरने लगा है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की चाय-नाश्ते पर आयोजित बैठक में दर्जन भर विपक्षी दलों के नेताओं-प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। बैठक के बाद इन दलों के नेता-सांसद संसद भवन तक साइकिल यात्रा लेकर गए। इस साइकिल यात्रा में शामिल राहुल गांधी से लेकर विपक्ष के अन्य सांसदों के पास प्लेकार्ड्स थे जिन पर पेगासस जासूसी प्रकरण से लेकर महंगाई और बेरोजगारी के विरोध में नारे लिखे थे। इसके दो दिन बाद इन्हीं मांगों के साथ युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने संसद भवन के पास पुलिस की तरफ से तेज धार पानी की बौछारों के बीच भारी विरोध प्रदर्शन किया। राहुल गांधी के साथ इन दलों के नेता और सांसद किसानों के धरने में भी शामिल हुए।

दरअसल, एक अरसे तक पस्तहाल रहे विपक्षी दलों के लिए बिहार और पश्चिम बंगाल के चुनावी नतीजों ने एक तरह से राजनीतिक आक्सीजन का काम किया है। बिहार में तो बहुत कम अंतर से विपक्ष सरकार बनाने से चूक गया लेकिन पश्चिम बंगाल में एक बार फिर खुद के बूते विजेता के रूप में उभर कर आई ममता बनर्जी में विपक्ष को एक सीमेंटिंग फोर्स और प्रधानमंत्री मोदी को चुनौती दे सकनेवाली जुझारू नेता नजर आने लगी है। ममता बनर्जी ने खुद भी बंगाल से बाहर निकल कर राष्ट्रीय राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के संकेत देने शुरू कर दिए हैं। उनके लिए चुनावी रणनीतिकार की भूमिका निभानेवाले प्रशांत किशोर अलग से सक्रिय हैं। उन्होंने शरद पवार से लेकर विपक्ष के अन्य प्रमुख नेताओं से मिलना-जुलना और उनकी नब्ज टटोलना शुरू कर दिया है।

शरद पवार और ममता बनर्जी ने भी भाजपा को मजबूत चुनौती देने की गरज से विपक्ष की एकजुटता पर बल दिया है। ममता बनर्जी ने अपनी हाल की दिल्ली यात्रा में अन्य नेताओं के साथ ही कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और निवर्तमान अध्यक्ष सोनिया गांधी से भी मुलाकात की। विपक्ष को एकजुट करने की इस मुहिम के कुछ गलत अर्थ नहीं निकलें, इसके लिए शरद पवार से लेकर ममता बनर्जी ने भी यह साफ करने की कोशिश की है कि कांग्रेस को परे रखकर विपक्ष की एकजुटता कारगर नहीं होगी। लोकसभा की तकरीबन आधी सीटें ऐसी हैं जिन पर भाजपा का सीधा मुकाबला कांग्रेस से ही है।

इस सबसे उत्साहित होकर ही राहुल गांधी ने 16 विपक्षी दलों के नेताओं को चाय नाश्ते पर बुलाया। इनमें से विपक्ष की छोटी-बड़ी 14 पाटिर्यों के नेता तो बैठक में आए लेकिन बहुजन समाज पार्टी और आम आदमी पार्टी इस बैठक से दूर ही रहीं। कभी विपक्षी एकता या कहें तीसरे मोर्चे की धुरी रहे चंद्र बाबू नायडू की तेलुगु देशम पार्टी के नेता भी बैठक में नहीं दिखे। ओडिशा, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में सत्तारूढ़ बीजू जनता दल, तेलंगाना राष्ट्र समिति और वाय एस आर कांग्रेस ने भी फिलहाल विपक्षी एकजुटता की इस कवायद से दूरी बनाकर रखी है। ये दल अभी भाजपा और कांग्रेस से समान दूरी बनाए रखने की नीति पर चल रहे हैं। विपक्ष की एकजुटता कुछ खास मुद्दों पर मोदी और भाजपा विरोध तक ही सीमित होगी या फिर इसके आगे चुनावी मैदान में भी एक सशक्त वैकल्पिक चेहरे को सामने रखकर सामूहिक रणनीति तैयार करने की दिशा में ठोस कदम भी बढ़ाएगी! क्या वैकल्पिक नीतियों और कार्यक्रमों पर भी विचार होगा। तकरीबन सभी दल किसान आंदोलन का समर्थन तो कर रहे हैं लेकिन कृषि कानूनों के भविष्य पर कोई खुलकर कुछ नहीं बोल रहा है। इस तरह के कई और सवालों पर भी विपक्ष के नेताओं को मिल-बैठकर विचार करना होगा। वैसे, पौने तीन साल बाद होने वाले लोकसभा चुनाव के मद्देनजर इस काम के लिए विपक्ष के पास अभी काफी समय है। लेकिन तैयारियां तो अभी से करनी होंगी। जहां तक एकजुट विपक्ष के नेतृत्व का सवाल है, ममता साफ-साफ कुछ कहने के बजाय गोल-मोल बातें करती हैं। लेकिन कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने साफ किया है कि उनके लिए विपक्ष की एकजुटता महत्वपूर्ण है, चेहरा नहीं।

इस बीच हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री ओम प्रकाश चौटाला और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद की बढ़ी राजनीतिक सक्रियता को भी विपक्ष की एकजुटता के प्रयासों की कड़ी में भी देखा जा रहा है। चौटाला ने जहां बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मुलाकात के बाद तीसरे मोर्चे के गठन पर बल दिया, वहीं सोनिया गांधी के करीबी कहे जाने वाले लालू प्रसाद ने भी पिछले दिनों शरद पवार, मुलायम सिंह यादव और शरद यादव के साथ लंबी मुलाकातें कीं। नीतीश कुमार किसी विपक्षी गठबंधन में शामिल होंगे कि नहीं, यह कह पाना अभी किसी के लिए भी दुरूह कार्य है। लेकिन यह बात तो दावे के साथ कही जा सकती है कि बिहार में भाजपा के साथ साझा सरकार का नेतृत्व करते हुए भी वे खुद को पहले की तरह सहज महसूस नहीं कर पा रहे हैं।

गाहे बगाहे भाजपा अपने राजनीतिक मुद्दों को भी बिहार में उछालने-थोपने की कवायद में लगी रहती है। चुनाव से पहले बिहार में राजग की सरकार बनने पर हर हाल में नीतीश कुमार को ही मुख्यमंत्री बनाने की प्रतिबद्धता बताने वाली भाजपा के नेता अब खुलकर कहने लगे हैं कि भाजपा की तुलना में आधी से कुछ ही अधिक सीटें जीतने वाले नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री बनाना भाजपा का बड़प्पन था। इस सबके संकेत नीतीश कुमार और उनके करीबी लोग भी बखूबी समझ रहे हैं। बीच-बीच में राष्ट्रीय स्तर पर उनके प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विकल्प बनने की संभावनाएं भी हिलोर मारने लगती हैं।

हाल के दिनों में नीतीश कुमार के कुछ राजनीतिक फैसलों और बयानों को भी भाजपा के साथ उनकी असहजता के रूप में ही देखा जा रहा है। उन्होंने भाजपा के जनसंख्या नियंत्रण कानून के खिलाफ बयान दिया है। जिस पेगासस जासूसी प्रकरण ने प्रधानमंत्री मोदी और उनकी सरकार की नाक में दम करके रखा है, नीतीश कुमार ने इस मामले में उसकी जांच कराए जाने तथा संसद में उस पर चर्चा के पक्ष में बयान दिया है। भाजपा सांसद सुब्रह्मण्यम स्वामी के बाद सत्तापक्ष के एक और बड़े नेता नीतीश कुमार के इस बयान को लेकर अब भाजपा असहज दिखने लगी है। तो क्या वाकई नीतीश कुमार एक बार फिर भाजपा से अलग होकर विपक्ष की कतार में शामिल होने का मन बना रहे हैं! ऐसा वह तभी सोच सकते हैं जब उन्हें 2024 में विपक्ष का सर्वमान्य चेहरा बताकर पेश किया जाए। इसमें सबसे बड़ा पेंच उनकी राजनीतिक विश्वसनीयता को लेकर फंस सकता है। इसका इलहाम नीतीश कुमार को भी होगा ही।

पर्यावरण और स्वास्थ्य की रक्षा के लिए बढ़ाना होगा वन क्षेत्र

आलोक शुक्ला

वनों की कटाई के कारण पेड़ों की संख्या घट रही है और भूमि का क्षरण बढ़ रहा है। पेड़ कटाई के कड़े नियमों और काटे गये पेड़ों के बदले वृक्षारोपण से इस समस्या पर कुछ हद तक काबू पाया जा सकता है किन्तु वनों की कटाई के कारण जो नुकसान होता है उसकी भरपाई नहीं होती है क्योंकि जंगल की पहचान ही बदल जाती है और उसका प्राकृतिक रूप फिर से प्राप्त नहीं किया जा सकता।वृक्षों और विभिन्न वनस्पतियों का अध्ययन, उनके औषधीय गुणों का अभ्यास एवं विश्लेषण भारतीय आयुर्वेद परंपरा का अविभाज्य अंग है। मानव जीवन में वृक्षों की उपयोगिता को अधोरेखित कर हमारे मनीषियों ने उन्हें सांस्कृतिक रीति-रिवाज़ों से जोड़ दिया है। आज भी धार्मिक समारोहों में हवन के समय आम, पीपल, बरगद, पलाश, अशोक, चंदन आदि वृक्षों की समिधा का उपयोग किया जाता है। प्राकृतिक चक्र के संतुलन में वनों की अहम भूमिका होती है और वर्षा का सीधा संबंध वनों की उपस्थिति से जुड़ा है। वन क्षेत्र के मामले में भारत दुनिया के शीर्ष 10 देशों में आता है। अन्य 9 देश रूस, ब्राजील, कनाडा, अमेरिका, चीन, ऑस्ट्रेलिया, कांगो, इंडोनेशिया और पेरू हैं। इनमें जनसंख्या का घनत्व 150 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर है जबकि भारत में यह 382 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी है। वैश्विक वन संसाधन मूल्यांकन 2020 की रिपोर्ट के मुताबिक विश्व में कुल 4.06 बिलियन हेक्टेयर वन हैं। यह कुल भूमि क्षेत्र का करीब 31 प्रतिशत है। यह भी उल्लेखनीय है कि रूस, ब्राज़ील, कनाडा, अमेरिका और चीन में विश्व के 54 प्रतिशत से अधिक वन हैं। घने वन क्षेत्र वायुमंडल से सर्वाधिक मात्रा में कार्बन डाइऑक्साइड सोखने का काम करते हैं। वैज्ञानिकों के अनुसार वायु में कार्बन डाइऑक्साइड की मात्रा संतुलित रहनी चाहिए। इससे वातावरण का तापमान कम रहेगा और मृदा की उर्वरता बढ़ने से वनस्पति बढ़ेगी। कार्बनिक रूप में कार्बन ह्यूमिक एसिड एवं फ्यूमिक एसिड के रूप में रहता है। यह मृदा की पीएच वैल्यू को 6 से 7 के बीच रखता है, जो कि पौधों की वृद्धि के लिए आवश्यक है। पौधे वृक्ष बन कर वातावरण से कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित कर कार्बन के रूप में संचित करते हैं। इससे ऑक्सीजन की मात्रा में वृद्धि होती है और तापमान नियंत्रित रहता है। स्पष्ट है कि जहां जितना अधिक वनाच्छादित क्षेत्र होगा वहां उतनी ही शुद्ध ऑक्सीजन हवा के रूप में मिलेगी जो कि स्वास्थ्य के लिए प्रकृति प्रदत्त उपहार है। भारतीय वन सर्वेक्षण द्वारा 2019 में तैयार की गई रिपोर्ट को पेश करते हुए तत्कालीन मंत्री प्रकाश जावडेकर ने कहा था कि भारत आज पेरिस समझौते के लक्ष्यों की ओर बढ़ रहा है। उल्लेखनीय है कि पेरिस जलवायु समझौते के तहत भारत को 2030 तक 33 प्रतिशत लक्ष्य हासिल करना था लेकिन अभी वह लक्ष्य से काफी दूर है। पूर्वोत्तर में 765 वर्ग किमी के वन घटने पर भी जावडेकर ने चिंता जाहिर की थी। भारतीय वन सर्वेक्षण का डाटा यह तो बताता है कि देश का फॉरेस्ट कवर पिछले 17 वर्षों में पांच प्रतिशत बढ़ा है लेकिन हमें यह भी देखना चाहिए कि फॉरेस्ट एरिया घटा है। भारतीय वन नियमों के अनुसार उस भूभाग को फॉरेस्ट कवर कहा जाता है जिसका दायरा एक हेक्टेयर का हो और जिसमें वृक्ष वितान (कैनपी) की सघनता दस प्रतिशत से ज्यादा है। वन संरक्षण में दक्षिण भारतीय राज्य देश के बाकी हिस्सों के लिए उदाहरण हैं। कर्नाटक ने 1025 वर्ग किमी के साथ देश में सबसे अधिक वन आवरण की वृद्धि की। इसके बाद आंध्र प्रदेश (990 वर्ग किमी), केरल (823 वर्ग किमी), जम्मू- कश्मीर (371 वर्ग किमी) और हिमाचल प्रदेश (334 वर्ग किमी) ने वन संरक्षण में अपना योगदान दिया। देश में सबसे ज्यादा 77482 वर्ग किमी जंगल मध्यप्रदेश में हैं। इसके बाद अरुणाचल प्रदेश, छत्तीसगढ़ 55,611 वर्ग किमी, ओडिशा 51,619, महाराष्ट्र 50,778 और कर्नाटक 38,575 वर्ग किमी के साथ आते हैं। भारत के कुल भौगोलिक क्षेत्रफल का 24.56 फीसदी हिस्सा ही वनाच्छादित है। छत्तीसगढ़ का 44 फीसदी से कुछ अधिक भाग वन क्षेत्र है किंतु वन भूमि के पट्टे के असमान वितरण से वनाच्छादित क्षेत्र तेजी से कम हो रहे हैं जो कि चिंताजनक है। 1988 में बनी भारत की राष्ट्रीय वन नीति का लक्ष्य भारत में वन क्षेत्र को कुल क्षेत्रफल के एक तिहाई तक लाना है। ग्रीन इंडिया मिशन के तहत केंद्र एवं राज्य सरकार की सहभागिता से वन या वृक्ष क्षेत्र में वृद्धि कर जैव विविधता में सुधार, वनों में एवं आसपास रहने वाले लोगों की वन आधारित आजीविका आय में वृद्धि करना है। भारत की वन संपदा पूरे विश्व में अनूठी और विशिष्ट है। भारत के अलग-अलग क्षेत्रों में जलवायु विविधता के कारण यह विभिनन्ता है। इस विशेषता के कारण भारत को कई वानस्पतिक क्षेत्रों, यथा पूर्वी हिमालय, पश्चिमी हिमालय, सिंध व गंगा के मैदान, मध्य भारत तथा दख्खन, असम और मलाबार में विभाजित किया गया है। इसके अतिरिक्त अंडमान द्वीप समूह भी एक अलग वनस्पति क्षेत्र है। वनों की वास्तविक स्थिति को लेकर तकनीकी तौर पर भ्रम पैदा होता है। भारतीय वन सर्वेक्षण के डेटा बताते हैं कि देश का फॉरेस्ट कवर पिछले 17 वर्षों में पांच प्रतिशत बढ़ा है लेकिन फॉरेस्ट एरिया घटा है। नासा का सैटेलाइट निष्कर्ष भी बताता है कि भारत में हरित कवर में वृद्धि का कारण गहन खेती (इन्टेन्सिव एग्रीकल्चर) भी है। वनों की कटाई, बढ़ती जनसंख्या, खेती के क्षेत्र में लगातार वृद्धि के बावजूद वन क्षेत्र में बढ़ोतरी से आश्चर्य होता है पर एफएसआई सेटेलाईट के जरिए ग्रीन कवर (हरियाली वाली भूमि) को भी जंगल के तौर पर शिनाख्त किया जाता है जिससे यह परिवर्तन दिखाई दे रहा है। वनों की कटाई के कारण पेड़ों की संख्या घट रही है और भूमि का क्षरण बढ़ रहा है। पेड़ कटाई के कड़े नियमों और काटे गये पेड़ों के बदले वृक्षारोपण से इस समस्या पर कुछ हद तक काबू पाया जा सकता है किन्तु वनों की कटाई के कारण जो नुकसान होता है उसकी भरपाई नहीं होती है क्योंकि जंगल की पहचान ही बदल जाती है और उसका प्राकृतिक रूप फिर से प्राप्त नहीं किया जा सकता। वनीकरण की मुहिम एकपक्षीय और पारिस्थितिकी तंत्र के प्रति सवंदेनशील नहीं होती है। दोबारा वृक्षारोपण के नाम पर जो होता है उसे मोनोकल्चर पौधारोपण कहना उचित होगा। यह पौधारोपण वन की जैव विविधता को छिनन्-भिनन् कर चुका होता है और उजड़ा जंगल अपने पुराने रूप में कभी लौट नहीं पाता।

गोल्ड : मेहनतकशों के बेटे बेटियां जिन्दाबाद

शकील अख्तर

अभी कुश्ती में और भाला फेंक में मैडल जीतने वाले सब लड़के किसान परिवारों के हैं। बजरंग पुनिया ने तो हरियाणा सरकार द्वारा किसानों को रोकने के लिए सड़कें खुदवाने और अवरोधक लगाने का विरोध करते हुए कहा भी था कि किसानों को मत रोको। उसकी बात सुनो। बॉक्सिंग, वेट लिफ्टिंग में जीतने वाली लड़कियां पहाड़ों की कठिन जिन्दगी से हैं। सब मेहनतकश परिवारों के। किसी पूंजीपति के बच्चे इनमें नहीं हैं। शोषकों में से कोई खेल की ऊंचाइयां नहीं छू सकता।

सबसे पहले तो किसानों के बेटे जिन्दाबाद! एथलेटिक्स में भारत को नीरज चोपड़ा ने पहला और वह भी सीधे सोने का पदक दिलाया। किसान पिता की फसल सोना बन गई। बजरंगी पुनिया और रवि दहिया भी मेहनतकश किसानों के बेटे हैं। बाक्सिंग और वेट लिफ्टिंग में मैडल दिलाने वाली लड़कियां भी मेहनती परिवारों से हैं। पुरुष और महिला दोनों हॉकी टीमों के अधिकांश खिलाड़ी भी इसी बैक ग्राउन्ड के हैं। इन सबकी मेहनत को सलाम।शायद यह सही समय है देश में एक नई खेल नीति को बनाने और गांव तथा गलियों से खिलाड़ियों को खोजने का। उम्मीद है खुशी के इस नायाब मौके पर किसी दूसरे की लकीर छोटी करने की कोशिश नहीं की जाएगी और खेल एवं खिलाड़ी पर ही फोकस किया जाएगा। देश में 13 साल बाद गोल्ड आया है और मोदी सरकार के लिए भी ये खेलों के विकास के लिए एक गोल्डन मौका है। सरकार क्या करेगी यह देखना होगा। अभी तो बस यही कह सकते हैं कि जैसा खेल रतन् पुरस्कार का नाम बदला वैसा कुछ गिमिक्स (बाजीगिरी) अब सरकार नहीं करेगी! राजीव गांधी का नाम हटाने के बाद गोल्ड जीतने को जिस तरह उससे जोड़ा जा रहा है यह नीरज की मेहनत और प्रतिभा का अपमान है। भक्तों को खुश करने के लिए अंधविश्वास को बढ़ावा नहीं दिया जाना चाहिए। खैर, भारत रतन् देने के बदले नाम बदल दिया। ठीक है। मगर ध्यानचंद का सम्मान और हॉकी के लिए करने को अभी बहुत कुछ है। ध्यानचंद के शहर झांसी में उनके नाम पर एक हॉकी अकादमी बनाना स्थायी महत्व का काम हो सकता है। जैसे बाल को स्टिक से चिपका कर ध्यानचंद विपक्षी गोल तक चार-चार, पांच-पांच, खिलाड़ियों को डाज देते हुए चले जाते थे वैसे ही उनके बेटे अशोक कुमार भी डिब्रलिंग करते थे। और झांसी में गली-गली में बच्चे हॉकीनुमा लकड़ी से खस्ताहाल गेंद या किसी भी लुढ़कने वाली चीज से ऐसी ही जादू भरी कलाकारी करते रहते हैं। मेजर ध्यानचंद और कैप्टन रूप सिंह की झांसी कभी हॉकी की नर्सरी थी। वहां हॉकी के लिए सबसे ज्यादा काम रेलवे ने किया। हर अच्छे खिलाड़ी को नौकरी दी। मगर अब रेल्वे और दूसरे विभागों का जिस तरह निजीकरण किया जा रहा है उसके बाद खिलाड़ियों के लिए नौकरी एक बड़ी समस्या बन जाएगी। पब्लिक सेक्टर में स्टेट और नेशनल खेले खिलाड़ियों को भी एडजस्ट कर लिया जाता था। मगर वे भी सब अब निजी हाथों में जा रहे हैं। इसके लिए किसी नीति की घोषणा होती और उसका नाम मेजर ध्यानचंद खिलाड़ी रोजगार योजना या कुछ और रखा जाता था तो खेलों में अनिश्चित भविष्य से डरे हुए मां-बाप में बच्चों को खिलाने का हौसला बढ़ता।खेलों में एक नारा है कि कैच देम यंग! 7- 8 साल की उम्र में लड़कों को 5- 6 साल की उम्र में लड़कियों को पकड़ना होता है। तराशने का काम उसी उम्र से शुरू होता है। उसके लिए स्पोर्ट्स स्कूल जरूरी हैं। जो हर खेल की नर्सरी जैसे हॉकी के लिए झांसी, भोपाल, जालंधर, कुश्ती के लिए हरियाणा में कम से कम तीन कुश्ती स्कूल, लड़कियों की बॉक्सिंग और वेट लिफ्टिंग के लिए नार्थ ईस्ट में कई स्कूल खोले जाना चाहिए। ये वर्तमान स्टेबलिशमेंट के अतिरिक्त होना चाहिए। ऐसे ही कोचों के लिए भी पटियाला से ज्यादा उनन्त प्रशिक्षण सेंटर होने चाहिए। विदेशी कोच क्लब, जिला या राज्य स्तर पर नहीं रखे जा सकते। वे बहुत महंगे होते हैं। अपने कोच बड़ी तादाद में तैयार करना होंगे। अच्छे और किसी भी आधार पर भेदभाव न करने वाले कोचों का हमारे यहां बहुत अभाव है। गरीब का, किसान का, दलित, पिछड़े का बच्चा कोच के प्रोत्साहन से बढ़ता है और उसकी टेड़ी निगाहों से मुरझा जाता है। विदेशी कोच भेदभाव नहीं करते।

क्या आपने कभी पार्क में मैदान में या गलियों में लड़कियों को खेलते देखा है? 5- 6 साल से लेकर टीन एज आने तक लड़कियां किसी भी खेल में लड़कों से कम दम के साथ खेलती नहीं दिखेंगी। स्किल वाले खेलों में तो अपने हमउम्र या दो-तीन साल बड़े लड़कों से भी बेहतर। कई लड़कियां बाद में भी प्रैक्टिस के लिए लड़कों के साथ खेलती हैं और बहुत बेहतर परफार्म करती हैं। मगर हमारे यहां जो सामाजिक स्थितयां हैं वे कितनी भयानक हैं इसका एक नया रूप अभी हम सबने देखा। महिला हॉकी में हेट्रिक लगाने वाली लड़की वंदना कटिहार के घर जाकर उसके परिवार को गालियां दी गईं। कपड़े उतार कर नाचा गया। क्यों? थैंक्स टू द आईटी सेल के फारवर्ड व्हट्स एप मैसेज और जहरीला मीडिया। नफरत और विभाजन का ऐसा माहौल बना दिया है कि भक्त लोग कुछ भी कर सकते हैं। वंदना के यहां आतंक फैलाने वाले खुलेआम कह रहे थे कि दलित टीम में क्यों हैं? इनकी वजह से ही हम हारे। ऐसा अपमान! ऐसे घटिया आरोप! लेकिन क्या किसी ने इसके खिलाफ आवाज उठाई? प्रधानमंत्री, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री, खेलमंत्री ने निंदा की? रोहित वेमूला होस्टल से डॉ. आम्बेडकर का बड़ा चित्र हाथ में लेकर निकला था। ऐसे ही जातिगत अपमान के विष बुझे तीरों से जख्मी नहीं सह सका। आत्महत्या कर ली। क्या हुआ? संसद में उस दिन जिसने तत्कालीन मानव संसाधन विकास मंत्री स्मृति ईरानी के उत्तेजित तेवर देखे होंगे उन्हें याद होगा कि किस तरह इस दर्दनाक घटना के लिए वेमुला और उसके परिवार को ही दोषी ठहराया गया था। श्रीमती ईरानी आरोप उन लोगों पर लगा रहीं थी जो जांच की मांग कर रहे थे। ये उल्टा चोर कोतवाल को डांटे से बहुत आगे की बात है। एकलव्य के उदाहरण को याद दिलाने की कोशिश है।

ओलंपिक में खेले जाने वाले खेलों में कौन खेलता है? मेहनतकश परिवारों के बच्चे। ये दम-खम वाले खेल हैं। जहां सुविधाएं कम, भविष्य अनिश्चित मगर मेहनत भरपूर है। अब दलित और ओबीसी बच्चे जब इन खेलों में ज्यादा आने लगे तो हॉकी में परिवर्तन की एक झलक सबने देखी। गर्व करने में तो सबको मजा आ रहा है। मगर इन परिवारों को मिलने वाली गालियों से कितने लोग आहत हुए? वंदना जब हरिद्वार में अपने घर जाएगी तो क्या भावनाएं होंगी? मेरी वजह से परिवार को गालियां खाना पड़ीं। मगर मैं तो अच्छा खेली थी। चार गोल किए। फिर हमें गालियां क्यों दी गई? है कोई है जो इसका जवाब देने हरिद्वार उसके घर जाए। गले लगाकर बोले कि गलती आपकी नहीं हमारी है। हमारे जहरीले सोच की है। दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दिलाई जाएगी। एक मिसाल कायम की जाएगी कि देश में कोई ऐसा बोलने की हिम्मत नहीं करे। हालांकि यह पहली घटना नहीं है। पहले भी इसी तरह हार के लिए या पेनल्टी स्ट्रोक चुकने के लिए खिलाड़ी के पूरे समुदाय को निशाने पर लेने की कोशिश की जाती थी। मगर उस समय नफरतें ऐसी नहीं थीं। इसलिए नफरतियों का विरोध भी होता था। अभी तो खेलों में दलित ओबीसी के आने की शुरूआत हुई है। जैसे-जैसे इन बच्चों की तादाद बढ़ेगी विरोध बढ़ेगा क्योंकि इन बच्चों की प्रतिभा और मेहनत कथित मेरिट सिद्धांत की कलई खोल देता है। नौकरियों और उच्च शिक्षा में कहा जाता है कि आरक्षण मेरिट को मार रहा है।लेकिन खेलों में आमतौर पर मैरिट ही है। आमतौर पर इसलिए कहा कि यहां भी सिफारिश और तिकड़में बहुत चलती हैं। और इस मामले में कमजोर पृष्ठभूमि से आए बच्चे हमेशा नुकसान उठाते हैं। विनोद कांबली का उदाहरण सबके सामने है। सचिन से बहुत बेहतर रिकार्ड के बावजूद वह गुमनामी में खो गया। और सचिन भारत रतन् के साथ राज्यसभा में स्थान भी पा गया। कांग्रेस के बाद अब भाजपा सरकार की भी गुड लिस्ट में है और अभी कुछ और भी पा सकता है। जिन परिवारों, समुदायों की खेल पृष्ठभूमि नहीं होती उनके लिए यहां भी बहुत मुश्किलें हैं। संयोग से किसी को कोई अच्छा कोच मिल जाए तो बात दूसरी है। नहीं तो द्रोणाचार्य ठीक मौके पर एकलव्य का अंगूठा लेकर अर्जुन को आगे बढ़ा देते हैं। मगर ओलम्पिक में तो सिर्फ और सिर्फ खेल ही चलता है इसलिए इतने सालों से हम चंद पदकों से ही खुश हो जाते हैं। प्रतिभा की हमारे यहां कमी नहीं है। मगर उसे ढूंढना गांवों में, गलियों में पड़ेगा। अभी कुश्ती में और भाला फेंक में मैडल जीतने वाले सब लड़के किसान परिवारों के हैं। बजरंग पुनिया ने तो हरियाणा सरकार द्वारा किसानों को रोकने के लिए सड़कें खुदवाने और अवरोधक लगाने का विरोध करते हुए कहा भी था कि किसानों को मत रोको। उसकी बात सुनो। बॉक्सिंग, वेट लिफ्टिंग में जीतने वाली लड़कियां पहाड़ों की कठिन जिन्दगी से हैं। सब मेहनतकश परिवारों के। किसी पूंजीपति के बच्चे इनमें नहीं हैं। शोषकों में से कोई खेल की ऊंचाइयां नहीं छू सकता।

अशिवनी उपाध्याय की गिरफ़्तारी

ब्रजकिशोर सिंह

मित्रों, क्या आपने कभी देश की स्थिति के बारे में सोंचा है? क्या देश की दुरावस्था को देखकर कभी किसी रात आपकी नींद गायब हुई है? क्या आपके मन में कभी अंग्रेजी राज को देश से मिटा देने की ईच्छा आई है? आपने एकदम सही समझा है मैं गोरे अंग्रेजों की बात नहीं कर रहा बल्कि काले अंग्रेजों की बात कर रहा हूँ. मित्रों, मैं एक ऐसे व्यक्ति को जानता हूँ जिसे देश में छाई अराजकता के कारण सचमुच रातों में नींद नहीं आती. मैं एक ऐसे व्यक्ति को जानता हूँ जिसने देश की समस्त बिमारियों का ईलाज ढूंढ निकाला है. मैला आंचल के डागदर बाबू ने तो सबसे बड़ी बीमारी की खोज की थी इस व्यक्ति ने उस बीमारी अर्थात गरीबी का ईलाज भी निकाल लिया है. और उस आदमी को जिसे हम पीआईएल मैन के नाम से भी जानते हैं का नाम है अश्विनी उपाध्याय। मित्रों, यह आदमी सर्वोच्च न्यायालय का वरिष्ठ अधिवक्ता है. इस आदमी ने जंतर मंतर और देश भर में अंग्रेजी राज से चले आ रहे कानूनों को समाप्त करने की मांग करते हुए पिछले 8 अगस्त को जुलूस निकाला था. जंतर मंतर के जुलूस में कुछेक लुम्पेन यानि लम्पट लोग भी घुस आए या घुसा दिए गए और मुसलमानों के खिलाफ आपत्तिजनक नारे लगा दिए. अब मुसलमान तो ठहरे होली काऊ पवित्र गाय सो अश्विनी उपाध्याय जी को उस अपराध के लिए आनन-फानन में उन्हीं कानूनों के अंतर्गत जेल भेज दिया गया जिनको समाप्त करने की उन्होंने मांग की थी. इस देश की राजधानी में मौलाना शाद और अमानतुल्ला खान को 56 ईंच की दाढ़ीवाले बाबा की पुलिस पकड़ना तो दूर छू भी नहीं पाती लेकिन अपनी ही पार्टी के एक निदोष और देशभक्त नेता को झटपट पकड़ लेती है. वाह री सरकार। मित्रों, पकडे भी क्यों न? ऐसा करके सरकार ने एक तीर से दो शिकार जो किए हैं. मुसलमानों को बता दिया कि हम भी नमाजवादियों की तरह ही तुष्टीकरण की नीति पर चलने को तैयार हैं और अपने गले में अटकी हुई हड्डी को निगल भी गई। मित्रों, ऐसा नहीं है कि अश्विनी जी को यह पता नहीं था कि उनकी पार्टी और उनकी पार्टी की संघ सरकार किसी भी तरह के कानूनी, प्रशासनिक या न्यायिक सुधार के खिलाफ है अर्थात यथास्थितिवादी है. फिर भी अश्विनी उपाध्याय जी ने हिम्मत नहीं हारी. ऐसा भी नहीं है कि अश्विनी जी अचानक सड़क पर उतर गए. बल्कि जब उन्होंने देखा कि उनकी पार्टी की सरकार ही उनकी देशहित के लिए नितांत आवश्यक मांगों पर भी कान नहीं दे रही है तब वे सड़क पर उतरे. अश्विनी जी बार-बार जनसंख्या-नियंत्रण कानून की मांग करते रहे. एक बार प्रधानमंत्री के समक्ष कानून के ड्राफ़्ट को प्रदर्शित भी किया लेकिन हुआ कुछ भी नहीं. यहाँ तक कि सर्वोच्च न्यायालय भी गए लेकिन वहां भी सरकार ने कह दिया कि वह ऐसे किसी कानून के समर्थन में नहीं है. इसी तरह अश्विनी जी सर्वोच्च न्यायालय में अकेले लम्बे समय से हिन्दू अल्पसंख्यकों की लडाई लड़ते आ रहे हैं।

मेंस हॉकी कप्तानी मनप्रीत ने कहा, पीएम मोदी की बातों ने ब्रॉन्ज मेडल मुकाबले से पहले पूरी टीम में जोश भर दी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय हॉकी टीम के कप्तान मनप्रीत सिंह ने मंगलवार को कहा कि ओलंपिक सेमीफाइनल में बेल्जियम से हार के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उत्साहवर्धक बातों का अद्भुत असर हुआ जिसने खिलाडि.यों में सकारात्मक ऊर्जा पैदा की और टीम 41 साल बाद इन खेलों में पदक जीतने में सफल रही। विश्व चैंपियन और ओलंपिक गोल्ड मेडलिस्ट बेल्जियम से 2.5 से हारने के बाद मोदी ने मनप्रीत और मुख्य कोच ग्राहम रीड से बातचीत की और उन्हें सांत्वना दीए जिससे पूरी टीम प्रेरित हुई। मनप्रीत ने कहा कि प्रोत्साहन के उन शब्दों ने अद्भुत तरीके से काम किया।

मनप्रीत ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहाए श् सेमीफाइनल हारने के बाद हम सभी बहुत निराश थे। तभी कोच ने आकर कहा कि प्रधानमंत्री आप लोगों से बात करना चाहते हैं और जब उन्होंने बात कीए तो उन्होंने कहाए श्आप सभी ने अच्छा खेला और निराश न होंए बस अपने खेल और अगले मैच पर ध्यान देंए देश को आप सभी पर गर्व है।

ज्वालव वसलउचपबेरू पीएम की दावत के बाद राष्ट्रपति कोविंद भी भारतीय ओलंपिक दल के साथ चाय पर करेंगे चर्चाभारतीय कप्तान ने कहाए श् इससे हमें सकारात्मक ऊर्जा मिली और फिर हमने खिलाडि.यों की बैठक की। हमने कहा कि हमें एक और मौका मिला है और अगर हम खाली हाथ लौटते हैं तो हमें जीवन भर यही पछतावा रहेगा। हमने अपने आप से कहा कि हमारे हाथ में 60 मिनट हैं और अगर हम इन 60 मिनटों में अपना सर्वश्रेष्ठ दें तो हम अपने चेहरे पर मुस्कान के साथ देश लौट सकते हैं। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने ओलंपिक में 41 साल के अंतराल के बाद हाल ही कांस्य पदक जीतकर इतिहास रचा है। भारत ने ओलंपिक में आठ स्वर्ण पदक जीते हैं। उसने आखिरी पदक 1980 के मास्को खेलों ;स्वर्णद्ध में जीता था। मनप्रीत ने

कहाए श् बहुत अच्छा लग रहा है। यह मेरा तीसरा ओलंपिक था और इस बार मैं टीम का कप्तान था। मेरा पहला ओलंपिक 2012 में काफी निराशाजनक रहा था क्योंकि हमने कोई मैच नहीं जीता था। लेकिन फिर हमने सुधार किया और एशियाई खेलों और राष्ट्रमंडल खेलों में पदक जीते। हमने 2016 में अच्छा खेला लेकिन क्वार्टर फाइनल की बाधा को पार नहीं कर सके।

मनप्रीत ने कहाए श् इस बार हमारी मानसिकता अलग थी क्योंकि हमने काफी मेहनत की थी। हमने बेंगलुरु में एक साथ समय बिताया था। परिसर के अंदर आइसोलेशन में थे। हम सभी दूसरों से अलग थे। इसलिए ओलंपिक में जाने से पहले हमारा विचार था कि हमने बहुत त्याग किया है और अगर हम अपना सर्वश्रेष्ठ देंगे तो हम निश्चित रूप से पदक जीत सकते हैं। यह एक युवा टीम थी और इसलिए मानसिकता काफी मजबूत थी। अनुभवी खिलाडि.यों के रूप में हमने युवाओं से अपना अनुभव साझा किया। हमारी मानसिकता थी कि हमें किसी भी टीम को कम नहीं आंकना चाहिए क्योंकि यह ओलंपिक है और सभी टीमें उस मंच पर अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करती हैं। हमने हर मैच में अपना बेस्ट दिया और एक बार में एक मैच पर ध्यान दे रहे थे।

मनप्रीत ने कहा कि बेंगलुरु में आइसोलेशन में रहने के दौरान सभी खिलाडि.यों ने देश के पिछले हॉकी ओलंपियन और उनकी यात्रा के बारे में बहुत कुछ पढ़ाए जिसने उनके लिए प्रेरणा का काम किया। उन्होंने कहाए श् महामारी सभी के लिए एक अभिशाप थी। लेकिन यह हमारे लिए एक तरह से अच्छा था क्योंकि लॉकडाउन के दौरानए हमने देश के सभी ओलंपियन और उनकी यात्रा के बारे में पढ़ा। उन्होंने खुद को कैसे तैयार कियाए उन्हें किन समस्याओं का सामना करना पड़ा। इससे एक मजबूत टीम बनाने में मदद मिली। ऑस्ट्रेलिया से 1.7 के बड़े अंतर से मैच गंवाने के बाद टीम की मानसिकता के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहाए श्जब हम 1.7 से हारे तो ड्रेसिंग रूम में सभी ने कहा कि 1.7 बड़ा अंतर है। लेकिन जब हमने खेल विश्लेषण किया तो पता चला कि हमने उस मैच में भी अच्छा खेला था। मैंने सभी से कहा कि हमें बस विश्वास होना चाहिए कि हम किसी भी टीम को हरा सकते हैं और हमने पहले भी ऐसा किया है। सबने कहा कि हमने बहुत त्याग किया और हमें मौका हाथ से जाने नहीं

पेरिस सेंट जर्मेन से जुड़े लियोनल मेसी, नेमार से कम मिलेगी सैलरी

पेरिस (एजेंसी)। अपने करियर के शुरू से लेकर अब तक बार्सिलोना की तरफ से खेलने वाले लियोनल मेसी मंगलवार को अपने नये क्लब पेरिस सेंट जर्मेन ;पीएसजीद्ध से जुड़ गए हैंए जहां उन्हें अपने दोस्त और स्टार स्ट्राइकर नेमार से कम सैलरी मिलेगी। अर्जेंटीना के 34 वर्षीय फॉरवर्ड मेसी ने मंगलवार को पीएसजी के साथ दो साल का करार किया। इसमें तीसरे साल का ऑप्शन भी रखा गया है। पीएसजी शनिवार को स्ट्रासबोर्ग के खिलाफ मैच से पहले पार्क डेस प्रिंसेस स्टेडियम में 50 हजार दर्शकों के सामने मेसी का परिचय कराएगा। मेसी ने रविवार को बार्सिलोना से इमोशनल विदाई ली थी। उनकी कुल सैलरी 35 मिलियन यूरो ;लगभग तीन अरब रुपयेद्ध होगा जो नेमार ;37 मिलियन यूरो यानि लगभग तीन अरब 22 करोड़ रुपयेद्ध से कम है।मेसी के आने से पीएसजी के पास अब दुनिया का सबसे मजबूत आक्रमण हो गया है। उसके आक्रमण में अब मेसीए नेमारए अर्जेंटीना के एंजेल डि मारिया और फ्रांस के स्टार स्ट्राइकर काइलन एमबापे शामिल हैं।

सिनसिनाटी ओपन से स्टार खिलाड़ियों के हटने का दौर जारा, अब सेरेना विलियम्स और सोफिया केनिन भी बाहर

सिनसिनाटी (एजेंसी)। अमेरिका की दिग्गज टेनिस खिलाड़ी सेरेना विलियम्स उनकी बड़ी बहन वीनस विलियम्स और सोफिया केनिन मंगलवार को सिनसिनाटी ओपन ;वेस्टर्न एंड सदर्न ओपनद्ध टेनिस टूर्नामेंट से हट गईं। सेरेना और केनिन चोटिल हैंए लेकिन वीनस विलियम्स के हटने के कारणों का खुलासा नहीं किया गया है। सेरेना ने दाएं पांव में चोट के कारण 29 जून को विम्बलडन में अपने पहले दौर के मैच से हटने के बाद कोई मैच नहीं खेला है। केनिन ने कहा कि उनका पांव चोटिल हैए लेकिन उनके इस महीने के आखिर में शुरू होने वाले यूएस ओपन तक फिट होने की संभावना है। इससे पहले मेंस कैटेगरी में रोजर फेडरर और नोवाक जोकोविच ने शनिवार से शुरू होने वाले इस टूर्नामेंट से हटने

का फैसला किया था। इसके साथ ही अब जोकोविच सीधे यूएस ओपन के दौरान ही कोर्ट पर दिखेंगेए जहां वह करियर ग्रैंडस्लैम पूरा करने की कोशिश करेंगे। इस साल ग्रैंडस्लैम में जोकोविच का रिकार्ड 21.0 का है।

उन्होंने फरवरी में हार्ड कोर्ट पर ऑस्ट्रेलियाई ओपनए जून में क्ले कोर्ट पर फ्रेंच ओपन और जुलाई में ग्रास कोर्ट पर विंबलडन का खिताब जीता था। रॉड लीवर के 1969 में एक साल में चारों ग्रैंडस्लैम जीतने के बाद कोई भी पुरुष खिलाड़ी एक साल में पहले तीन ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट नहीं जीत पाया था और जोकोविच के पास तो अब लीवर के रिकॉर्ड की बराबरी करने का मौका है।

पीएम की दावत के बाद राष्ट्रपति कोविंद भी भारतीय ओलंपिक दल के साथ चाय पर करेंगे चर्चा

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद शनिवार को राष्ट्रपति भवन के सांस्कृतिक केंद्र में टोक्यो ओलंपिक 2020 में ऐतिहासिक प्रदर्शन करने वाले भारतीय ओलंपिक दल की चाय पर मेजबानी करेंगे। राष्ट्रपति भवन ने मंगलवार को आधिकारिक बयान जारी करके यह जानकारी दी। टोक्यो से लौटने के बाद भारतीय खिलाडि.यों का दिल्ली के अशोका होटल में सम्मानित किया गया। इस मौके पर खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने इन जाबांज प्लेयर्स की जमकर तारीफ की। नीरज चोपड़ाए बजरंग पूनिया समेत भारत का ओलंपिक दल सोमवार को ही टोक्यो से स्वेदश लौटा है और एयरपोर्ट पर सभी खिलाडि.यों का जोरदार स्वागत हुआ और फैन्स ने भारत माता की जय के नारे लगाए। भारत के लिए टोक्यो ओलंपिक काफी

यादगार रहा और देश ने पहली बार 7 मेडल जीते।

हाल में संपनन्तोक्यो ओलंपिक में अपना अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए भारत ने एक स्वर्ण पदक सहित सात पदक जीते। राष्ट्रपति भवन द्वारा जारी बयान के अनुसारए श् भारत के राष्ट्रपति 14 अगस्त 2021 को राष्ट्रपति भवन के सांस्कृतिक केंद्र में चाय पर टोक्यो ओलंपिक 2020 में हिस्सा लेने वाले भारतीय दल की मेजबानी करेंगे।

नीरज चोपड़ा की गोल्ड मेडल जीत को विश्व एथलेटिक्स ने किया सलाम, टोक्यो ओलंपिक के 10 जादुई लम्हों में किया शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के स्टार जैवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा की ओलंपिक खेलों में गोल्ड मेडल जीतने की एतिहासिक उपलब्धि को वर्ल्ड एथलेटिक्स ने टोक्यो में ट्रैक एवं फील्ड के 10 जादुई पलों में शामिल किया है। 23 साल के चोपड़ा ने शनिवार को 87ण58 मीटर भाला फेंककर देश को एथलेटिक्स में पहला ओलंपिक पदक दिलाया था। वह ओलंपिक खेलों में इंडिविजुअल इवेंट में गोल्ड मेडल जीतने वाले केवल दूसरे भारतीय खिलाड़ी हैं। वर्ल्ड एथलेटिक्स की वेबसाइट के अनुसारए श्इस खेल को बेहद करीब से जानने वाले ही ओलंपिक खेलों से पहले नीरज चोपड़ा के बारे में जानते थे लेकिन टोक्यो में भाला फेंक की जीत

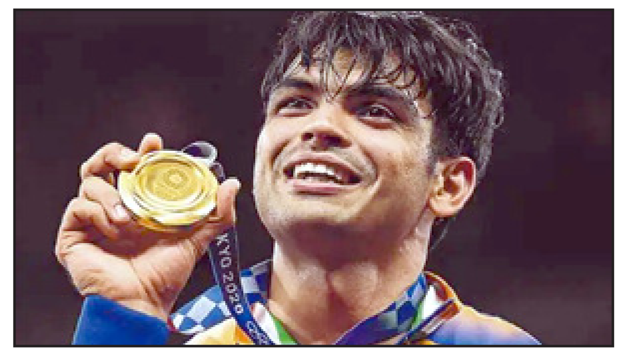

तथा ओलंपिक इतिहास में भारत का एथलेटिक्स में पहला गोल्ड मेडल विजेता बनने के बाद चोपड़ा का नाम हर किसी की जुबान पर चढ़ गया। वर्ल्ड एथलेटिक्स ने कहा कि ओलंपिक से पहले चोपड़ा के इंस्टाग्राम पर 143ए000 फालोअर्स थे लेकिन अब उनके 32 लाख फालोअर्स हो गए हैं।

इससे वह वर्ल्ड में ट्रैक एवं फील्ड के ऐसे एथलीट बन गये हैं जिनके सबसे अधिक फालोअर्स हैं। जिमनस्ट की दिग्गज नादिया कोमानेची उन पूर्व दिग्गज खिलाडि.यों में शामिल हैं जिन्होंने ट्विटर पर चोपड़ा को बधाई दी।

सूर्यवंशम मूवी देखा रो देते थे, 'हिटमैन' रोहित शर्मा, डीके ने सुनाया मजेदार किस्सा

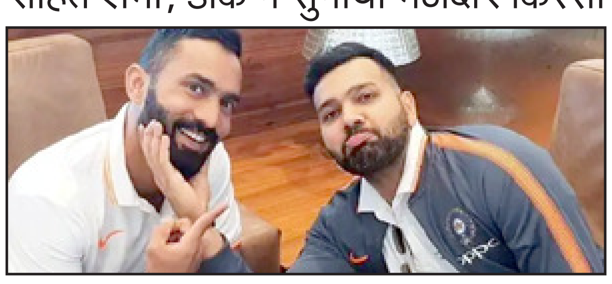

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम इंग्लैंड के दौरे पर है। पहला टेस्ट बारिश की वजह से ड्रॉ होने के बाद दोनों टीमें क्रिकेट के मक्का लॉर्ड्स पहुंच चुके हैं। लॉर्ड्स टेस्ट से पहले कोलकाता नाइट राइडर्स के विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक ने स्काई स्पोर्ट्स के लिए रोहित शर्मा का इंटरव्यू लिया है। पूरा इंटरव्यू दूसरे टेस्ट के पहले दिन प्रसारित होगा। इससे पहले दिनेश कार्तिक ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो साझा किया है, जिसमें रोहित और कार्तिक इंटरव्यू के दौरान हल्के मूड में नजर आ रहे हैं। दिनेश ने वीडियो में बताया है कि रोहित शर्मा अपनी शादी से पहले काफी अलग इंसान थे। कार्तिक ने बताया कि कैसे रोहित अपनी पतनी रितिका सजदेह से शादी करने से पहले 'सूर्यवंशम' देखकर रोने लगते थे। इस वीडियो के अलावा कार्तिक ने रोहित शर्मा के साथ कुछ फोटो भी शेयर किया है। इसके साथ कार्तिक ने लिखा है, 'साथ खेलने से लेकर इंटरव्यू लेना और इंटरव्यू देना, हम काफी दूर आ गए शैम! आपकी सारी सेक्रेट बातें शेयर करने के लिए सॉरी। रोहित और कार्तिक के बीच अच्छी जुगलबंदी है।

अनुशासनहीनता के लिए डब्लूएफआई ने विनेश को किया सस्पेंड, सोनम को कारण बताओ नोटिस जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय कुश्ती महासंघ ;डब्लूयूएफआईद्ध ने टोक्यो ओलंपिक खेलों में अभियान के दौरान अनुशासनहीनता के लिए स्टार पहलवान विनेश फोगाट को श्अस्थाई रूपश् से सस्पेंड कर दिया है और साथ ही दुर्व्यवहार के लिए युवा सोनम मलिक को कारण नोटिस जारी किया है। टोक्यो खेलों के क्वार्टर फाइनल में हारकर बाहर हुईं विनेश को नोटिस का जवाब देने के लिए 16 अगस्त तक का समय दिया गया है। इसमें अनुशासनहीनता के तीन आरोप लगाए गए हैं। कोच वोलेर एकोस के साथ हंगरी में ट्रेनिंग कर रही विनेश वहां से सीधे टोक्यो पहुंची थींए जहां उन्होंने खेल गांव में रहने और भारतीय टीम के अन्य सदस्यों के साथ

ट्रेनिंग करने से इनकार कर दिया था। साथ ही उन्होंने भारतीय दल के आधिकारिक प्रायोजक शिव नरेश की पोशाक पहनने से इनकार करते हुए अपने मुकाबलों के दौरान नाइकी की पोशाक पहनी थी।डब्लूयूएफआई सूत्र ने एक समाचार एजेंसी ' से कहा यह अनुशासनहीनता है। उन्हें अस्थाई रूप से सस्पेंड किया गया है और कुश्ती से जुड़ी सभी गतिविधियों से बैन किया गया है। जवाब नहीं देने तक वह किसी राष्ट्रीय या अन्य घरेलू प्रतियोगिता में प्रतिस्पर्धा पेश नहीं कर पाएगी और डब्लूयूएफआई अंतिम फैसला करेगा। डब्लूयूएफआई को आईओए ने फटकार लगाई है कि वे अपने खिलाडि.यों को नियंत्रित क्यों नहीं कर पाते। आईओए से संदर्भ में डब्लूयूएफआई को नोटिस जारी कर रहा है। भारतीय टीम की उनकी साथियों सोनमए अंशु मलिक और सीमा बिस्ला के करीब कमरा आवंटित किया गया तो उन्होंने हंगामा कर दिया और कहा कि वह कोरोना वायरस से संक्रमित हो सकती है क्योंकि ये पहलवान भारत से टोक्यो आई हैं। अधिकारी ने कहाए श् उन्होंने किसी भारतीय पहलवान के साथ ट्रेनिंग नहीं की। ऐसा लगा कि वह हंगरी की टीम के साथ आई है और भारतीय दल के साथ उसका कोई लेना देना नहीं है। एक दिन उनकी ट्रेनिंग का समय भारतीय लड़कियों के समय से टकरा रहा था और उन्होंने उनके साथ एक ही जगह ट्रेनिंग नहीं करने का फैसला किया।श्

अधिकारी ने कहाए श् यह स्वीकार्य नहीं है। सीनियर पहलवानों से इस तरह के बर्ताव की उम्मीद नहीं की जाती। विनेश को खेलों में स्वर्ण पदक का दावेदार माना जा रहा थाए लेकिन बेलारूस की वेनेसा ने उन्हें चित्त कर दिया।19 साल की सोनम को दुर्व्यवहार के लिए नोटिस जारी किया गया है। अधिकारी ने कहाए श् इन बच्चों को लगता है कि वे स्टार पहलवान बन गए हैं और कुछ भी कर सकते हैं। टोक्यो रवाना होने से पहले सोनम या उनके परिवार को डब्लूयूएफआई कार्यालय से पासपोर्ट लेना था। लेकिन उसने साइ अधिकारियों को उनके लिए पासपोर्ट लाने का आदेश दिया। यह स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने कुछ भी हासिल नहीं किया है और वे जो कर रहे हैं वे स्वीकार्य नहीं है।

मोहम्मद सिराज के साथ झड़प पर बोले जॉनी बेयरस्टो

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और इंग्लैंड के बीच नॉटिंघम में खेला गया पहला टेस्ट ड्रॉ पर छूटा था। बारिश ने मैच को प्रभावित किया। पहले टेस्ट मैच के दौरान दूसरी पारी में जॉनी बेयरस्टो के आउट होने के बाद सिराज के जशन्मनाने का वीडियो काफी चर्चाओं में रहा था। सिराज ने मुंह पर उंगली रखकर बेयरस्टो को पवेलियन की तरफ विदा किया। सिराज ने इस टेस्ट मैच में तीन विकेट लिए। सिराज की आक्रामकता ने हर किसी का ध्यान खींचा। जॉनी बेयरस्टो ने इस बारे में अपनी प्रतिक्रिया दी। जॉनी बेयरस्टो ने इस घटना पर कहा,' मोहमम्द सिराज ने मुझसे बीच में कुछ नहीं कहा। वहां कुछ नहीं हुआ था। उसने मुझसे कुछ नहीं कहा। मैंने भी उससे कुछ नहीं कहा। मुझे नहीं पता कि ये वास्तव में कहां से आया।

विराट कोहली ने बताया, शार्दुल ठाकुर की जगह कैसे खिलाड़ी को करेंगे टीम में शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट से पहले विराट कोहली ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इंग्लैंड के हालात में प्लेइंग इलेवन को शार्दुल ठाकुर संतुलन प्रदान करते हैं लेकिन भारतीय कप्तान विराट कोहली ने बुधवार को संकेत दिया कि मुंबई के इस तेज गेंदबाज के विकल्प पर फैसला करते हुए टीम मैनेजमेंट बल्लेबाजी क्षमता को नहीं देखकर ऐसे खिलाड़ी पर ध्यान देगा जो 20 विकेट चटकाने में मदद कर सके। कोहली के इस बयान को अनुभवी स्पिनर रविचंद्रन अश्विन के लिए अनुकूल और प्रतिकूल दोनों माना जा सकता है। पहले टेस्ट में अश्विन पर ठाकुर को तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर के रूप में तरजीह दी गई थी।

कोहली के बयान का मतलब यह भी हो सकता है कि उन्हें अश्विन की विकेट चटकाने की क्षमता पर भरोसा है और यह भी हो सकता है कि इशांत शर्मा और उमेश यादव अश्विन द्वारा बनाए कुछ रनों की तुलना में गेंदबाजी आक्रमण को अधिक मजबूती देंगे। बाएं पैर की मांसपेशियों में खिंचाव के कारण ठाकुर के दूसरे टेस्ट से बाहर होने की जानकारी देते हुए कोहली ने मैच पूर्व प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'अच्छी चीज यह है कि जडेजा पहले टेस्ट में रन बना चुका है और वह दूसरे मैच में अधिक आत्मविश्वास के साथ उतरेगा, हमारी बल्लेबाजी में पहले ही गहराई है और निचला क्रम भी बल्ले से योगदान दे रहा है। उन्होंने कहा, 'हां, शार्दुल की बल्लेबाजी में अधिक क्षमता है लेकिन पुजारा, जिंक्स (अजिंक्य रहाणे) और मैंने काफी रन नहीं बनाए।' कप्तान ने कहा कि वह ठाकुर के विकल्प पर फैसला करते समय बल्लेबाज क्षमता पर अधिक गौर नहीं करेंगे। प्रत्येक मैच अन्य बल्लेबाजों के लिए मौका होता है कि वे जिम्मेदारी संभालें। रोहित और लोकेश राहुल काफी अच्छा खेले और एक बल्लेबाजी इकाई के रूप में अपनी स्थिति को लेकर हम काफी सहज थे और हमें नहीं लग रहा कि अगर शार्दुल नहीं खेलता है तो हमारे पास एक बल्लेबाज कम रहेगा। कोहली ने एक बार फिर संकेत दिया कि वह दूसरे टेस्ट में भी पहले टेस्ट की राह पर चलना चाहते हैं।

वीवीएस लक्ष्मण ने बताया. किस वजह से बेन स्टोक्स हैं दुनिया के नंबर-1 टेस्ट ऑलराउंडर

नई दिल्ली (एजेंसी)। टेस्ट क्रिकेट में ऑलराउंडर का अपना एक महत्व होता है। वर्ल्ड क्रिकेट में ये बहस अक्सर छिड़ जाती है कि दुनिया में टेस्ट का नंबर-1 ऑलराउंडर कौन है। इस बारे में क्रिकेट के अलग-अलग दिग्गजों की अलग-अलग राय होती है। अब

भारत के पूर्व बल्लेबाज वीवीएस लक्ष्मण ने मौजूदा क्रिकेट में टेस्ट के नंबर-1 ऑलराउंडर का ऐलान किया है। लक्ष्मण ने ऑल राउंडर की लिस्ट में इंग्लैंड के बेन स्टोक्स को पहले नंबर पर रखा है, दूसरे नंबर पर वेस्टइंडीज के ऑलराउंडर जेसन होल्डर और तीसरे नंबर पर भारत के रविंद्र जडेजा को शामिल किया है। क्रिकइंफो से बात करते हुए लक्ष्मण ने कहा, 'मेरे लिए बेन स्टोक्स दुनिया के नम्बर-1 टेस्ट ऑलराउंडर हैं, नंबर 2 पर वेस्टइंडीज के जेसन होल्डर और तीसरे नंबर पर भारत के रविंद्र जडेजा हैं। जिस तरह से जडेजा ने पहले टेस्ट में बल्लेबाजी की वो दिखाता है कि उन्होंने अपने स्वभाव और मानसिकता में काफी बदलाव आया है, और अच्छे तेज गेंदबाजों के खिलाफ परिस्थितियों का सामना करने में सफल होने के लिए बेहतर टेम्परामेंट का प्रदर्शन कर रहे हैं। लेकिन मेरे लिए महान ऑलराउंडर वो है जो सीधे टीम में जगह बना लें, चाहे वह बल्लेबाज हो या गेंदबाज। जडेजा ऐसा नहीं करते। स्टोक्स और होल्डर पर बात विस्तार से बात करते हुए लक्ष्मण ने कहा, 'बेन स्टोक्स इंग्लैंड की टीम में एक बल्लेबाज के रूप में शामिल होते हैं। वहीं जेसन होल्डर बल्ले से उतना योगदान नहीं दे पाते, फिर भी एक गेंदबाज के रूप में उनकी जगह टीम में बनती है। जबकि रविन्द्र जडेजा मैदान पर लाइववायर की तरह हैं। वे बल्ले और गेंद दोनों से मैच में योगदान देते हैं। मेरे लिए बेन स्टोक्स दुनिया के नंबर-1 ऑलराउंडर हैं।'

लॉर्ड्स टेस्ट से बाहर हुए शार्दुल ठाकुर, वसीम जाफर का ट्वीट हुआ वायरल

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर दूसरे टेस्ट से बाहर हो गए हैं। भारत और इंग्लैंड के बीच दूसरा टेस्ट मैच गुरुवार से ऐतिहासिक लॉर्ड्स ग्राउंड में खेला जाएगा। भारत के पूर्व बल्लेबाज वसीम जाफर सोशल मीडिया में काफी सक्रिय रहते हैं और उनके मीम्स जमकर वायरल होते हैं। जाफर ने शार्दुल ठाकुर के लॉर्ड्स टेस्ट से बाहर होने पर ट्वीट किया है। गौरतलब है कि जाफर हैमस्ट्रिंग की चोट की वजह से दूसरा टेस्ट नहीं खेल पाएंगे। शार्दुल ठाकुर के लॉर्ड्स टेस्ट से बाहर होने पर जाफर ने ट्वीट किया,'अगर शार्दुल ठाकुर लॉर्ड्स टेस्ट से चूक जाते हैं तो यह दुखद है। आखिरकार अक्सर क्रिकेटरों को उनके नाम पर बने स्टेडियम में खेलने का मौका नहीं मिलता है।' बुधवार को भारतीय कप्तान विराट कोहली ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया,' 'शार्दुल ठाकुर के बाएं पैर की मांसपेशियों में खिंचाव है जिसके चलते वो दूसरा टेस्ट नहीं खेलेंगे। हालांकि वो तीसरे टेस्ट में वापसी करेंगे।' तीसरा टेस्ट मैच 25 अगस्त से लीड्स में खेला जाएगा।

शार्दुल ठाकुर ने नॉटिंघम में

खेले गए पहले टेस्ट में चार विकेट चटकाए थे। उन्होंने पहली पारी में इंग्लैंड के कप्तान जो रूट का विकेट झटका था। मुंबई के तेज गेंदबाज शार्दुल ठाकुर को ठाकुर नाम से भी जाना जाता है। कुछ भारतीय भाषाओं में ठाकुर का मतलब भगवान होता है। सोशल मीडिया पर उनके फैन्स उन्हें 'लॉर्ड शार्दुल ठाकुर' उपनाम से बुलाते हैं। कोहली ने अश्विन की जगह शार्दुल ठाकुर को पहले टेस्ट में प्लेइंग इलेवन में खिलाया था। कोहली ने इंग्लिश परिस्थितियों में दूसरे टेस्ट में भी चार तेज गेंदबाजों के साथ उतरने की मंशा जताई। ऐसे में शार्दुल ठाकुर की जगह ईशांत शर्मा या उमेश यादव में से किसी एक को लॉर्ड्स टेस्ट में मौका मिल सकता है। ईशांत शर्मा पहले टेस्ट में नहीं खेल पाए थे। इसकी वजह उनका पूरी तरह से फिट नहीं होना बताया गया था। भारत गुरुवार को टॉस के समय अपनी प्लेइंग इलेवन की घोषणा करेगा।

उपराष्ट्रपति की भावुक अपील का भी असर नहीं, उच्च सदन में फिर नीची हरकत, पेपर फाड़ आसन पर उछाले

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के मानसून सत्र के दौरान राज्यसभा में बुधवार को भी जमकर हंगामा देखने को मिला है। विभिनन्‍ मुद्दों को लेकर विपक्षी नेता राज्यसभा के वेल में इकट्ठा हुए और नारे लगाने लगे। यहां तक कि कई सांसदों ने पेपर को फाड़ कर उसे हवा में फेंकते हुए नजर आए। बता दें कि राज्यसभा में मंगलवार को जब कृषि के मुद्दे पर चर्चा शुरू होने वाली थी तो विपक्षी सदस्यों के हंगामे के बीच बाजवा को सदन के भीतर अधिकारियों की मेज पर चढ़कर एक सरकारी फाइल को आसन की ओर फेंकते हुए देखा गया था। जबकि संसद सत्र को सुचारू रूप से चलने के लिए राज्यसभा के सभापति वेंकैया नायडू ने सदस्यों से भावुक अपील की थी। राज्यसभा के सभापति एम वेंकैया नायडू ने मंगलवार को सदन में हुई घटना पर क्षोभ व्यक्त करते हुए बुधवार को रुंधे गले से कहा कि वह रात भर सो नहीं सके क्योंकि लोकतंत्र के सर्वोच्च मंदिर की पवित्रता भंग की गई। उच्च सदन की बैठक शुरू होने पर सभापति ने कल की घटना पर अफसोस जाहिर करते हुए कहा कि वह इस वरिष्ठ सदन की गरिमा पर आघात के कारण का पता लगाने के लिए प्रयास करते रहे।उन्होंने कहा कि संसद लोकतंत्र का सर्वोच्च मंदिर होता है और इसकी पवित्रता पर आंच नहीं आने देना चाहिए। उन्होंने कहा कल जो सदन में हुआ, वह पहले कभी नहीं हुआ। मैं बहुत दुखी हूं। उन्होंने कहा कि आधिकारियों की मेज और उसके आसपास का हिस्सा सदन के पवित्र गर्भ गृह की तरह है। इस मेज पर राज्यसभा के महासचिव, पीठासीन अधिकारी, अधिकारी और संवाददाता काम करते हैं।किसी भी स्थान की पवित्रता का उल्लंघन करने, चोट पहुंचाने या नष्ट करने के लिए कही गई या की गई हर बात अपवित्रता के समान है। हम मंदिरों, चर्चों और मस्जिदों की भूमि हैं। सभापति ने कहा कि संसद, हमारे देश की सर्वोच्च विधायिका को 'लोकतंत्र का मंदिर' माना जाता है। टेबल क्षेत्र जहां सदन के अधिकारी और पत्रकार, महासचिव और पीठासीन अधिकारी बैठते हैं, सदन का पवित्र गर्भगृह माना जाता है। निश्चित ही इस स्थान से पवित्रता जुड़ी हुई है। भरे गले से नायडू ने कहा कि इस स्थान की भी पवित्रता है। उन्होंने कहा कि मंदिर में जब श्रद्धालु जाते हैं तो उन्हें एक निश्चित स्थान तक जाने की अनुमति होती है, उसके आगे नहीं। उन्होंने कहा कि सदन के बीचों बीच (आसन के समक्ष, मेज तक) आना इसकी पवित्रता को भंग करने जैसा है और पिछले कुछ वर्षों से ऐसा अक्सर हो रहा है।

मुस्लिम विरोधी नारेबाजी के मामले में बीजेपी नेता अश्विनी उपाध्याय को मिली जमानत

नई दिल्ली (एजेंसी)। जंतर मंतर पर लगे मुस्लिम विरोधी नारों के मामले में गिरफ्तार किए गए बीजेपी नेता और सुप्रीम कोर्ट के वकील अश्विनी उपाध्याय को जमानत मिल गई है। दिल्ली की एक अदालत ने उन्हें इस मामले में बुधवार को जमानत दे दी। अश्विनी उपाध्याय समेत 6 लोगों को दिल्ली पुलिस ने मंगलवार को ही गिरफ्तार किया था। उपाध्याय के अलावा इस मामले में दीपक सिंह, विनोद शर्मा, विनीत बाजपाई, प्रीत सिंह और दीपक कुमार नाम के शख्स को अरेस्ट किया गया था।

इन सभी लोगों पर धार्मिक उन्माद बढ़ाने और कोरोना नियमों के उल्लंघन के आरोप में केस दर्ज किया गया था। जंतर मंतर पर 8 अगस्त की शाम को हुए एक कार्यक्रम में भड़काऊ भाषण के मामले से देश भर में सनसनी फैल गई थी। संसद के एकदम पास इस तरह की घटना को लेकर दिल्ली पुलिस पर भी सवाल उठे थे। वहीं इस कार्यक्रम के आयोजक बताए जाने वाले अश्विनी उपाध्याय का कहना था कि वह दोपहर में ही चले गए थे और इस तरह की नारेबाजी से उनका कोई लेना-देना नहीं है। उपाध्याय को अदालत ने दो दिन

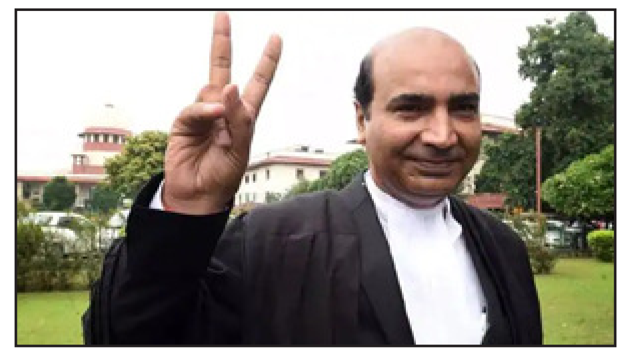

की न्यायिक हिरासत में भेजा था, जिसके बाद सुप्रीम कोर्ट के वकील ने बेल के लिए अप्लाई किया था।

दरअसल रविवार को भारत जोड़ो मूवमेंट के बैनर तले उपाध्याय ने ही एक कार्यक्रम का आयोजन किया था। इस कार्यक्रम में उन्होंने औपनिवेशक दौर के कानूनों को हटाने और देश में समान नागरिक संहित लागू करने की मांग की थी। लेकिन इसी आयोजन में शाम को नारेबाजी होने से विवाद छिड़ गया था। उपाध्याय की जमानत अर्जी पर सुनवाई के दौरान दिल्ली पुलिस ने उन्हें राहत दिए जाने का विरोध किया। दिल्ली पुलिस ने कहा कि वह मुख्य वक्ता थे और फिलहाल उनकी भूमिका की जांच की जा रही है।

दिल्ली में हज हाउस के विरोध में उतरी वीएचपी, कहा- संवेदनशील इलाके में बनाना गलत

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के द्वारका में हज हाउस के निर्माण को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। हज हाउस के निर्माण का हिन्दूवादी संगठन और स्थानीय लोग की ओर से विरोध भी शुरू हो गया है। हज हाउस के निर्माण को लेकर विश्व हिन्दू परिषद संयुक्त जनरल सचिव डॉ सुरेंद्र जैन ने कहा कि स्थानीय लोगों की आपत्ति के बावजूद द्वारा के बेहद संवेदनशील इलाके में हज हाउस की योजना बनाई जा रही है। उन्होंने कहा कि पालम एयरपोर्ट इसके करीब है, आईजीआई एयरपोर्ट ज्यादा दूर नहीं है। बहुत भीड़ है। मेवात और अन्य क्षेत्रों से बसें आने पर कितनी भीड़ होगी? हज हाउस का विरोध करने वाले संगठन कह रहे हैं कि इससे धार्मिक सद्भावना को नुकसान पहुंचेगा। उन्होंने कहा कि विरोध के बावजूद केजरीवाल सरकार नहीं मानी, विरोध का कोई जवाब भी नहीं दिया। विश्व हिंदू परिषद ने घोषणा की है कि किसी भी हालत में वहां हज हाउस नहीं बनने दिया जाएगा, लोग एक-एक ईंट निकाल देंगे। बता दें कि सेक्टर 22 में हज हाउस बनाने का प्रस्ताव नया नहीं है। इसकी आधारशिला सबसे पहले 2008 में तत्कालीन सीएम शीला दीक्षित ने रखी थी। बाद में इस परियोजना को ठंडे बस्ते में डाल दिया गया था और 2018 में दिल्ली सरकार ने इसके लिए 94 करोड़ रुपए आवंटित किए थे। जिसके बाद हज हाउस के निर्माम की चर्चा एक बार फिर से शुरू हो गई है।भवन का निर्माण शुरू होने वाला ही था कि ऑल द्वारका रेजिडेंट्स फेडरेशन ने इसका विरोध किया और कहा कि अगर यहां हज हाउस का बनाया गया तो इलाके में कश्मीर जैसे हालात पैदा हो जाएंगे। इस मुद्दे को लेकर पिछले शुक्रवार को आसपास के गावों की एक महापंचायत बुलाई गई थी। जिसमें फैसला लिया गया कि द्वारका में हज हाउस का निर्माण नहीं होने देंगे। बता दें कि यूपी, हरियाणा, पंजाब समेत कई राज्यों से हज यात्री यहां आतें हैं और यहीं से हज के लिए उड़ान भरते हैं।

कर्नाटक की राजनीति में अब भी जारी है नाटक, मंत्री ने दिया इस्तीफे का संकेत

बेंगलुरु (एजेंसी)। विभाग आबंटन पर नाराज कर्नाटक के मंत्री आनंद सिह ने बुधवार को संकेत दिया कि वह अपने पद से इस्तीफा दे देंगे। सिंह ने एक सप्ताह पहले ही पर्यटन, पारिस्थितिकी और पर्यावरण मंत्री का पदभार संभाला था। मंत्री के करीबी सूत्रों ने बताया कि वह ऊर्जा विभाग और वन विभाग पाने को इच्छुक थे क्योंकि बी एस येदियुरप्पा सरकार के दौरान उनके पास वन विभाग था। सूत्रों ने कहा, उनकी इच्छा के खिलाफ उन्हें पर्यटन, पारिस्थितिकी और पर्यावरण विभाग दिया गया। सिंह ने अपनी नाराजगी प्रकट की है और उन्होंने यहां अपना विधायक कार्यालय भी बंद कर दिया है।' मंत्री ने कहा, मेरा राजनीतिक करियर वेणु गोपालकृष्ण मंदिर से प्रारंभ हुआ था। मैं आपसे कहना चाहूंगा कि मुझे नहीं पता कि मेरा राजनीतिक जीवन भी शायद यहीं समाप्त हो जाए। यदि मुझे गोपालकृष्ण का आशीर्वाद प्राप्त रहेगा तो नई शुरुआत भी हो सकती है।

वह मंदिर में पूजा-अर्चना करने के बाद संवाददाताओं से बातचीत कर रहे थे। इस मंदिर का निर्माण 60 साल पहले उनके दादा शंकर सिंह ने कराया था। सिंह ने कहा, लेकिन, यदि भगवान कहते हैं कि तुम्हारा राजनीतिक जीवन यहीं खत्म हो, तो मैं कृष्णा से आशीर्वाद मांगूगा और अपने जीवन में नई पारी शुरू करूंगा। उन्होंने कहा, मैंने कभी इस तरह बर्ताव नहीं किया कि पार्टी और हमारे नेता असहज हो जाएं। यदि मैंने ऐसा बर्ताव किया हो, तो मुझे माफ कीजिए। मैं ऐसा इसलिए कह रहा हूं क्योंकि मैं राज्य का कोई बड़ा नेता नहीं हूं।उन्होंने कहा, मैंने कल ही अहसास किया कि मेरी यह गलत धारणा थी कि राज्य में मुझे बचाने के लिए कई नेता हैं। मुझे पूरा विश्वास था कि मुझे बचाने के लिए कई ऐसे बड़े दिग्गज नेता एवं मित्र तैयार होंगे लेकिन यह मेरा अतिविश्वास साबित हुआ। यह कोई भ्रम था। मुझे अपने नेताओं पर विश्वास है लेकिन मुझे संदेह है कि उन्हें भी मुझपर विश्वास है या नहीं। भावी कदम के बारे में पूछे जाने पर सिंह ने कहा, मैं किसी भी चीज पर प्रतिक्रिया नहीं देना चाहता। मुझे जो भी कहना था, मैंने राजनीतिक ढंग से मुख्यमंत्री को कह दिया जब मैं उनसे 8 अगस्त को मिला था। मैं अब भी उस बात पर कायम हूं और रहूंगा। मेरा रूख मेरा है। मैं इसे सार्वजनिक नहीं करूंगा। उन्होंने मुझे आश्वासन दिया है या नहीं-- यह उन्हीं पर रहने दीजिए। पूर्व मुख्यमंत्री बी एस येदियुरप्पा के प्रति आभार और सम्मान प्रकट करते हुए उन्होंने कहा कि उन्होंने उनसे जो कुछ जैसे हास्पेट तालुका, बेल्लारी जिले से विजयनगर को अलग करना, सिंचाई परियोजनाएं और पसंद का विभाग, मांगा, उन्होंने वह दिया। इससे पहले मुख्यमंत्री बसवराज एस बोम्मई ने पत्रकारों से कहा था, मैं और आनंद सिंह तीन दशक से दोस्त हैं। हम लगातार एक-दूसरे के सम्पर्क में रहे हैं। कल भी मैंने उनसे बात की थी। आज भी मैं उनसे बात करूंगा। मुझे उनके विचारों के बारे में पता है और मैंने अपने विचार भी उन्हें बता दिए हैं। उनके मेरे पास आकर मुझसे बातचीत करने के बाद सब ठीक हो जाएगा। सिंह के इस्तीफा सौंपने की खबरों का खंडन करते हुए बोम्मई ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि वह उन्हें मना लेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि मंत्री ने उनसे 'भावुकता से अपने दिल की बात कही और उन्होंने उनसे शांत दिमाग से काम करने को कहा। मुख्यमंत्री ने कहा कि नाराज मंत्री द्वारा रखी गई मांगों के हल के लिए उन्हें अपने वरिष्ठों से बात करनी होगी।

मोदी जी से मत लो आप पंगा... रामदास आठवले की कविता से आखिर क्यों भड़क गया विपक्ष

नई दिल्ली (एजेंसी)। राज्यों को ओबीसी वर्ग के लिए आरक्षण की सूची का अधिकार देने वाले 127वें संविधान संशोधन विधेयक पर राज्यसभा में चर्चा के दौरान रामदास आठवले के भाषण पर हंगामा मच गया। संसद में अपनी चुटीली कविताओं के लिए चर्चित रामदास आठवले ने एक बार फिर से अपने ही अंदाज में विपक्ष पर हमला बोला। रिपब्लिकन पार्टी के नेता रामदास आठवले ने कविता के जरिए कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी इस बिल के जरिए बड़ा मास्टरस्ट्रोक चल रहे हैं और वह 2024 के आम चुनाव में भी पीएम के तौर पर चुने जाएंगे। इस दौरान उन्होंने विपक्ष पर भी कविता के जरिए तंज कसा। आठवले ने कहा, 'मेरा बहुत ही आनंदित है मन, क्योंकि पास हो रहा है 127वां संशोधन। बहुत खुश हो जाएंगे अब ओबीसी जन, आ गया है अब वह क्षण।' इसके आगे उन्होंने पीएम मोदी के एक बार फिर से सत्ता में आने की भविष्यवाणी करते हुए कहा, 'जो करती है कांग्रेस और विपक्षी दलों पर वार, वह है मोदी सरकार। 2024 में मोदी जी के लिए खुल जाएगा सत्ता का द्वार।' यही नहीं उन्होंने कांग्रेस समेत विपक्षी दलों पर तंज कसते हुए कहा, 'विरोधी दल रोज बोल रहे हैं हाय-हाय, पर मोदी जी दे रहे हैं सबको सामाजिक न्याय। जनता आपको 2024 में कह देगी बाय-बाय, फिर हम कांग्रेस को कहेंगे हाय-हाय। रामदास आठवले ने विपक्ष की ओर से सदन में हंगामे को लेकर कहा, 'आप रोज करते हैं हाउस में दंगा तो एक दिन हम आपको कर देंगे नंगा, मोदी जी से मत लो आप पंगा।' उनकी इन पंक्तियों को लेकर सदन में हंगामा शुरू हो गया। कांग्रेस के सांसदों की ओर से इस पर हंगामा शुरू हो गया। इसे लेकर चेयर पर बैठे सस्मित पात्रा ने कहा कि जो कुछ भी असंसदीय होगा, वह रिकॉर्ड में नहीं जाएगा।

आरक्षण के ही खिलाफ थे पंडित नेहरू, बीजेपी सांसद के भाषण पर राज्यसभा में मचा हंगामा

नई दिल्ली (एजेंसी)। राज्यसभा में ओबीसी आरक्षण की सूची तय करने के लिए राज्यों को अधिकार देने वाले संविधान संशोधन विधेयक पर चर्चा के दौरान बुधवार को हंगामा मच गया। दरअसल इस विधेयक पर चर्चा के दौरान बीजेपी के सांसद और बिहार के पूर्व डिप्टी सीएम सुशील कुमार मोदी के भाषण पर कांग्रेस सांसद भड़क गए। सुशील कुमार मोदी ने अपने भाषण में कहा कि बीजेपी लंबे समय से सामाजिक न्याय के लिए तत्पर रही है। उन्होंने कहा कि मैं संघ के बैकग्राउंड से आता हूं और आरएसएस ने हमेशा ही सामाजिक न्याय को लेकर अपनी प्रतिबद्धता जताई है।

धर्मांतरण रोकने को छत्तीसगढ़ की कांग्रेस सरकार कर रही यह काम, मंत्री ने बताया

रायपुर (एजेंसी)। आदिवासियों का धर्मांतरण रोकने के लिए छत्तीसगढ़ की कांग्रेस सरकार आदिवासी समुदायों को फंडिंग मुहैया करा रही है ताकि वे पूजा के अपने परंपरागत स्थानों का विकास और संरक्षण कर सकें, जिन्हें देवगुडीस कहा जाता है। उद्योग मंत्री कावासी लकमा ने मंगलवार को यह जानकारी देते हुए कहा कि ऐसा इसलिए किया जा रहा है ताकि उन्हें कोई धर्मांतरण के लिए प्रलोभन ना दे सके। बड़ी आदिवासी जनसंख्या वाले बस्तर से कांग्रेस के वरिष्ठ नेता लकमा ने यह भी दावा किया कि पिछले 2.5 साल के कांग्रेस राज में किसी भी आदिवासी को ईसाई नहीं बनाया गया है। लकमा भारतीय जनता पार्टी (ँव्ह्न) की ओर से लगाए गए उन आरोपों का जवाब दे रहे थे, जिनमें कहा गया है कि बस्तर में धर्मांतरण किया जा रहा है।लकमा ने स्थानीय मीडियाकमिर्यों से बातचीत में कहा, बीजेपी के 15 साल के शासन में सुकमा जिले में 30 चर्चों का निर्माण हुआ, लेकिन पिछले दो साल में एक भी अस्तित्व में नहीं आया है। यह सुनिश्चित करने के लिए कि धर्मांतरण ना हो और लोग चर्चों में ना जाएं, राज्य सरकार बस्तर में हर 'देवगुडी' को 5 लाख और 'घोटूल' को 10 लाख रुपए दे रही है। हम चाहते हैं कि हमारे मंदिरों और देवगुडी की हालत अच्छी रहे। पिछले 2 साल में कोई धर्मांतरण नहीं हुआ है। बीजेपी के प्रवक्ता गौरी शंकर श्रीवास ने दावा किया कि लकमा का बयान जमीन की वास्तविकता से विपरीत है। श्रीवास ने कहा, एक महीने पहले सुकमा पुलिस प्रमुख ने अधिकारियों से ईसाई मिशनरियों और धर्म बदल चुके आदिवासियों की गतिविदियों पर सख्त निगरानी करने को कहा और अब लकमा कह रहे हैं कि कोई धर्मांतरण नहीं हो रहा है। दोनों बयान विरोधाभासी हैं। चुनाव जीतने के लिए कांग्रेस सॉफ्ट हिंदुत्व को प्रचारित कर रही है, लेकिन इसमें उनका कोई विश्वास नहीं है।

चीन में बैन होंगे 'हानिकारक' गाने, बताया राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीन की सरकार हमेशा से ही सेंसरशिप को अपने तरीके से परिभाषित करती आई है। इसी कड़ी में चीन ने राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरा बताते हुए 'कैरेओके' गीतों पर प्रतिबंध लगाने का फैसला किया है। वहां राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा पैदा करने वाले, धार्मिक प्रथाओं का उल्लंघन करने या नशीली दवाओं के इस्तेमाल को बढ़ावा देने वाले 'हानिकारक' गानों पर प्रतिबंध लगाने का फैसला किया गया है। दरअसल, चीन की सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने मंगलवार को बताया कि चीन मनोरंजन स्थलों पर 'हानिकारक सामग्री' वाले कैरेओके गीतों पर प्रतिबंध लगाएगा। जल्द ही चीनी संस्कृति और पर्यटन मंत्रालय ऐसे गीतों को गैरकानूनी घोषित करने के लिए एक ब्लैकलिस्ट तैयार करेगा, जो समाज के लिए खतरा लगते हैं। इनमें राष्ट्रीय एकता, संप्रभुता या क्षेत्रीय अखंडता के साथ-साथ उन गीतों को भी शामिल किया जाएगा है।

भारत को छूट और हम पर अब भी पाबंदी, क्यों है यह अन्याय; यात्रा की पाबंदी पर ब्रिटेन से बोला पाकिस्तान

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के सर्वोच्च स्वास्थ्य अधिकारी ने ब्रिटेन के स्वास्थ्य सचिव को खत लिखकर इस बात पर असंतोष जाहिर किया है कि उनके देश को यात्रा प्रतिबंध की सूची में बरकरार रखा गया है, जबकि भारत को छूट दी जा चुकी है। पाकिस्तान ने इसे अन्याय बताया है। पाकिस्तान को अप्रैल की शुरुआत में जबकि भारत को 19 अप्रैल को यात्रा प्रतिबंध वाले देशों की सूची में डाला गया था। भारत को कुछ अन्य देशों के साथ 5 अगस्त को इस सूची से बाहर कर दिया गया, जबकि पाकिस्तान इसमें बना हुआ है। यूके के परिवहन सचिव ग्रांट शाप्स ने ट्वीट किया, ''यूएई, कतर, भारत और बहरीन को रेड लिस्ट से बाहर किया जा रहा है। ये बदलाव रविवार, 8 अगस्त 4ँस् से प्रभावी होंगे।'' यूके में पाकिस्तानी मूल के स्वास्थ्य सचिव साजिद जाविद को लिखे लेटर में पाकिस्तान के स्वास्थ्य विशेष सलाहकार फैजल सुल्तान ने पाकिस्तान और क्षेत्र के दूसरे देशों के महामारी के आंकड़े शेयर किए।

इस लेटर को मानवाधिकार मंत्री शिरीन माजरी ने ट्विटर पर शेयर किया। सुल्तान ने कहा कि संक्रमित लोगों को यात्रा करने से रोकने के लिए तीन त्रिस्तरीय दृष्टिकोण का इस्तेमाल किया जाना चाहिए। इसमें ष्ध् की ओर से मान्यता प्राप्त कोविड-19 वैक्सीन का प्रमाण, 72 घंटे भीतर का आरटीपीसीआर टेस्ट और एयरपोर्ट पर रेपिड एंटीजन टेस्ट शामिल है। पाकिस्तान, भारत, ईरान और इराक के आंकड़ों की तुलना करते हुए सुल्तान ने कहा कि पाकिस्तान का प्रतिदिन प्रति 10 लाख केस, प्रति 10 लाख पर प्रतिदिन होने वाली मौतें क्षेत्र में सबसे कम हैं, जबकि प्रति 100 व्यक्ति पर टीकाकरण सबसे अधिक है। उन्होंने यह भी कहा कि पाकिस्तान में पर्याप्त संख्या में टेस्टिंग की जा रही है।

अफगान सेना को बड़ा झटका, तालिबान ने कुंदुज एयरपोर्ट के पास बड़े आर्मी बेस पर किया कब्जा

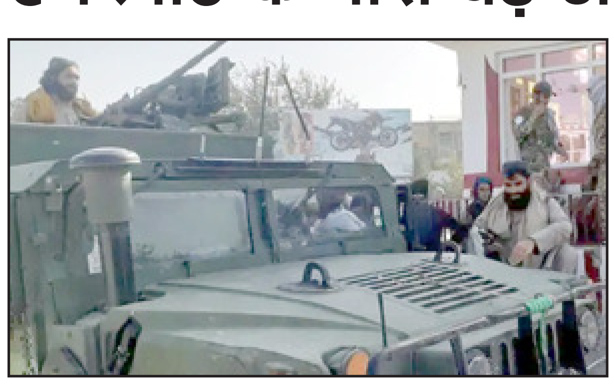

काबुल (एजेंसी)। अफगानिस्तान के अधिकारियों और तालिबान ने कहा है कि विद्रोहियों ने कुंदुज प्रांत में एक बड़े आर्मी बेस पर कब्जा कर लिया है। एयरपोर्ट पर मौजूद 217 कॉर्प्स पर बुधवार को कब्जा कर लिया गया। तालिबान ने इसका ऑनलाइन वीडियो भी जारी किया है, जिसमें दिखाया गया है कि सैनिक बेस को छोड़कर जा रहे हैं। हालांकि, अफगानिस्तान सरकार ने अभी इस पर प्रतिक्रिया नहीं दी है। 2017 कॉर्प्स अफगान सेना के सात कमांड्स में से एक है। अफगान अधिकारियों ने बताया कि तालिबान ने कुंदुज हवाई अड्डे स्थित सेना के स्थानीय मुख्यालय पर कब्जा कर लिया है, इसके साथ ही पूवीत्तर सूबे पर चरमपंथी संगठन का पूरा कब्जा हो गया है।

एक स्थानीय सांसद ने एएफपी को बताया कि तालिबान के उत्तरी शहर पर कब्जे के बाद सैकड़ों अफगान सैनिकों ने आत्मसमर्पण कर दिया है। कुंदुज प्रोविंसियल काउंसिल के सदस्य अमरुद्दीन वली ने कहा कि सैनिकों, पुलिसकमिर्यों और अन्य सुरक्षाबलों ने अपने सभी सैन्य संसाधन के साथ तालिबान के सामने सरेंडर कर दिया है। अमेरिकी और नाटो सेना की वापसी के साथ ही तालिबान ने अफगानिस्तान पर कब्जे की मुहिम तेज कर दी है और करीब दो-तिहाई हिस्से पर कब्जा कर लिया है। तालिबान ने बदख्शां और बघलान और फाराह प्रांतों की राजधानियों पर कब्जा कर लिया है। कुंदुज के आर्मी बेस पर कब्जे को अफगानबलों के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। बदख्शां अफगानिस्तान का नौवां प्रांत है, जिस पर तालिबान ने एक हफ्ते से भी कम समय में कब्जा करने का दावा किया है।

भारत ने 2019 में अफगान सेना को दिया था एमआई-24 हेलीकॉप्टर, अब तालिबान ने कब्जाया

(एजेंसी)। तालिबान और अफगान सेना की बीच लड़ाई जारी है। अब तालिबान ने कुंदुज के आर्मी बेस पर भी कब्जा कर लिया है। इसे अफगान सुरक्षा बलों के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। कुंदुज बेस पर तालिबान ने भारत द्वारा साल 2019 में गिफ्ट में दिए श्-24 अटैक हेलीकॉप्टर पर भी कब्ज़ा कर लिया है। हालांकि रिपोर्ट्स के मुताबिक हेलीकॉप्टर बहुत खराब हालत में है और उड़ने लायक नहीं है। हेलीकॉप्टर का इंजन भी गायब है। यह भी कहा जा रहा है कि अफगान सुरक्षा बलों ने तालिबान के हमले के संभावना को लेकर हेलीकॉप्टर के रोटर्स और इंजन हटा दिए थे। भारत ने 16 मई 2019 को काबुल वायुसेना अड्डे पर अफगानिस्तान के रक्षा मंत्री असदुल्ला खालिद को दो श्-24 लड़ाकू हेलीकॉप्टर सौंपे थे। इससे पहले 25 दिसंबर 2016 को पीएम नरेंद्र मोदी की अफगानिस्तान यात्रा के दौरान, नई दिल्ली ने अफगान वायु सेना को चार एमआई-25 हेलीकॉप्टर गिफ्ट दिए थे।